शुभ लाभ
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ DAILY
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

कांग्रेस सरकार का आंतरिक आरक्षण आदेश रद्द करने का दुर्भावनापूर्ण इरादा @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शुक्रवार, 31 अक्टूबर, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-297

विदेशों में बंधक रखा अपना सोना वापस ला रही है भारत सरकार

अंतरराष्ट्रीय आर्थिक और राजनीतिक अस्थिरता के बीच दूरदर्शी फैसला

सोना अपना 'सोणा' है...

भारत सरकार समझदारी और दूरदर्शिता से विदेशी बैंकों में रखा भारत का सोना वापस ला रही है। विश्व में फैली अराजकता के मद्देनजर यह काम अत्यंत जरूरी थी, जिसे समय रहते भारत सरकार ने समझा और उसे पूरा करने में लग गई। आपको मालूम ही है कि अमेरिका या यूरोपीय देशों में रखा विभिन्न देशों का सोना जब्त कर लिए जाने की तमाम कार्रवाइयां हुईं। अमेरिका और यूरोपीय देशों ने रूस-यूक्रेन युद्ध के बहाने रूस का रखा तमाम सोना जब्त कर लिया। अमेरिका अपना स्वर्ण भंडार बढ़ाने में लगा है। अमेरिकी की तरह ही अन्य पश्चिमी देश भी सोना भंडार बढ़ा रहे हैं और उसे सुरक्षित रख रहे हैं। इसका दूसरा पहलू यह भी है कि दुनिया में अमेरिकी डॉलर अपना वर्चस्व खो रहे हैं। ऐसे में सोना ही विश्व का आर्थिक संतुलन ठीक करेगा। लिहाजा, इन दूरदर्शी दृष्टिकोणों से भारत सरकार ने विदेशी बैंकों या संस्थानों में रखा अपना सोना वापस लाने का काम तेज कर दिया है।

शुभ-लाभ राष्ट्रहित

सोना वापस लाने का मुख्य कारण अंतरराष्ट्रीय आर्थिक उथल-पुथल के साथ-साथ राजनीतिक उथल-पुथल भी है। रूस-यूक्रेन युद्ध, अफगानिस्तान की सत्ता पर तालिबान के आने से हुए परिणाम और पश्चिम द्वारा लगाए गए प्रतिबंध, इजराइल और हमास का युद्ध, ईरान के साथ अमेरिका-इजराइल की तनातनी, अमेरिकी टैरिफ के परिणामस्वरूप दुनिया में बढ़ा शक्ति असंतुलन या नया शक्ति-ध्रुवीकरण जैसे कई कारण हैं। लिहाजा, भारत सरकार का अपना सोना वापस लाना समय के साथ चलने का पुख्ता संकेत है। इस कदम से आरबीआई को अपने सोने के भंडार पर अधिक नियंत्रण मिलता है और यह संदेश जाता है कि वह अपनी वित्तीय संप्रभुता में सुरक्षित है। किसी देश के लिए अपना सोना अपने पास रखना कोई छोटी बात नहीं है। दरअसल, 1991 में भारत को वित्तीय और आर्थिक संकट के बीच बैंक ऑफ इंग्लैंड और बैंक ऑफ जापान से 40 करोड़ डॉलर (करीब 35,276 करोड़ रुपए) का ऋण लेने के लिए अपना सोना बाहर भेजना पड़ा था। कुछ लोगों ने आरबीआई से विदेशों से सोना वापस भारत लाने के लिए और भी तेज़ी से कदम उठाने का आग्रह किया है। जैसा कि पाइनट्री मैक्रो के संस्थापक रितेश जैन ने बताया, हमें वास्तव में आश्चर्य है कि सोने की एक बड़ी मात्रा अभी भी भारत के बाहर पड़ी है। मेरा दृढ़ मत है कि इस नई दुनिया में, अगर सोना आपके कब्जे में नहीं है, तो वह आपका सोना नहीं है।

इतिहास ने इसे साबित कर दिया है। ट्रंप प्रशासन ने 2023 में रूस को सोने सहित लगभग 300 अरब डॉलर (करीब 26.46 लाख करोड़ रुपए) मूल्य की ▶10पर

सबसे अधिक स्वर्ण भंडार वाले देशों में भारत 8वें स्थान पर

बिहार के मुजफ्फरपुर में बोले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

भ्रष्टाचार के युवराजों ने झूठ की दुकान खोल रखी है

पटना, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को बिहार के मुजफ्फरपुर में हुई विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए राहुल गांधी और तेजस्वी यादव पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा, बिहार में दो युवराजों ने झूठे वादों की दुकान खोल रखी है। एक भारत के सबसे भ्रष्ट परिवार का युवराज है। वहीं दूसरा बिहार के सबसे भ्रष्ट परिवार का युवराज है। यह दोनों ही हजारों करोड़ों के घोटाले पर जमानत में हैं। इन दोनों ने बुधवार को मोदी को भर-भर के गालियां दीं। अब जो लोग नामदार हैं, वह इस कामदार को गालियां देंगे ही। मुझे गाली दिए बिना, इनका खाना हजम नहीं होता है। दलित और पिछड़ों को गाली देना तो यह नामदार अपना जन्मसिद्ध अधिकार समझते हैं। इसलिए 24 घंटे यह लोग मुझे गंदी-गंदी गालियां देते रहते हैं। इसलिए, क्योंकि इन्हें बर्दाश्त नहीं होता कि एक पिछड़ा का बेटा और चाय बेचने वाला आज यहां पहुंच गया। गालियां देने वाले कान खोलकर सुन लो, यह गरीब का बेटा जनता के आशीर्वाद से यहां तक पहुंचा है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, कांग्रेस और राजद के लिए छठी मैय्या की पूजा भी ड्रामा है। ऐसा कह कर इन लोगों ने छठी मैया का अपमान किया है।

पीएम मोदी ने कहा कि राजद और कांग्रेस का झगड़ा आज की असली खबर है। अब इनका रिश्ता तेल और ▶10पर

राजनीतिक स्वार्थ में छठी मैय्या का भी अपमान कर रहे

जनता बताए इन दोनों युवराजों को बिहार लूटने देंगे क्या?

मुंगेर की जनसभा में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा

सनातन संस्कृति और परंपरा से राहुल का क्या लेना-देना?

मुंगेर, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)।

मुंगेर के असरगंज में तारापुर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी और डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी के समर्थन में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि बिहार, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, दिल्ली और महाराष्ट्र में छठ महापर्व बड़े धूमधाम से मनाया गया। माताओं और बहनों ने श्रद्धा के साथ छठ मैया की पूजा-अर्चना की। दिल्ली में भी बिहारवासियों के लिए विशेष व्यवस्था की गई थी। छठ पूजा के बाद बिहार पहुंचे राहुल गांधी ने छठी मैया का अपमान किया। राहुल गांधी को देश की सनातन संस्कृति और परंपरा से कोई लेना-देना नहीं है। उनकी ननिहाल इटली में है, इसलिए उन्हें इस महापर्व का महत्व नहीं मालूम। अब वे प्रधानमंत्री के बाद छठी मैया का भी अपमान कर रहे हैं। छठ पर्व और पीएम मोदी पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के मामले में राहुल गांधी के खिलाफ मुजफ्फरपुर में मुकदमा भी दर्ज हो गया है।

अमित शाह ने कहा, प्रधानमंत्री का जितना अपमान करोगे, उतना कमल खिलेगा। उन्होंने कहा, छठी मईया और उनके भक्तों का अपमान करने की राहुल गांधी को कीमत चुकानी पड़ेगी। इसके पहले भी राहुल गांधी ने पीएम मोदी के बारे में अपमानजनक तरीके से बात की थी और उनकी मां का अपमान किया था, लेकिन जब भी उन्होंने ऐसा किया है, हर बार कीचड़ से कमल खिला। ▶10पर

ननिहाल इटली में है, उन्हें छठ महापर्व का महत्व नहीं पता

छठ महापर्व के अपमान पर राहुल के खिलाफ मुकदमा

बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना ने कहा, जल्द लौटूंगी

नई दिल्ली, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)।

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने कहा कि वे जल्दी ही अपने देश वापस लौटेंगी। शेख हसीना ने अपने देश लौटने का निश्चय दोहराते हुए कहा, बांग्लादेश में वैध सरकार होगी और दुरुस्त कानून-व्यवस्था कायम होगी। मैं वापस जाऊंगी तब बांग्लादेश में लोकतांत्रिक प्रक्रिया पूरी तरह बहाल होगी। पूर्व पीएम ने कहा, यूनुस चौकड़ी हमारी पार्टी अवामी लीग को चुनाव लड़ने से रोकने का उपक्रम कर रही है। ऐसा हुआ तो हमारी पार्टी चुनाव का बहिष्कार करेगी।

उल्लेखनीय है कि बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना भारत की राजधानी दिल्ली में निर्वासन का जीवन जी रही हैं। पिछले साल अगस्त में ढाका में हिंसक प्रदर्शन भड़कने के बाद उन्होंने इस्तीफा दिया और हेलीकॉप्टर से भारत आ गई थीं। अब 78 वर्ष की उम्र में हसीना नई दिल्ली में रह रही हैं। उन्होंने मीडिया से खुलकर बात की, जिसमें उन्होंने अपने राजनीतिक भविष्य, ▶10पर

ऑडिशन के लिए बुलाकर 17 बच्चों को बंधक बनाया

पुलिस ने आरोपी को ढेर कर बच्चों को बचाया

मुंबई, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)।

मुंबई के पवई स्थित आरए स्टूडियो में 17 बच्चों को बंधक बनाने वाले व्यक्ति रोहित आर्य को ढेर कर पुलिस ने बच्चों को सुरक्षित वापस निकाल लिया। पुलिस ने बाथरूम के रास्ते अंदर घुस कर सभी बंधकों को सुरक्षित निकाला। रोहित आर्य नामक व्यक्ति ने ऑडिशन के लिए आए बच्चों को बंधक बना लिया था। पुलिस ने उससे बातचीत की कोशिश की, लेकिन बात नहीं बनी। फिर पुलिस बाथरूम के रास्ते अंदर घुसी और सभी बच्चों को सुरक्षित बचा लिया। बच्चों को बंधक बनाने वाले व्यक्ति ने स्टूडियो में आग लगाने की धमकी दी थी।

बताया जा रहा है कि आरोपी रोहित आर्य स्टूडियो में ही काम करता था। उसने एक वीडियो भी जारी किया था। इसमें उसने यह कहते हुए धमकी दी थी, मैं रोहित आर्य। मैंने आत्महत्या करने की जगह एक प्लान बनाया और कुछ बच्चों को यहां बंधक बनाया। मेरी कुछ ज्यादा मांगें नहीं हैं। मेरी कुछ नैतिक मांगें हैं। कुछ लोगों से सवाल पूछने हैं। मुझे उनके जवाब चाहिए। न मैं आतंकी हूं, न मेरी पैसों की कोई मांग है। मुझे आसानी से बात करनी है, इसी के लिए बच्चों को बंधक बनाया है। अगर जिंदा रहा तो मैं यह करूंगा, लेकिन होगा जरूर। आपकी तरफ से एक छोटा सा कदम मुझे उकसा देगा और मैं पूरी जगह को आग लगाकर मर जाऊंगा। इससे बच्चों को बेवजह नुकसान होगा, वे निश्चित तौर पर डर जाएंगे। इसका जिम्मेदार मुझे न माना जाए। ▶10पर

वार्ता फेल होने पर पुलिस ने उठाया निर्णायक कदम

चाबहार पोर्ट पर अमेरिकी प्रतिबंधों में छह महीने की छूट

नई दिल्ली, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)।

अमेरिका और भारत के बीच तनाव कम होता नजर आ रहा है। रूस के कच्चा तेल खरीदने की वजह से भारत और अमेरिका के रिश्तों में तनाव बढ़ गया था, हालांकि अब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत को बड़ी राहत देते हुए चाबहार बंदरगाह परियोजना पर प्रतिबंधों से 6 महीने की छूट दी है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने इसकी आधिकारिक पुष्टि की।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि व्यापार समझौते के लिए अमेरिका के साथ भारत की बातचीत जारी है। उन्होंने बताया कि भारत रूसी तेल कंपनियों पर हाल ही में लगाए गए अमेरिकी प्रतिबंधों के प्रभावों का भी भारत सरकार अध्ययन कर रही है। उन्होंने कहा, हमारे निर्णय स्वाभाविक रूप से वैश्विक बाजार की बदलती गतिशीलता को ध्यान में रखते हैं। जहां तक अमेरिका द्वारा रूस की कंपनियों पर लगाए गए प्रतिबंध की बात है, ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

राहुल गांधी के शब्दों में नासमझी और उद्दंडता की झलक

छठ महापर्व जनआस्था है, सियासी नाटक नहीं..!

कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के छठ पूजा अनुष्ठानों में भाग लेने का मजाक उड़ाने वाली हालिया टिप्पणी ने बिहार में एक राजनीतिक तूफान खड़ा कर दिया है। भारतीय जनता पार्टी ने राहुल गांधी पर जनआस्था और त्यौहारी अर्थव्यवस्था, दोनों का अपमान करने का आरोप लगाया है। जैसे-जैसे राहुल गांधी साठ के करीब पहुंच रहे हैं, उनकी बहस क्षमता घटकर भौंडे वक्तव्य और सड़कछाप प्रदर्शन पर केंद्रित हो गई है। भारत के सबसे शक्तिशाली राजनीतिक वंश के उत्तराधिकारी के साथ न केवल एक उपनाम है, बल्कि एक पौराणिक कथा भी है, जिसकी जड़ें राष्ट्रीय जागरण के नेहरू-गांधी युग में हैं। फिर भी, एक ऐसे लोकतंत्र में, जो अब वंश से ज्यादा प्रामाणिकता को महत्व देता है, यह विरासत आशीर्वाद से ज्यादा बोझ बन गई है।

शुभ-लाभ आस्था

एक चुनावी रैली के दौरान और सोशल मीडिया पर, राहुल गांधी ने छठ मनाने में मोदी की आस्था और संस्कार पर सवाल उठाया, इसे राजनीतिक नाटक कहा। उन्होंने पीएम मोदी के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी भी की, जिसमें कहा गया कि, यदि आप उन्हें वोट के लिए नृत्य करने के लिए कहेंगे, तो वह मंच पर नाचेंगे भी। हालांकि, यह टिप्पणी तेजी से उनके ही उलटी पड़ गई है, जो ऐसे समय में आई है जब आस्था और पूजन के साथ-साथ छठ त्यौहार ने बिहार, उत्तर प्रदेश और दिल्ली-एनसीआर में अनुमानित 50,000 करोड़ का कारोबार भी किया है। अर्थशास्त्रियों और स्थानीय व्यापारियों ने इस त्यौहार को क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था के लिए एक बड़ा बढ़ावा बताया, जिसमें पारंपरिक वस्तुओं, खाद्य पदार्थों, बांस की टोकरियों, कपड़ों, मिठाइयों और पर्यटन सेवाओं की बिक्री शामिल है। भाजपा ने यह बताने में देर नहीं लगाई कि जहां इस त्यौहार ने आजीविका को मजबूत किया और लाखों ▶10पर

छठ महापर्व पर राहुल गांधी का कटाक्ष आत्मघाती

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 1,24,280/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 1,53,130/- (प्रति किलोग्राम)

बिजनेस रेफरल ग्रुप की पांचवें कार्यकाल की पहली बैठक आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जेबीएन वी कनेक्ट के पांचवें कार्यकाल की पहली बैठक राजाजीनगर स्थित जीतो बेंगलूरु नॉर्थ कार्यालय में सफलतापूर्वक आयोजित की गई। इस अवसर पर जे.एल.डब्ल्यू की अध्यक्ष लक्ष्मी बाफना, महामंत्री रक्षा छाजेड़, उपाध्यक्ष सुमन सिंघवी, कोषाध्यक्ष एवं स्वयं संयोजक तनुजा मेहता, सहमंत्री सुमन रांका, मीना बडेरा सहित समिति सदस्याओं की गरिमामयी उपस्थिति रही। बैठक की शुरुआत नवकार मंत्र के मंगल पाठ से हुई, जिसने पूरे वातावरण को शांति और सकारात्मकता से भर दिया। पूर्व नेतृत्व टीम मीना जैन एवं सीए सुखदेवी जैन के प्रति आभार व्यक्त किया गया, जिन्होंने अध्याय की प्रगति में सराहनीय योगदान दिया।

इसके पश्चात नई नेतृत्व टीम का स्वागत किया गया। रेफरल हेड लीला पितलिया, रेफरल लीड मीनू जैन और रेफरल सचिव संगीता जैन ने ई-कॉमर्स रोस्टर शीट का औपचारिक विमोचन किया। मुख्य वक्ता प्रमोद बाफना (मल्टी-एंटरप्रेन्योर एवं बिजनेस ग्रोथ स्पेशलिस्ट) ने विषय द गोल्डन सर्कल ऑफ इकोसिस्टम बिल्डिंग पर प्रेरक सत्र प्रस्तुत किया। उन्होंने सदस्यों को अपने व्यवसाय का उद्देश्य पहचानने, रणनीतिक इकोसिस्टम तैयार करने और स्वर्ण सिद्धांत मांगने से पहले देना सीखें अपनाने के लिए प्रेरित किया। 8-मिनट प्रजेंटर के रूप में नितिका टोंगिया (संस्थापक जैविका ज्वेलरी) ने अपने ब्रांड की प्रेरक यात्रा साझा की। केवल दो वर्षों में उन्होंने 92.5 सिल्वर ज्वेलरी का एक प्रतिष्ठित और सफल ब्रांड स्थापित किया है, जो अपनी भव्यता, प्रामाणिकता और विश्वसनीयता के लिए प्रसिद्ध है। उनके डिजाइनों में आधुनिकता और परंपरा का सुंदर संगम झलकता है। जहां एलीगेंस मिलती है परंपरा से। बैठक में एक नए सदस्य का स्वागत किया गया तथा सभी सदस्यों ने उत्साहपूर्वक 30-सेकंड बिजनेस पिच प्रस्तुत कर सहयोग भावना को सशक्त बनाया। अंत में पुरस्कार वितरण कार्यक्रम आयोजित हुआ, जिसमें सर्वश्रेष्ठ 30-सेकंड पिच का पुरस्कार निकिता जैन, सर्वश्रेष्ठ परिधान का पुरस्कार पायल जैन तथा सर्वाधिक व्यवसाय देने वाली का सम्मान रंजना दोदिया को मिला। आगामी उड़ान ट्रेड फेयर (15-16 जनवरी) की जानकारी भी साझा की गई। बैठक का समापन राष्ट्रगान और ओपन नेटवर्किंग सत्र के साथ हुआ, जहां सदस्यों ने विचारों और व्यावसायिक अवसरों का आदान-प्रदान किया।

मुनि चांदमल जी स्वाध्याय प्रेमी, प्रबल पुरुषार्थी और शांत प्रकृति के थे धनी: साध्वी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्वावधान में जैन भवन में आयोजित प्रवचन में स्वामीवर्य मुनि चांदमल जी के पुण्य स्मृति प्रसंग पर साध्वी श्री इंदुप्रभा जी ने कहा कि मुनि चांदमल जी ने जीवन को ही संयम का पर्याय बना लिया था। अनेक दुर्गम परिषहों को सहन कर वे अपने शिष्य समुदाय के साथ दक्षिण भारत पधारे थे। विहार यात्रा कई बार रेलवे इंजन का गर्म जल ग्रहण कर प्यास शांत की थी। उनकी संयम यात्रा निष्कलंक थी और ज्ञान दर्शन चारित्र के वे साक्षात् परिचय थे। अपने श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए साध्वी श्री वृद्धिप्रभा जी ने कहा कि मुनि चांदमल जी स्वाध्याय प्रेमी, प्रबल पुरुषार्थी और शांत प्रकृति के धनी थे। पिता जगाराम और माता पारिबाई की संतान चांदमल जी मरुधर में पिपलिया कला के निवासी थे। पिता के आकस्मिक देहावसान के बाद माता ने बालक में धर्म के संस्कार डाले और गुरु जनों के सत्संग में रखा। गुरु जनों के सत्संग से संतान भले ही संत न बने किंतु एक अच्छा इंसान तो जरूर बन जाते हैं। गुरु नथमल जी के पास दीक्षा लेकर मुनि चांदमल ने जीवन को तप और स्वाध्याय से अलंकृत किया और मुंबई विलेपार्ले में समाधि मरण को प्राप्त हुए। प्रवचन सभा में के जी एफ संघ की ओर से संजय दूगड़ ने आगामी चातुर्मास के लिए विनती रखी।720 प्रश्नों की बड़ी साधु वंदना प्रतियोगिता के परिणामों की घोषणा करते हुए पुरस्कार प्रायोजक सुरेशचंद सशीकला बागरेचा ने 97 वर्षीय वयोवृद्ध श्राविका मदन बाई बोहरा को प्रथम पुरस्कार प्रदान किया। संघ मंत्री अभय कुमार बांठिया ने सभा का संचालन करते हुए बताया कि स्वामी चांदमल जी ने 1966 में अलसूर में चातुर्मास किया था और उनके साथ के चारों संत आचार्य बने। अध्यक्ष धनपत राज बोहरा ने अतिथियों का स्वागत किया। साध्वी श्री शशिप्रभा जी ने मंगल पाठ प्रदान किया।

दानी मनुष्य का तीनों लोक में होता है गुणगान: संतश्री ज्ञानमुनिजी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी ने फरमाया कि आगम के ग्रंथों में संसार से तिरने का उपाय बताया गया है। चार प्रकार के धर्म बताए गए हैं। नाव में अगर पानी आ जाए तो पानी को बाहर निकाल देते हैं। उसी प्रकार अगर कमाई है तो दान धर्म करते रहो। दिल बड़ा रख कर दान करते रहो। जिसका दिल बड़ा होता है वह दान करता रहता है। अगर अच्छा समय है तो दान पुण्य करते रहना चाहिए। यहां से सभी को एक दिन जाना है। इसलिए जब तक यहां रहते हो दान करते रहो। जिसको जरूरत है उसको देना बहुत पुण्य का काम है। जीवन में अगर है तो किसी को ना मत करो। अगर नहीं है तो कोई बात नहीं, लेकिन है तो किसी के काम आना चाहिए। आप जितना दान करोगे उतना ही सुख शांति प्राप्त होगी। समझदार मनुष्य कभी ना नहीं करता है। वह मुख से नहीं बल्कि हाथ से जवाब देता हैं। संसार में सभी मुसाफिर है। यहां रह कर दान करके जीवन को सफल कर लेना चाहिए। दान की महिमा बहुत ही महान होती है। दानी मनुष्य का तीनों लोक में गुणगान होता है। दान सबसे महान होता है। ऊंची गति में जाने का दान ही प्रथम सोपान है। संसार में आए हो तो दान करते रहना चाहिए। यह भव बहुत ही दुर्लभ है। ऐसा मौका मिला है तो दान कर जीवन को सफल बना लेना चाहिए। अपना हाथ हमेशा दान के लिए उठाना चाहिए। संचालन महामंत्री मनोहरलाल लुकड़ ने किया।

मातृछाया जैन महिला संगठन ने वाटर फ्लास्क एवं टिफिन बॉक्स का किया वितरण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मातृछाया जैन महिला संगठन द्वारा किदवई मेमोरियल इंस्टिट्यूट ऑफ ऑन्कोलॉजी हॉस्पिटल में मानवता से ओतप्रोत सेवा कार्य का सुंदर उदाहरण प्रस्तुत किया गया। कैंसर रोगियों के मन में नई ऊर्जा और आशा का संचार करते हुए संगठन की सदस्याओं ने वहां उपचाराधीन लगभग 400 रोगियों को स्टील वाटर फ्लास्क एवं टिफिन बॉक्स भेंट किए। अध्यक्ष ललिता नागोरी ने कहा कि सेवा में साधना है, और करुणा में ईश्वर है, जब हम किसी पीड़ित को सहायता देते हैं, तो वह हमारी करुणा, संवेदना और प्रेम का प्रतीक होती है।

मानव सेवा सच्चा धर्म है, और मातृछाया इसी धर्म को कर्म में बदलने का प्रयास कर रही है। मार्गदर्शिका त्रिशला कोठारी ने कहा कि कैंसर रोगी केवल शारीरिक पीड़ा नहीं झेलते, बल्कि मानसिक और भावनात्मक संघर्ष से भी गुजरते हैं। मातृछाया का यह प्रयास उनके भीतर जीवन की उम्मीद और हिम्मत को जगाने का छोटा सा कदम है। हमें विश्वास है कि प्रेम, सहानुभूति और सहयोग की यह भावना उनके स्वस्थ होने की राह को और सशक्त बनाएगी। सचिव रेशमा बडोला ने कहा कि मातृछाया अपने दानदाताओं और सहयोग से सदैव समाज की जरूरतमंद वर्ग के उत्थान के लिए समर्पित है। हमारी प्रत्येक सेवा का लक्ष्य पीड़ितों के जीवन में मुस्कान लाना है। कार्यक्रम संयोजिका मीना सोलंकी, मंजु ओस्तवाल और रेणु राय गांधी ने बताया कि वाटर फ्लास्क और टिफिन बॉक्स के वितरण से मरीज उपचार के दौरान अपनी दैनिक आवश्यकताओं को सहजता और स्वच्छता के साथ पूरा कर सकेंगे। अस्पताल प्रबंधक पी.आर.ओ.आफिसर, सोशल वेलफेयर आफिसर किरण कुमार ने मातृछाया के सेवा कार्य की सराहना करते हुए कहा कि मातृछाया आज समाज में दुखियों के दुख दूर करने में एक प्रेरणास्त्रोत बनकर कार्य कर रही है। इन रोगियों की पीड़ा भरी यात्रा में उनके चेहरों पर मुस्कान और हृदय में आशा का संचार करने के लिए धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया। डा. अरुणकुमार एच.ओ.डी आफिसर आफ किदवई ने बताया प्रतिदिन लगभग 400 ब्लड कैंसर मरीज यहांजांच हेतु आते है, जिन्हे दवाईयों की अति आवश्यकता रहती है।

इस अवसर पर पुष्पा बाफना, कांता समदाड़िया, प्रमिला भंडारी, कुसुम मरडिया, पुष्पा तलेसरा वोहरा, निर्मला दांतेवाड़िया, मनीषा सालेचा, मीना सोनीगरा, पुष्पा सोनीगरा, सुशीला कबदी, लीला भंसाली, पुष्पा नागोरी, शोभा भंडारी, त्रिशला दांतेवाड़िया, वंदना कोचर, पिंकी बंदामुथा, ईशा वोहरा, कंचन जैन, पवन राठौड़, नीलम ललवानी, सुनीता भंडारी, मंगला खांटेड, गीता संचेती, पवन ओस्तवाल, पवन मुथा आदि उपस्थित रही।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत एक जागरूकता सत्र का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

चल रहे सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत दक्षिण पश्चिम रेलवे, बेंगलूरु मंडल के मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय में एक जागरूकता सत्र का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर कर्नाटक के लोकायुक्त न्यायमूर्ति बी. एस. पाटिल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अपने स्वागत भाषण में, बेंगलूरु मंडल के मंडल रेल प्रबंधक आशुतोष कुमार सिंह ने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों से जीवन के हर क्षेत्र में ईमानदारी, पारदर्शिता और जवाबदेही बनाए रखने के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करने का आह्वान किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सतर्कता केवल एक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि जीवन जीने का एक तरीका है, और इस बात पर प्रकाश डाला कि ईमानदारी और नैतिक आचरण की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए सामूहिक भागीदारी आवश्यक है। सिंह ने हितधारकों के बीच जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से निबंध और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं सहित सतर्कता जागरूकता सप्ताह के तहत आयोजित विभिन्न गतिविधियों की भी रूपरेखा प्रस्तुत की। अपने मुख्य भाषण में, न्यायमूर्ति बी. एस. पाटिल ने कहा कि लोक सेवक होने के नाते, सतर्क रहने का महत्वपूर्ण गुण होना आवश्यक है। उन्होंने जोर देकर कहा कि सतर्कता का सबसे महत्वपूर्ण पहलू स्वयं पर नजर रखना है। एक बार जब हम अपने कार्यों के प्रति सतर्क हो जाते हैं, तो हमारा कार्य पूर्णतः परिपूर्ण और संतोषजनक होगा। सतर्कता से कार्य करने से न केवल व्यक्ति को बल्कि उस संस्थान को भी लाभ होता है जिसकी वे सेवा करते हैं। न्यायमूर्ति पाटिल ने आगे कहा कि जब हम स्वयं के प्रति सतर्क रहते हैं, तो हम स्वाभाविक रूप से अपने कार्य में उत्कृष्टता प्राप्त करते हैं। इस कार्यक्रम में अतिरिक्त मंडल रेल प्रबंधक परीक्षित मोहनपुरिया और प्रवीण कटारकी, विभिन्न विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ उपस्थित थे।

किया की वार्षिक बैठक में इनर स्टोरी ट्रेड फेयर पर चर्चा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बेंगलूरु कर्नाटक इनर वियर एसोसिएशन (किया) की छठी वार्षिक बैठक शहर के एक होटल में आयोजित हुई। जिसमें वार्षिक लेखा जोखा और जुलाई माह में हुए इनर स्टोरी ट्रेड फेयर के बारे में चर्चा की गई।

अध्यक्ष दिलीप वेदमूथा ने सभी का स्वागत करते हुए सभी सहयोगी व कार्यकर्ताओं को ट्रेड फेयर के सफल आयोजन के लिए धन्यवाद दिया। महिपाल जैन ने संचालत करते हुए गत बैठक की रिपोर्ट पढी व वर्तमान की बैठक की रूपरेखा बताई। संगठन के सचिव रविन्द्र बंबोली ने गत जुलाई माह हुए इनर वियर ट्रेड फेयर के बारे में जानकारी देते हुए इस फेयर में देश की नामी गिरामी ब्रांडों व कंपनियों ने भाग लिया था। बंबोली ने वर्ष 2024-25 के आय व्यय का लेखा जोखा पेश किया। कोषाध्यक्ष प्रकाश जैन ने एसोसिएशन की आर्थिक स्थिति के बारे में विस्तार से बताते हुए अपने विचार व्यक्त किए। लीगल टीम के चेयरमैन महावीरचंद मेहता ने किया को मजबूत करने पर जोर देते हुए सभी को एक साथ व एकजुट होकर कार्य करने की बात कही। संगठन के उपाध्यक्ष अश्विन सेमलानी, पूर्व सह कोषाध्यक्ष विनोद चौहान, गौरव शर्मा, राजेश चोपड़ा, मूल सिंह राजपुरोहित, मनीष जैन और महेंद्र जैन आदि सदस्य उपस्थित रहे।

इंटरनेशनल वैश्य फेडरेशन का क्रिकेट टूर्नामेंट 1 से

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

इंटरनेशनल वैश्य फेडरेशन के तत्वावधान में आगामी 1 और 2 नवंबर को एचएमटी ग्राउंड, जालहल्ली में भव्य क्रिकेट टूर्नामेंट आयोजित किया जाएगा। इस टूर्नामेंट का उद्देश्य विभिन्न वैश्य समाजों के युवाओं को एक मंच पर लाकर आपसी परिचय, नेटवर्किंग और व्यावसायिक सहयोग को बढ़ावा देना है। इस अवसर पर आयोजित बैठक में कर्नाटक अध्यक्ष रवि शंकर, नेशनल वर्किंग अध्यक्ष बिपिन राम अग्रवाल, महिला विंग अध्यक्ष रितु अग्रवाल तथा सचिव सबरिश उपस्थित रहे। बैठक की शुरुआत यूथ सचिव संदीप के स्वागत भाषण से हुई। बैठक में कन्वीनर राजेश ने मैच के नियमों और व्यवस्थाओं की जानकारी दी। नेशनल वर्किंग प्रेसिडेंट बिपिन अग्रवाल ने वैश्य समाज के विविध कार्यों एवं उनकी उपलब्धियों की जानकारी दी और रितु अग्रवाल ने सभी टीम के सदस्यों को प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम का समापन कन्वीनर सुरेश जालान के धन्यवाद ज्ञापन से हुआ।

सार्वजनिक खरीद पर एक जागरूकता सत्र का आयोजन

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।

हुब्बल्ली स्थित दक्षिण पश्चिम रेलवे मुख्यालय, रेल सौधा में सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2025 के तहत 'सार्वजनिक खरीद' पर एक जागरूकता सत्र का आयोजन किया गया। इस सत्र में आरडीएसओ के सेवानिवृत्त महानिदेशक वी. रामचंद्रन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। अपने मुख्य भाषण में रामचंद्रन ने सार्वजनिक खरीद से संबंधित निविदाओं को संभालते समय ध्यान रखने योग्य महत्वपूर्ण पहलुओं पर विस्तार से बताया। उन्होंने पारदर्शिता, जवाबदेही और उचित दस्तावेजीकरण के महत्व पर बल दिया और अधिकारियों से फाइल पर लिए गए प्रत्येक निर्णय के कारणों को दर्ज करने का आग्रह किया। सतर्कता जागरूकता सप्ताह के महत्व पर प्रकाश डालते हुए, उन्होंने कहा कि इस पहल का उद्देश्य पूरे संगठन में सतर्कता चेतना और अखंडता को बढ़ावा देना है। उन्होंने सभी अधिकारियों से 'सार्वजनिक लेखा परीक्षक' के रूप में कार्य करने और प्रत्येक कार्रवाई में निष्पक्षता और ईमानदारी सुनिश्चित करने का आग्रह किया।

उन्होंने कहा कि एक सच्चा नैतिक निर्णय वह होता है जो कानूनी हो, सभी संबंधित पक्षों के लिए उचित हो, और जिसे सार्वजनिक करने पर किसी व्यक्ति को शर्मिंदगी न हो। दोपहर बाद, दक्षिण पश्चिम रेलवे के सिग्नल एवं दूरसंचार (एस एंड टी) विभाग द्वारा रेलवे सूचना प्रणाली केंद्र (सीआरआईएस) के सहयोग से 'साइबर सुरक्षा और साइबर स्वच्छता, सरकारी संस्थानों की सुरक्षा' विषय पर एक जागरूकता सत्र आयोजित किया गया। इस संगोष्ठी का उद्देश्य महत्वपूर्ण सरकारी डिजिटल बुनियादी ढांचे की सुरक्षा के लिए रेलवे कर्मियों के बीच मजबूत साइबर सुरक्षा प्रथाओं के महत्व को सुदृढ़ करना और साइबर स्वच्छता की संस्कृति को बढ़ावा देना था। इन जागरूकता सत्रों में एसडीजीएम और सीवीओ ए. अन्नादुरई, प्रमुख विभागाध्यक्ष, वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी शामिल हुए। मैसूरु, हुब्बल्ल, और बेंगलुी के मंडल रेल प्रबंधक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल हुए।

कांग्रेस सरकार का आंतरिक आरक्षण आदेश रद्द करने का दुर्भावनापूर्ण इरादा: गोविंद करजोल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पूर्व उपमुख्यमंत्री और सांसद गोविंद करजोल ने गुरुवार को कहा कि मौजूदा कार्यक्रम के अनुसार, बेलगावी विधानसभा सत्र 8 दिसंबर से शुरू होगा। उन्होंने आरोप लगाया है कि सिद्धरामैया सरकार की दुर्भावना-पूर्ण मंशा है कि तब तक सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट में मामले दायर हो जाएं और आंतरिक आरक्षण आदेश रद्द कर दिया जाए। यहां भाजपा प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य में पिछले 30 वर्षों से आंतरिक आरक्षण लागू होना चाहिए। सामाजिक न्याय में सभी के लिए आरक्षण सुविधाओं के लिए लगातार संघर्ष कर रही 101 जातियों को न्याय दिलाए हुए नरेंद्र मोदी की सरकार को एक साल और तीन महीने हो गए हैं। हालाँकि, उन्होंने इस बात पर आपत्ति जताई कि कर्नाटक में सिद्धरामैया के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार अपनी विलंब नीति से भ्रम पैदा कर रही है। वह त्रुटिपूर्ण आदेश जारी कर रही है। उन्होंने

अनुसूचित जातियों के साथ अन्याय होने का आरोप लगाया। जब हाल ही में सिद्धरामैया सरकार के आदेश को चुनौती देते हुए हाई कोर्ट में एक मामला दायर किया गया, तो राज्य सरकार की ओर से कोई भी पेश नहीं हुआ। इसलिए, उन्होंने बताया कि आदेश पर आंशिक रूप से रोक लगा दी गई है। सिद्धरामैया एक जाति के हितों के लिए यह हंगामा कर रहे हैं। गोविंद करजोल ने आरोप लगाया कि वह 101 जातियों के हितों की रक्षा नहीं करना चाहते। आर्थिक तंगी के कारण, उन्हें लगता है कि जितनी जल्दी नियुक्तियां होंगी, उतना ही अच्छा होगा। खजाना खाली है। उन्होंने शिकायत की कि वह नियुक्तियां करने को भी तैयार नहीं हैं। सिद्धरामैया की सरकार इस जाति को फिर से धोखा देने के लिए कैबिनेट बैठक कर रही है। वे एक मसौदा विधेयक पेश करने की तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार को 5 तारीख तक उच्च न्यायालय में अपनी दलील पेश करने के लिए आवश्यक स्पष्टीकरण देना होगा। गोविंद करजोल ने कांग्रेस पर दलितों और अछूतों का साथ न देने का आरोप लगाया।

समाज कल्याण विभाग बहस के लिए ठीक से तैयारी नहीं कर रहा है। उन्होंने न्यायमूर्ति नागमो-हनदास और न्यायमूर्ति सदाशिव, जिन्हें उन्होंने ही नियुक्त किया था, की रिपोर्ट को भी स्वीकार नहीं किया है। उन्होंने हमारी सरकार की मधुस्वामी कैबिनेट उप-समिति की रिपोर्ट को भी स्वीकार नहीं किया है। पूर्व केंद्रीय मंत्री ए. नारायणस्वामी ने कहा कि आंतरिक आरक्षण के मुद्दे पर भ्रम की स्थिति है। इस राज्य सरकार ने संविधान के अनुसार बिना सोचे-समझे राजनीतिक फैसला ले लिया है। खानाबदोशों के आरक्षण पर एक हफ्ते से चर्चा चल रही है। खानाबदोश समुदाय अलग आरक्षण की मांग कर रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वह किसी पैकेज की मांग नहीं कर रहे हैं। यह सरकार बार-बार भ्रम पैदा करने की कोशिश कर रही है। एक समुदाय ने उच्च न्यायालय का रुख किया है। जब याचिका सुनवाई के लिए आई, तो किसी ने भी सरकार के पक्ष में आवाज नहीं उठाई। हमारे खिलाफ एक साजिश है। उन्होंने पूछा कि क्या आपमें हमारे समुदायों को निचले स्तर की शक्ति का आनंद लेने की इच्छाशक्ति नहीं है? उन्होंने पूछा कि आप किसके खिलाफ हैं। उन्होंने मांग की कि वे सामाजिक न्याय की अवधारणा के प्रति प्रतिबद्धता दिखाएं। अन्यथा, उन्होंने चेतावनी दी कि आने वाले दिनों में मडिगा लोग हिंसक संघर्ष शुरू करेंगे।

छात्रों के न्यूनतम उत्तीर्ण अंक कम नहीं किए जाने चाहिए: स्पीकर बसवराज होराट्टी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विधान परिषद अध्यक्ष बसवराज होराट्टी ने राज्य सरकार से स्कूली छात्रों के लिए न्यूनतम उत्तीर्ण अंक बढ़ाकर 35 करने का आग्रह किया है। मंत्री मधु बंगारप्पा ने पहले कहा था कि 33 अंक लाने वाले छात्रों को उत्तीर्ण माना जाएगा। इस संदर्भ में, मधु बंगारप्पा को पत्र लिखकर होराट्टी ने कहा कि 33 अंकों की बजाय 35 अंक निर्धारित किए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि छात्रों के भविष्य की दृष्टि से पिछला नियम बेहतर है। उन्होंने यह भी अपील की कि हाई स्कूलों और प्री-यूनिवर्सिटी कॉलेजों में शिक्षकों के रिक्त पदों को तुरंत भरा जाए। बंगारप्पा का यह निर्णय दुर्भाग्यपूर्ण है। प्रतिस्पर्धी दुनिया में, किसी भी छात्र के लिए परीक्षा देना महत्व-पूर्ण है। हालाँकि अंक प्राप्त करना परीक्षा का एक मुख्य उद्देश्य है, लेकिन इससे छात्र का ध्यान, साहस, एकाग्रता, सीखने की क्षमता और अन्य समग्र विकास में सुधार होता है। यह छात्र की प्रतिभा को निखारने में मदद करता है। इससे उसका भविष्य उज्जवल होगा। इस संबंध में, 35 अंक लंबे समय से निर्धारित हैं। यह एक वैज्ञानिक मानक है। उन्होंने

कहा कि इसे घटाकर 33 अंक करना उचित नहीं है। इससे पहले शिक्षा मंत्री मधुबंगारप्पा ने राज्य सरकार को स्कूली छात्रों के लिए परीक्षा उत्तीर्ण करने हेतु न्यूनतम अंक घटाकर 33 करने का प्रस्ताव दिया है। हालाँकि, विधान परिषद अध्यक्ष बसवराज होराट्टी ने इस प्रस्ताव पर असंतोष व्यक्त किया है। छात्र परीक्षाओं का सामना करके कई चीजें सीखते हैं। वहां उनकी लगन, सीखने का कौशल, एकाग्रता, साहस, स्मरण शक्ति, जो कुछ वे जानते हैं उसे विस्फोटक तरीके से लिखना - ये सभी चीजें छात्रों के भविष्य के जीवन में अच्छा योगदान देंगी। ऐसे में, हमें अंकों को कम नहीं करना चाहिए और उन्हें यह महसूस नहीं कराना चाहिए कि परीक्षाएं महत्वहीन हैं। जब उत्तीर्ण अंक अधिक होते हैं, तो वे अधिक एकाग्रता और लगन से पढ़ाई करते हैं। परीक्षाओं को लेकर एक अनुशासन बनता है। इसलिए, होराट्टी ने पत्र में अनुरोध किया है कि अंकों को कम न किया जाए। इस बीच, होराट्टी ने पत्र में हाई स्कूलों और प्री-यूनिवर्सिटी कॉलेजों में शिक्षकों के रिक्त पदों को भरने का अनुरोध करते हुए कहा है, जब मैं शिक्षा मंत्री था, तब मैंने शिक्षकों की भर्ती की थी। अब, हजारों शिक्षकों की भर्ती की आवश्यकता है। चूंकि छात्रों की संख्या बढ़ गई है, इसलिए उचित संख्या में शिक्षकों की आवश्यकता है। इसलिए, उन्होंने मधु बंगारप्पा से शिक्षक भर्ती प्रक्रिया जल्द से जल्द शुरू करने का अनुरोध किया है।

कुमारस्वामी के खिलाफ कथित अपमानजनक टिप्पणी के लिए

जेडीएस ने शिवकुमार के खिलाफ किया प्रदर्शन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जेडीएस ने उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार पर केंद्रीय मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी के बारे में अपमानजनक बयान देने का आरोप लगाते हुए फ्रीडम पार्क के पास विरोध प्रदर्शन किया। बेंगलूरु शहर जेडीएस युवा इकाई के अध्यक्ष सैमुअल के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन करने वाले पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने सरकार के खिलाफ अपना गुस्सा जाहिर किया।

इस अवसर पर सैमुअल ने सरकार के खिलाफ तख्तियां लहराईं और नारे लगाए। सरकार ने सरकारी खजाने में पैसा न होने

के बावजूद बी खाते से ए खाते में पैसा ट्रांसफर करने का वादा किया है। सरकार के पास विधायकों के निर्वाचन क्षेत्रों को अनुदान देने के लिए पैसे नहीं हैं। उसने गरीबों पर भारी कर लगा दिए हैं। प्रदर्शनकारियों ने कांग्रेस सरकार पर खाली डिब्बा होने का आरोप लगाया। आपने बेंगलूरु को कचरे के शहर में बदल दिया है। बेंगलूरु में बीएमटीसी और केएसआरटीसी बस कर्मचारियों को वेतन नहीं मिल रहा है। उन्होंने सरकार पर हमला करते हुए कहा कि गारंटी योजनाएं लोगों तक नहीं पहुँच रही हैं।

ठेकेदारों के लंबित बिलों को चरणबद्ध तरीके से किया जाएगा जारी: मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मंत्री सतीश जारकीहोली ने कहा कि लोक निर्माण विभाग ने पिछले ढाई साल में अच्छा काम किया है। जनता ने ठेकेदारों को खुश करने की कोशिश की है और लंबित बिल चरणबद्ध तरीके से जारी किए जाएंगे। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि एक मंत्री के तौर पर उन्होंने कानूनी तौर पर काम किया है। ठेकेदारों के 9,000 करोड़ रुपये के लंबित बिल अभी जारी करने में समय लगेगा। यह राशि बजट में तय किए बिना ही काम के लिए मंजूर कर दी गई। तय करने के बाद भी राशि जारी करने में देरी हो रही है। इस तरह कुल 12,000 करोड़ रुपये मंजूर किए गए। जिसमें से 3,000 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि लंबित 9,000 करोड़ रुपये चरणबद्ध तरीके से जारी किए जाएंगे। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा वह पार्टी अध्यक्ष पद के दावेदार नहीं हैं। कोई भी अध्यक्ष पद नहीं मांग रहा है।

उन्हें इस बात की जानकारी नहीं है कि डी.के. शिवकुमार दिसंबर में पार्टी अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे देंगे। उन्होंने कहा कि इस संबंध में आलाकमान जो भी फैसला लेगा, हम उसका स्वागत करेंगे। नेतृत्व परिवर्तन को लेकर अनावश्यक चर्चाएं चल रही हैं।

जब इस मुद्दे पर सवाल उठाए जाते हैं, तो मंत्री बिना जवाब दिए भाग नहीं सकते। एक ओर, सवाल भी पूछे जा रहे हैं। दूसरी ओर, यह दुष्प्रचार किया जा रहा है कि सरकार और पार्टी में भ्रम की स्थिति है। मैं मंत्रिमंडल का सदस्य हूँ। मैं मंत्रिमंडल फेरबदल के बारे में कोई बयान नहीं दे सकता। उन्होंने कहा कि के.एन. राजन्ना को फिर से मंत्रिमंडल में शामिल करना या न करना उच्चाधिकारियों का मामला है। मंत्री एच.सी. महादेवप्पा, के. वेंकटेश और मैं पिछले 30 वर्षों से लगातार मिलते रहे हैं। डॉ. जी. परमेश्वर कांग्रेस में शामिल होने के बाद इसमें शामिल हुए। उन्होंने कहा कि हो सकता है कि जब वह शहर में नहीं थे, तो उन्होंने मेरे बिना बैठक की हो। उन्होंने कहा कि पहले जिन मुद्दों पर चर्चा हुई थी, उनका आगे विश्लेषण किया गया हो सकता है या और नए मुद्दे प्रस्तावित किए जा सकते हैं। मैं धर्मस्थल जांच के बारे में कोई बयान नहीं देना चाहता। संबंधित अधिकारी जवाब दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि षड्यंत्रकारियों ने जांच रद्द करने के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाया है और अदालत के फैसले का इंतजार किया जाना चाहिए। मतदान में धांधली के मामले को लेकर पूरे राज्य में हस्ताक्षर अभियान चलाया जा रहा है। कांग्रेस कार्यालय निर्माण के लिए सभी तालुकों में जमीन और भवन उपलब्ध कराना पार्टी के दृष्टिकोण से अच्छा है। अध्यक्ष 100 कार्यालय बनाने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें इस बयान की जानकारी नहीं है कि सहयोग न करने वाले मंत्रियों और विधायकों के नाम आलाकमान को भेजे जाएंगे।

शिवकुमार के ड्रीम प्रोजेक्ट सुरंग निर्माण कार्य को झटका

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के ड्रीम प्रोजेक्ट सुरंग निर्माण कार्य को झटका लगा है। बी सेल ने 17 किमी लंबी सुरंग के बजाय केवल एक किमी लंबी सुरंग बनाने का फैसला किया है। 17 किमी लंबी सुरंग के निर्माण पर पर्यावरणविदों, विशेषज्ञों और नागरिकों ने कड़ा विरोध जताया है, केवल एक किमी लंबी सुरंग का निर्माण किया गया है और शेष हिस्सों में सामान्य सड़कों का निर्माण किया जा रहा है। शुरुआत में हेब्बल से सिल्क बोर्ड जंक्शन तक एक किलोमीटर लंबी सुरंग बनाने की योजना बनाई गई है। सुरंग का निर्माण केवल एस्टीम मॉल से हेब्बल में पशु चिकित्सालय तक किया जा रहा है। जीबीए के मुख्य आयुक्त महेश्वर राव ने बताया है कि अगर एक किलोमीटर लंबी सुरंग का काम सफल रहा तो आने वाले दिनों में इस परियोजना के विस्तार पर विचार किया जाएगा।

केएटी ने आरएसएस की जुलूस में शामिल पीडीओ के निलंबन पर रोक लगाई

सरकार को एक और झटका

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक प्रशासनिक न्यायाधिकरण (केएटी) ने रायचूर जिले के पीडीओ के निलंबन आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी है। उन्हें केवल राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के जुलूस में भाग लेने के कारण सेवा से निलंबित कर दिया गया था। यह सरकार के लिए एक और झटका है। रायचूर जिले के सिरवारा तालुक के पीडीओ प्रवीण कुमार ने ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज विभाग द्वारा उन्हें सेवा से निलंबित किए जाने के खिलाफ केएटी का दरवाजा खटखटाया था। केईटी, जिसने याचिका पर सुनवाई की, ने सरकारी आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी है। 17 अक्टूबर को, पंचायत राज विभाग के आयुक्त ने पंचायत विकास अधिकारी (पीडीओ) प्रवीण कुमार के.पी. को निलंबित करने का आदेश जारी किया था, जिन्होंने आरएसएस के जुलूस में भाग लिया था। उन्होंने 12 अक्टूबर, 2025 को लिंगसुगुर कस्बे में आयोजित आरएसएस शताब्दी समारोह में भाग लिया था। इस अवसर पर, यह बताया गया कि उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का समावास धारण करके और हाथ में छड़ी लेकर गणेश-ोत्सव में भाग लिया था। रायचूर जिले के मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रवीण कुमार ने पुष्टि की कि उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक

संघ का समावास धारण करके और हाथ में छड़ी लेकर आरएसएस के जुलूस में भाग लिया था। आदेश में उल्लेख किया गया है कि यह पाया गया कि उन्होंने इस नियम का उल्लंघन किया है कि प्रत्येक सरकारी कर्मचारी को हर समय अपने उद्देश्य के प्रति पूर्णतः निष्ठावान रहना चाहिए। उसे अपने कर्तव्य के प्रति समर्पित रहना चाहिए और एक सरकारी कर्मचारी के अनुरूप कोई भी अनुचित कार्य नहीं करना चाहिए। यह पाया गया कि कर्मचारी ने इस नियम का उल्लंघन किया है कि प्रत्येक सरकारी कर्मचारी के उच्च नैतिक आदर्श होने चाहिए, वह राजनीतिक रूप से तटस्थ होना चाहिए और किसी भी व्यक्ति या संगठन के वित्तीय या अन्य प्रलोभनों से प्रभावित नहीं होना चाहिए जो उसके कर्तव्यों के निर्वहन को प्रभावित कर सकते हैं। इस संदर्भ में, प्रवीण कुमार के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की गई। तदनुसार, पंचायत राज विभाग के आयुक्त ने कहा था कि प्रवीण कुमार के खिलाफ लगे आरोपों की विभागीय जांच शुरू करके उन्हें सेवा से निलंबित करने का निर्णय लिया गया है।

राज्य सरकार ने एक नया नियम लागू किया था जिसके तहत सार्वजनिक स्थानों पर गतिविधियां करने के लिए सरकार की पूर्व अनुमति आवश्यक है। कुछ संगठनों ने सरकार के इस आदेश पर सवाल उठाते हुए उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था। तर्कों को सुनने के बाद, धारवाड़ उच्च न्यायालय की एकल पीठ के न्यायमूर्ति नागा प्रसन्ना ने सरकार के फैसले पर अंतरिम रोक लगा दी और अगली याचिका की सुनवाई 17 नवंबर तक के लिए स्थगित कर दी।

पूर्व सैनिक पर पुलिस ने किया हमला, कमिश्नर से शिकायत दर्ज

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अवलाहल्ली पुलिस के खिलाफ पूर्व सैनिकों के साथ दुर्व्यवहार करने के आरोप में शहर के पुलिस आयुक्त सीमांत कुमार सिंह के समक्ष शिकायत दर्ज कराई गई है। केपीसीसी की पूर्व सैनिक महिला इकाई की प्रदेश अध्यक्ष स्वरूपरानी और पूर्व सैनिक शिवानंद रेड्डी के नेतृत्व में एक समूह और कुछ अन्य संगठनों के कार्यकर्ताओं ने अवलाहल्ली इंस्पेक्टर रामकृष्ण रेड्डी और अन्य पुलिस अधिकारियों के खिलाफ पूर्व सैनिक एम.आर. रत्नानोजी राव पर अकारण हमला करने का आरोप लगाते हुए आयुक्त के समक्ष शिकायत दर्ज कराई है।

मंडूर स्थित पैराशूट कमांड स्पेशल फोर्स में अठारह साल सेवा देने के बाद सेवानिवृत्त हुए रत्नानोजी राव को पुलिस स्टेशन बुलाया गया और उनके साथ अपमानजनक व्यवहार किया गया, और कथित तौर पर रामकृष्ण रेड्डी ने उन पर हमला किया। रत्नानोजी राव की जमीन पर गुलाब के पौधों को नष्ट करने के मामले में शिकायत दर्ज करने में आनाकानी करने वाली पुलिस ने श्रीनिवास राव की शिकायत के आधार पर एक पूर्व सैनिक पर हमला कर दिया। हमले में वह गंभीर रूप से घायल हो गए और अस्पताल में उनका इलाज चल रहा है। शिकायतकर्ता ने पूर्व सैनिक के प्रति अहंकार दिखाने के लिए पुलिस के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

कर्नाटक राज्योत्सव समारोह में सरकारी स्कूलों के छात्रों की भागीदारी उल्लेखनीय रूप से बढ़ी: मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षा मंत्री मधु बंगारप्पा ने कहा कि इस वर्ष कर्नाटक राज्योत्सव समारोह में सरकारी स्कूलों के छात्रों की भागीदारी उल्लेखनीय रूप से बढ़ी है। पिछले वर्ष 300 की तुलना में इस वर्ष 700 से अधिक सरकारी स्कूलों के बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लिया। उन्होंने बताया कि इस वर्ष 1 नवंबर को होने वाले समारोह में केवल सरकारी स्कूलों के छात्र ही प्रस्तुति देंगे। यहां गुरुवार को पत्रकारों से वार्ता में मंत्री ने कहा कि वह और मुख्यमंत्री सिद्धरामैया कर्नाटक राज्योत्सव समारोह (केपीएस) से बढ़ते प्रतिनिधित्व को देखकर विशेष रूप से प्रसन्न हैं। इस बार, हमारे कुल 1,700 प्रतिभागी हैं। उनमें से लगभग 700 सरकारी स्कूलों से हैं। यह दर्शाता है कि हमारे स्कूल बहुत अच्छे, गतिविधि-उन्मुख प्रदर्शन कर सकते हैं। बंगारप्पा, जो तीसरे वर्ष स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता शिक्षा मंत्री के रूप में कार्य करते हुए इस आयोजन की देखरेख कर रहे हैं, ने कहा कि बड़ी संख्या में सरकारी स्कूलों के छात्रों का शामिल होना सार्वजनिक शिक्षा को मजबूत करने पर राज्य के व्यापक ध्यान को दर्शाता है। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों और कर्नाटक राज्योत्सव को रोचक बनाना है। उन्होंने कहा

कि सरकारी संस्थानों में गुणवत्ता सुधार के लिए शुरू किए गए कर्नाटक पब्लिक स्कूल मॉडल को पूरे राज्य में अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। 'हमने शुरुआत में बजट में 500 केपीएस स्कूलों की योजना बनाई थी, लेकिन बढ़ती मांग को देखते हुए, हमने इसे बढ़ाकर 800 कर दिया है। कल्याण कर्नाटक, अक्षरा अविष्कार और खनन प्रभावित क्षेत्र अनुदान जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से वित्तीय प्रावधान किए गए हैं। प्रत्येक केपीएस संस्थान में छात्रों की अधिकतम सीमा 1,200 होगी। मंत्री ने कहा पिछले पांच वर्षों में, केवल लगभग 300 स्कूल ही विकसित किए गए थे। ढाई साल के भीतर, हम एक साथ 800 स्कूल स्थापित कर रहे हैं। इससे विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों को लाभ होगा, जो अब घर के पास ही गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त कर सकेंगे। उत्तीर्णता अंक 35 से घटाकर 33 करने के निर्णय पर बंगारप्पा ने स्पष्ट किया कि यह कदम विशेषज्ञों की सिफारिशों और व्यापक सार्वजनिक परामर्श पर आधारित है। शिक्षा सुधारों पर 2024 के गोलमेज सम्मेलन में इस पर चर्चा हुई थी, जिसमें कर्नाटक परिषद के अध्यक्ष बसवराज होराट्टी भी शामिल हुए थे। उन्होंने भी इस विचार का समर्थन किया था। विभिन्न संगठनों, अभिभावकों और छात्रों सहित 700 से ज्यादा लोगों ने 33 अंकों के पासिंग मार्क्स के प्रस्ताव का समर्थन किया, जबकि केवल आठ ने इसका विरोध किया।

आतंकवादियों से संबंध के आरोप में दो सरकारी शिक्षक बर्खास्त

जम्मू, 30 अक्टूबर (ब्यूरो)।

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने आतंकवादियों से संबंध रखने के आरोप में दो सरकारी शिक्षकों को सेवा से बर्खास्त कर दिया है। यह कार्रवाई आतंकवाद के प्रति सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति का हिस्सा है। संविधान के अनुच्छेद 311 के तहत दोनों शिक्षकों को नौकरी से निकाला गया है। आरोप है कि नौकरी से निकाले गए दोनों शिक्षक आतंकी संगठन लश्कर ए तैयबा के लिए काम कर रहे थे।

सरकारी शिक्षक की नौकरी से निकाला गया गुलाम हुसैन रियासी जिले का रहने वाला है। वह 2004 में रहबर-ए-तालीम शिक्षक नियुक्त हुआ था और 2009 में नियमित शिक्षक बन गया था। वह सरकारी प्राथमिक विद्यालय कलवा, महौर में कार्यरत था। सरकार का दावा है कि जांच में पाया गया कि वह लश्कर-ए-तैयबा के लिए ओवर ग्राउंड वर्कर के रूप में काम कर रहा था। वह आतंकी हैंडलर्स मोहम्मद कासिम और गुलाम मुस्तफा से एन्क्रिप्टेड ऐप्स के जरिए संपर्क में था। 2023 में गिरफ्तारी के दौरान सामने आया कि उसने आतंकियों के परिवारों को वित्तीय सहायता, भर्ती और लाजिस्टिक्स सपोर्ट दिया था। जांच एजेंसियों के अनुसार, उसकी गतिविधियां केवल पैसे के लिए नहीं बल्कि आतंकी विचारधारा से प्रेरित थीं।

जबकि माजिद इकबाल डार राजौरी जिले में शिक्षक के पद पर नियुक्त था।

2009 में पिता की मृत्यु के बाद वह लैब असिस्टेंट के रूप में नियुक्त हुआ था और 2019 में शिक्षक बना।

दावानुसार, जांच में सामने आया कि वह भी लश्कर ए तैयबा का ओवर ग्राउंड वर्कर था और नार्को-टेरर नेटवर्क में शामिल था। जनवरी 2023 में राजौरी के जे एंड के बैंक के पास आईईडी मिलने के मामले में उसे गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार, उसने लश्कर ए तैयबा आतंकियों मोड जबर और जोहैब शहजाद के साथ मिलकर पाकिस्तान स्थित हैंडलर के निर्देश पर विस्फोटक लगाया था। जेल में भी उसके कट्टरपंथी झुकाव बने रहने की सूचना है। एलजी ने एक वक्तव्य में कहा कि आतंकवाद के खिलाफ युद्ध अभी खत्म नहीं हुआ है। जो भी व्यक्ति आतंकवाद को आर्थिक या वैचारिक समर्थन देता है, वह समाज और शांति दोनों के लिए खतरा है। हमारी जीरो टालरेंस नीति जारी रहेगी जब तक आतंक नेटवर्क पूरी तरह समाप्त नहीं हो जाता।

जम्मू कश्मीर विधानसभा में हंगामा

भाजपा विधायकों को मार्शलों ने बाहर निकाला

जम्मू, 30 अक्टूबर (ब्यूरो)।

जम्मू कश्मीर विधानसभा में गुरुवार को तीन भाजपा विधायकों को मार्शलों द्वारा बाहर निकाल दिया गया, जब वे सड़क एवं भवन विभाग में कथित भ्रष्टाचार और बाढ़ पीड़ितों पर चर्चा की अनुमति न देने के मुद्दे पर अपना विरोध जारी रखते हुए सदन के वेल में आ गए। प्रश्नकाल के दौरान भाजपा विधायकों ने हाल ही में आई बाढ़ पर चर्चा की मांग की और बताया कि उन्होंने इस मुद्दे पर एक नया स्थगन प्रस्ताव पेश किया है। हालांकि, अध्यक्ष ने फैसला सुनाया कि एक बार खारिज हो जाने के बाद उसी मुद्दे पर स्थगन प्रस्ताव नहीं लाया जा सकता। अध्यक्ष के जवाब से नाराज विपक्ष के नेता सुनील कुमार शर्मा ने सरकार पर बाढ़ की स्थिति पर चर्चा से बचने का आरोप लगाया। शर्मा ने कहा कि जम्मू कश्मीर का हर कोना भारी बारिश के कारण आई बाढ़ से प्रभावित हुआ है। लोगों को उम्मीद थी कि बाढ़ के प्रभाव पर चर्चा होगी, लेकिन ऐसी कोई चर्चा नहीं हुई। उन्होंने बाढ़ प्रभावित लोगों की दुर्दशा पर चर्चा के लिए प्रश्नकाल स्थगित करने की मांग की। इस बीच, विपक्ष के नेता सुनील कुमार शर्मा ने सड़क एवं भवन विभाग में भ्रष्टाचार का आरोप लगाने वाली एक अखबार की रिपोर्ट लहराई, जिस पर सत्ता पक्ष और मुख्य विपक्ष, दोनों ने नारेबाजी और प्रति-नारेबाजी शुरू कर दी। अध्यक्ष द्वारा बार-बार अपनी सीटों पर लौटने के निर्देश के बावजूद, प्रदर्शनकारी विधायकों ने अपना प्रदर्शन जारी रखा। सरकार विरोधी नारे लगाते हुए, भाजपा विधायकों ने अपना विरोध तेज कर दिया। तीन भाजपा विधायक आरएस पठानिया, सुनील भारद्वाज और सुरिंदर कुमार सदन के वेल में आ गए, लेकिन अंततः उन्हें मार्शलों द्वारा बाहर निकाल दिया गया।

ओडिशा में 92 रेलवे ओवरब्रिज निर्माण को मंजूरी

केंद्र वहन करेगा पूरी लागत, सीएम माझी ने जताया आभार

भुवनेश्वर, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)।

ओडिशा के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए केंद्रीय रेल मंत्रालय ने राज्य भर में 92 रेलवे ओवरब्रिज (आरओबी) के निर्माण को मंजूरी दे दी है।

इस परियोजना की पूरी लागत रेल विभाग ही वहन करेगा, जिससे राज्य सरकार पर कोई वित्तीय बोझ नहीं पड़ेगा। मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने इसके लिए केंद्र सरकार का आभार जताया। पहले इन ओवरब्रिजों के निर्माण की लागत केंद्र और राज्य के बीच 50:50 के अनुपात में साझा करने का निर्णय था, लेकिन ओडिशा सरकार के अनुरोध पर केंद्र ने अब 100 प्रतिशत फंडिंग की मंजूरी दे दी है। मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने इस निर्णय पर प्रसन्नता जाहिर करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को धन्यवाद दिया।

सीएम माझी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, ओडिशा के रेलवे बुनियादी ढांचे को मजबूत करने में उनके उदार और सक्रिय सहयोग के लिए हृदय से आभार।

92 रोड ओवर ब्रिज कार्यों को 100 प्रतिशत रेलवे फंडिंग और एकल इकाई के रूप में निष्पादन की मंजूरी राज्य में सुरक्षा और कनेक्टिविटी को तेज करने की केंद्र की मजबूत प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

सीएम ने कहा कि पीएम मोदी ने हमेशा ओडिशा के विकास के प्रति विशेष चिंता दिखाई है।

उनके नेतृत्व में रेल संपर्क, सड़क अवसंरचना, बंदरगाह, हवाई अड्डे और औद्योगिक विकास पर विशेष ध्यान दिया गया है।

इन 92 आरओबी का निर्माण राज्य के विभिन्न हिस्सों में होगा, जो रेलवे क्रॉसिंग पर होने वाली दुर्घटनाओं को कम करेगा और यातायात को सुगम बनाएगा।

परियोजना से ओडिशा के 20 से अधिक जिलों को लाभ मिलेगा, जहां रेलवे लाइनें सड़कों को बार-बार काटती हैं। अप्रैल 2025 में कैबिनेट कमिटी ऑन इकोनॉमिक अफेयर्स (सीसीईए) ने राज्य के लिए दो प्रमुख रेल परियोजनाओं को मंजूरी दी थी, जिनकी लागत 10,599 करोड़ रुपए है। अगस्त 2024 में छह नई रेल लाइनें स्वीकृत हुईं, जिनकी अनुमानित लागत 24,657 करोड़ रुपए है। इनमें मयूरभंज, केबीके क्षेत्र और अन्य हिस्सों में नई लाइनें शामिल हैं, जो पर्यटन, रोजगार और उद्योग को बढ़ावा देंगी।

जम्मू कश्मीर में लगातार बढ़ रही घरेलू हिंसा

दो साल में दर्ज हुए 2800 से ज्यादा मामले

जम्मू, 30 अक्टूबर (ब्यूरो)।

जम्मू कश्मीर को अभी भी घरेलू हिंसा के मामलों से मुक्ति नहीं मिली है। पिछले दो साल में ङरेलू हिंसा के 2800 से ज्यादा मामले दर्ज हुए हैं। जम्मू कश्मीर सरकार ने गुरुवार को विधानसभा को सूचित किया कि पिछले दो वित्तीय वर्षों के दौरान केंद्र शासित प्रदेश में घरेलू हिंसा के कुल 2,872 मामले दर्ज किए गए।

विधायक शमीम फिरदौस द्वारा प्रस्तुत अतारांकित प्रश्न संख्या 719 के उत्तर में, समाज कल्याण विभाग की प्रभारी मंत्री ने बताया कि घरेलू हिंसा के मामलों का समाधान महिलाओं के लिए वन स्टाप सेंटर (सखी केंद्र) के माध्यम से किया जा रहा है, जो मिशन शक्ति निदेशालय के अंतर्गत संचालित होते हैं। उन्होंने बताया कि वर्ष 2018 से जम्मू कश्मीर में कार्यरत ये केंद्र संकटग्रस्त महिलाओं को कई प्रकार की सहायता सेवाएं प्रदान कर रहे हैं जिनमें चिकित्सा सहायता, मनो-सामाजिक परामर्श, कानूनी सहायता, अस्थायी आश्रय और पुलिस सहायता शामिल है।

आधिकारिक उत्तर के अनुसार, वन स्टाप सेंटरों के आधिकारिक डैशबोर्ड पर उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2023-24 में 893 मामले दर्ज किए गए, जबकि वित्त वर्ष 2024-25 में यह संख्या तेजी से बढ़कर 1,979 हो गई। विभाग ने बताया कि हिंसा से बचे लोगों के लिए निर्बाध समन्वय और त्वरित सहायता सुनिश्चित करने के लिए इन केंद्रों को टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर 181 और आपातकालीन प्रतिक्रिया सहायता प्रणाली (ईआरएसएस-122) के साथ एकीकृत किया गया है। कहा गया है कि वन स्टाप सेंटर घरेलू हिंसा, साइबर उत्पीड़न, छेड़छाड़, यौन उत्पीड़न, बलात्कार और अन्य अपराधों से प्रभावित महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अधिकृत हैं।

इस वर्ष अमेरिका से 2790 और ब्रिटेन से 100 भारतीय नागरिक वापस भेजे गए : विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)।

इस वर्ष अब तक अमेरिका से 2790 और ब्रिटेन से 100 भारतीय नागरिक वापस भेजे गए हैं। ये भारतीय नागरिक इन देशों में अवैध रूप से रह रहे थे।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने गुरूवार को यहां साप्ताहिक ब्रीफिंग में सवालों के जवाब में बताया कि अमेरिका से 2790 और ब्रिटेन से 100 भारतीय नागरिकों को वापस भेजा गया है।

उन्होंने कहा , इस वर्ष जनवरी से अब तक 2790 से अधिक भारतीय नागरिक ऐसे हैं जो मानदंडों को पूरा नहीं करते थे। वे अवैध रूप से वहां रह रहे थे और हमने उनकी पहचान, उनकी राष्ट्रीयता की पुष्टि की और वे वापस लौट आए। यह कल तक की स्थिति है। ब्रिटेन की ओर से इस वर्ष लगभग 100 भारतीय नागरिकों को उनकी राष्ट्रीयता की पुष्टि के बाद वापस भेजा गया है।

उल्लेखनीय है कि ट्रंप प्रशासन अवैध रूप से अमेरिका में रहने वाले नागरिकों के खिलाफ इस वर्ष के शुरू से ही कड़ी कार्रवाई कर रहा है। इसी कार्रवाई के तहत बीच-बीच में भारतीय नागरिकों को वापस भेजा जा रहा है। ब्रिटेन में भी बड़े स्तर पर आव्रजन विरोधी प्रदर्शन हो रहे हैं।

भारत और साइप्रस ने विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढाने के लिए संयुक्त कार्य योजना की समीक्षा की

नई दिल्ली, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)।

विदेश मंत्री डा. एस.जयशंकर ने भारत और साइप्रस दोनों के साथ मजबूत संबंधों को प्राथमिकता करार देते हुए कहा है कि उन्होंने आज यहां साइप्रस के विदेश मंत्री डॉ. कॉन्स्टेंटिनोस कोम्बोस के साथ वार्ता में भारत-साइप्रस संयुक्त कार्य योजना की समीक्षा के साथ-साथ वैश्विक भू-राजनीतिक स्थिति , क्षेत्रीय और बहुपक्षीय मंचों पर सहयोग के बारे में व्यापक विचार विमर्श किया। डा.जयशंकर ने भारत यात्रा पर आए साइप्रस के विदेश मंत्री के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता के बाद कहा कि दोनों पक्षों ने भारत-साइप्रस संयुक्त कार्य योजना 2025-2029 की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों ने वैश्विक भू-राजनीतिक स्थिति, संबंधित क्षेत्रों के विकास और बहुपक्षीय मंचों पर सहयोग के बारे में भी चर्चा की। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि अगले वर्ष साइप्रस के यूरोपीय संघ की अध्यक्षता संभालने के साथ भारत-यूरोपीय संघ के संबंध और अधिक मजबूत होंगे।

विदेश मंत्री ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा , आज नई दिल्ली में साइप्रस के विदेश मंत्री डॉ. कॉन्स्टेंटिनोस कोम्बोसका स्वागत करते हुए मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। हमने भारत-साइप्रस संयुक्त कार्य योजना 2025-2029 की समीक्षा की, जिस पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की इस वर्ष जून में साइप्रस यात्रा के दौरान नेताओं द्वारा सहमति व्यक्त की गई थी। हमारी चर्चाओं में वैश्विक भू-राजनीतिक स्थिति, हमारे संबंधित क्षेत्रों के विकास और बहुपक्षीय मंचों पर हमारे सहयोग पर भी चर्चा हुई। 2026 में साइप्रस के यूरोपीय संघ की अध्यक्षता संभालने के साथ, हमें विश्वास है कि भारत-यूरोपीय संघ के संबंध और भी मजबूत होंगे।

वार्ता शुरू होने से पहले डा. जयशंकर ने अपने प्रारंभिक वक्तव्य में कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा के दौरान व्यापक साझेदारी के कार्यान्वयन पर जारी संयुक्त घोषणापत्र कई नए क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत बनाने की दिशा में मार्गदर्शन प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों ने शीर्ष नेतृत्व के विचारों के अनुरूप भारत-साइप्रस संयुक्त कार्य योजना 2025-2029 तैयार की है कुछ ही महीनों के भीतर इस योजना पर काम भी शुरू हो गया और इसकी समीक्षा भी की जा रही है।

दोनों देश इसके आधार पर रक्षा , व्यापार, नवाचार और प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में सहयोग बढाने की तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि साइप्रस और यूरोपीय संघ, दोनों के साथ संबंधों को मज़बूत करना भारत की एक प्रमुख प्राथमिकता है। उन्होंने कहा , भारत और साइप्रस विश्वसनीय मित्र और साझेदार हैं। हमारे संबंध आपसी सम्मान, साझा लोकतांत्रिक मूल्यों और संयुक्त रणनीतिक दृष्टिकोण पर आधारित व्यापक साझेदारी के रूप में विकसित हुए हैं। यह दूरदर्शी है और दोनों देशों के हितों और आकांक्षाओं के अनुरूप है। हम संयुक्त राष्ट्र, यूरोपीय संघ और राष्ट्रमंडल मंचों सहित क्षेत्रीय और बहुपक्षीय मंचों पर भी घनिष्ठ सहयोग करते हैं।

डा. जयशंकर ने भारत के मूलभूत हितों से जुड़े मुद्दों विशेष रूप से सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में साइप्रस के निरंतर समर्थन की सराहना की। उन्होंने कहा , हम विस्तारित संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी सदस्यता और परमाणु आपूर्तिकर्ता समूह की सदस्यता के लिए आपके निरंतर समर्थन की भी सराहना करते हैं।

विदेश मंत्री ने साइप्रस की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता को भी समर्थन दोहराते हुए कहा , भारत, साइप्रस की संप्रभुता, एकता और क्षेत्रीय अखंडता तथा संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रासंगिक प्रस्तावों के अनुसार, राजनीतिक समानता वाले द्वि-क्षेत्रीय, द्वि-सामुदायिक संघ के लिए अपने अटूट समर्थन को दोहराता है।

संसद, विधानसभाओं में कानून बनाने की प्रक्रिया जानने का जनता को है हक: रिजिजू

नई दिल्ली, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)।

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने गुरुवार को कहा कि संसदीय लोकतंत्र में संसद और विधानसभाओं में कानून और नीतियां कैसे बनायी जाती हैं और उनकी कार्यवाही कैसे संचालित होती है, इसे जानने का जनता को अधिकार है और इस कार्य में नेशनल ई-विधान एप्लीकेशन (नेवा) महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

श्री रिजिजू ने यहां नेवा पर आयोजित तीसरे राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि देश की 28 विधानसभा और विधान परिषद अपनी-अपनी कार्यवाही नेवा के माध्यम से डिजिटल करने के लिए संसदीय कार्य मंत्रालय के साथ सहमति पत्र पर हस्ताक्षर कर चुकी हैं। संसदीय कार्य मंत्रालय इस कार्य की नोडल एजेंसी है। उन्होंने कहा कि बिहार विधानसभा अपनी सम्पूर्ण कार्यवाही का डिजिटलीकरण करने वाली पहली विधानसभा बनी है और दिल्ली विधानसभा ने इस कार्य को सबसे तेजी से संपन्न करते हुए रिकॉर्ड 90 दिनों में पूरा किया है।बिहार विधानसभा की संपूर्ण कार्यवाही का अब नेवा के माध्यम से सीधे प्रसारण किया जाता है।

उन्होंने कहा कि संसद की कार्यवाही के डिजिटल हो जाने से नये सांसदों के लिए इसे समझना अब बहुत आसान हो गया है। सदनों की कार्यवाही की संपूर्ण जानकारी अब लैपटॉप, टैबलेट और मोबाइल फोन पर उपलब्ध रहती है और वे एक सप्ताह में इसकी कार्यप्रणाली से अवगत हो जाते हैं। पहले नये सांसदों को इसे समझने में खासा वक्त लग जाता था।

संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कि नेवा की सफलता आधुनिक डिजिटल इंडिया बनाने के सपने को पूरा करने का एक अच्छा और स्पष्ट संकेत है। उन्होंने कहा कि कानून और नीतियां बनाने में विधायकों-सांसदों के साथ ही इससे जुड़े वरिष्ठ अधिकारियों का भी महती योगदान होता है।

जनता को इसकी भी जानकारी दी जानी चाहिए। इस सम्मेलन में आये इन वरिष्ठ अधिकारियों के बीच आकर वह बहुत प्रसन्न हैं।

उन्होंने कहा कि अब तक 28 विधानसभा और विधान परिषद नेवा से जुड़ गयी हैं और उन्हें उम्मीद है कि इसके अगले सम्मेलन तक देश की सभी विधानसभा और विधान परिषद नेवा के माध्यम अपनी कार्यवाही को डिजिटल कर चुकी होंगी।

मोदी ने 25 नई ई-बसों को दिखाई हरी झंडी

राजपीपला, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)।

सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर गुजरात में नर्मदा जिले के केवड़िया में दुनिया भर में मशहूर स्टैच्यू ऑफ़ यूनिटी पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 30 करोड़ रुपये की लागत से बनी 25 नई ई-बसों को गुरुवार को हरी झंडी दिखाई।

श्री मोदी ने इस मौके पर कहा, एकता नगर सिर्फ़ एक पर्यटन हब नहीं है, बल्कि पर्यावरण की सुरक्षा और सतत विकास का जीता-जागता उदाहरण है। ई-बसों के जुड़ने से हवा शुद्ध रहेगी, आवाज का प्रदूषण कम होगा और यात्रियों को आधुनिक, आरामदायक सुविधाएँ मिलेंगी।

उन्होंने इसके साथ ही हरित परिवहन और सतत पर्यटन की दिशा में एकता नगर को देश के एक बेहतरीन ई-सिटी के तौर पर विकसित करने का दृष्टिकोण पेश किया है। एकता नगर में अब कुल 55 ई-बसें यात्रियों को मुफ्त सफर की सर्विस देंगी। इस मौके पर मौजूद अधिकारियों और यात्रियों ने तालियों की गड़गड़ाहट से उनकी इस हरित पहल का स्वागत किया।

ये नई नौ मीटर लंबी एसी मिनी ई-बसें एक बार चार्ज करने के बाद 180 किलोमीटर तक चल सकती हैं। बस में दिव्यांगों के लिए खास सुविधाएं मौजूद हैं, जिसमें एक खास लिफ्टिंग सिस्टम के ज़रिए दिव्यांगों के लिए सीट नीचे करने का सिस्टम है, ताकि वे आराम से चढ़ और उतर सकें। इसके अलावा महिलाओं के लिए चार अलग पिंक सीटों का इंतज़ाम किया गया है ताकि वे सुरक्षित और आरामदायक यात्रा का आनंद ले सकें।

उल्लेखनीय है कि स्टैच्यू ऑफ़ यूनिटी अथॉरिटी ने प्रधानमंत्री के 'भारत का पहला ई-सिटी' के विज़न के तहत धीरे-धीरे ई-कार, ई-रिक्शा और ई-बस जैसे ग्रीन ट्रांसपोर्ट सिस्टम शुरू किए हैं। प्रधानमंत्री ने वर्ल्ड एनवायरनमेंट डे 2021 पर इस पहल की घोषणा की थी, तब से एकता नगर पर्यावरण अनुकूल पर्यटन का एक प्रतीक बनकर उभरा है।

गोपाष्टमी पर मुख्यमंत्री आवास पहुंचे गन्ना किसान

गन्ना मूल्य बढ़ाने पर किया सीएम योगी का अभिनंदन

लखनऊ, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)। पेराई सत्र 2025-26 के लिए गन्ना मूल्य बढ़ोतरी के ऐतिहासिक निर्णय से उत्साहित प्रदेश के गन्ना किसानों ने गुरुवार को मुख्यमंत्री आवास में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का अभिवादन किया। इसके पश्चात मुख्यमंत्री ने गन्ना किसानों से संवाद किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2014 में मोदी सरकार बनने के बाद पहली बार खेती और किसानों का हित सरकारों के एजेंडे में आया है। जिस मिट्टी में फसल पैदा होती है, उसके सेहत ही सुधि किसी को नहीं थी परंतु मोदी जी ने सॉयल हेल्थ कार्ड की व्यवस्था की। पीएम किसान सम्मान निधि ने रोजमर्रा के काम के लिए साहूकारों के जाल से किसानों को मुक्ति दिलाई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 में सरकार बनने के पहले दिन ही हमने 86 लाख किसानों की कर्जमाफी का वादा पूरा किया। बीते साढ़े 08 वर्षों में 23 लाख हेक्टेयर अतिरिक्त भूमि सिंचित की गई है। तब भी मेहनत किसान की, फसल किसान की, लेकिन मुनाफा बिचौलियों को मिलता था। हमने इस व्यवस्था को बदला और आज जिसका खेत, उसी से खरीद करते हुए सीधा उसके बैंक अकाउंट में पैसा जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अन्नदाता किसानों का अपमान करके कोई देश या राज्य कभी उन्नति नहीं कर सकता। चौधरी चरण सिंह कहते थे कि देश की खुशहाली का रास्ता किसानों के खेत से होकर जाता है, लेकिन पूर्व की सरकारों ने किसानों की उपेक्षा की और नतीजा उत्तर प्रदेश बीमारू राज्य हो गया। प्रदेश को बीमारू बनाने के पीछे सत्ता के लोगों की बीमार मानसिकता थी। उन्हें अपने परिवार की चिंता थी। पहले की सरकारों में चीनी मिल बंद हो रही थीं, बिक रहीं थीं। हमने यह रोका। आज 08 वर्ष बाद 4 नई चीनी मिलें स्थापित हुईं। 6 बंद मिलें पुनः शुरू हुईं और 42 मिलों में क्षमता विस्तार हुआ। 8 नई बड़ी मिलों के बराबर उत्पादन क्षमता में वृद्धि हुई और 2 मिलों में सीबीजी संयंत्र स्थापित किया गया। 122 चीनी मिलें चल रही हैं और इनमें 105-106 ऐसी हैं, जो एक सप्ताह में गन्ना खरीद का भुगतान कर रही हैं। यही नहीं, अब तो हम शुगर कॉम्प्लेक्स बनाने जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गन्ना क्षेत्र में नया निवेश आ रहा है। गन्ना अब सीजनल नहीं रहा, वर्षपर्यंत का कार्यक्रम है। कहीं सीबीजी, कहीं डिस्टिलरी, कहीं कोजन प्लांट सब कुछ आगे बढ़ रहा है। सम्मान तो सरकार का नहीं, अन्नदाता किसान का होना चाहिए, जिन्होंने यूपी को चीनी, गन्ना व एथेनाल उत्पादन में देश में नम्बर एक कर दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2007 से 2017 तक मात्र 1,47,346 करोड़ रुपए का गन्ना मूल्य भुगतान हो सका था। 2017 से अब तक साढ़े 08 वर्ष में 2,90,225 करोड़ रुपए का रिकॉर्ड गन्ना मूल्य भुगतान हुआ। पिछली सरकारों के 10 वर्षों की तुलना में हमारी सरकार में 1,42,879 करोड़ रुपए अधिक भुगतान हुआ। सीएम ने कहा कि ढाई करोड़ लोग गन्ना सेक्टर से जुड़े हुये हैं। सरकार सबका ध्यान रखेगी। अन्नदाता किसान सहयोग करें, सरकार सब सुविधा उपलब्ध कराएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्मार्ट गन्ना किसान प्रणाली से गन्ना पर्ची व्यवस्था पूरी तरह ऑनलाइन हुई और बिचौलियों का राज खत्म किया गया। अब किसी को सिफारिश की जरूरत नहीं है।

इसी तरह और तकनीकी नवाचार भी किये जायेंगे। अकेले चीनी मिलों के माध्यम से 10 लाख परिवारों को आजीविका मिली है। सरकार ने खांडसारी को भी प्रोत्साहित किया है। जहां जरूरत होगी, सीबीजी प्लांट लगेगा। चीनी मिल लगेगी, एथेनाल प्लांट लगेगा। सब होगा।

इस मौके पर गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग मंत्री चौधरी लक्ष्मी नारायण ने कहा कि लगभग आठ वर्ष पहले गन्ना किसानों के बीच दो शब्द बहुत प्रचलित थे गन्ना माफिया और घटतौली। साढ़े आठ वर्ष के बाद ये दोनों शब्द आज उत्तर प्रदेश के गन्ना किसानों के जीवन से पूरी तरह समाप्त हो चुके हैं।

तब ऐसे लोग निर्णय लेते थे, जिनका गन्ने से कोई लेना-देना नहीं था, आज तो एक प्रगतिशील किसान ही मुख्यमंत्री हैं। उत्तर प्रदेश में अब तक किसी भी सरकार ने अपने कार्यकाल में गन्ना मूल्य में 80 रुपए तक की वृद्धि नहीं की थी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी का यह निर्णय दूरदर्शी और किसान हितैषी है। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि योगी जी के नेतृत्व से पहले प्रदेश में गन्ना किसानों का एक ही काम रह गया था, आंदोलन करना। कारण भी स्पष्ट था, उनका भुगतान वर्षों तक लंबित रहता था। आज स्थिति पूरी तरह बदल गई है।

अब एक सप्ताह के भीतर भुगतान हो रहा है। किसानों को उत्तम गुणवत्ता का खाद, बीज और सिंचाई सुविधा मिल रही है। इसी का परिणाम है कि गन्ना क्षेत्रफल 20 लाख हेक्टेयर से बढ़कर 29 लाख हेक्टेयर से अधिक हो गया है। गन्ना किसानों को उन्नत तकनीक उपलब्ध कराने की दिशा में अनेक प्रयास किए जा रहे हैं। इन प्रयासों का लाभ शीघ्र ही प्रदेश के किसानों तक पहुंचेगा।

इलाहाबाद हाईकोर्ट का महत्वपूर्ण फैसला

स्कूल-कॉलेज के परिसरों में मेला-प्रदर्शनी पूरी तरह बैन

शिक्षा परिसर सिर्फ शिक्षा के लिए हैं : हाईकोर्ट

प्रयागराज, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अपने महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि उत्तर प्रदेश के स्कूल-कॉलेजों को किसी भी व्यापार के लिए इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। ये जगहें सिर्फ शिक्षा देने के लिए हैं, न कि बिजनेस करने के लिए। हाईकोर्ट ने पूरे राज्य में स्कूल-कॉलेज के अंदर किसी भी तरह के व्यापारिक आयोजन जैसे मेला, प्रदर्शनी, ट्रेड फेयर या सामान बेचने पर पूरी तरह बैन लगा दिया।

हाईकोर्ट में दाखिल एक जनहित याचिका पर हाईकोर्ट ने यह फैसला सुनाया। याचिका में हमीरपुर जिले के राठ में ब्रह्मानंद डिग्री कॉलेज के मैदान में इस साल एक व्यापारिक मेला लगाने को चुनौती दी गई थी। मामला चीफ जस्टिस अरुण भंसाली और जस्टिस क्षितिज शैलेंद्र की बेंच ने सुना। हाईकोर्ट ने साफ-साफ कहा कि स्कूल-कॉलेज की जमीन, इमारतें और खेल के मैदान सिर्फ पढ़ाई या उससे जुड़ी गतिविधियों के लिए हैं। शिक्षा संस्थान सिर्फ शिक्षा देने के लिए हैं। इनकी जमीन-इमारतों पर कोई व्यापारिक काम नहीं हो सकता, चाहे वो प्रदर्शनी हो, मेला हो या सामान बेचना हो। न्यायाधीशों ने कहा कि स्कूल-कॉलेज की सुविधाएं सिर्फ पढ़ाई, खेलकूद, सांस्कृतिक कार्यक्रम या स्कूल खुद आयोजित करे, तभी इस्तेमाल की जा सकेंगी।

ब्रह्मानंद डिग्री कॉलेज में जनवरी से मार्च 2025 तक स्वामी ब्रह्मानंद मेला महोत्सव नाम का व्यापारिक मेला लगा था। मेला कॉलेज के प्रिंसिपल की इजाजत से लगा था, जो पहले के हाईकोर्ट के आदेश का उल्लंघन था। प्रिंसिपल की ओर से कहा गया कि मेला मार्च 2025 में खत्म हो चुका है, इसलिए याचिका बेकार हो गई। लेकिन हाईकोर्ट ने यह दलील ठुकरा दी। हाईकोर्ट ने कहा, ये पूरे राज्य के शिक्षा संस्थानों से जुड़ा बड़ा मुद्दा है। हाईकोर्ट ने राठ के एसडीएम से पूछा कि मेला की इजाजत कैसे दी? एसडीएम ने कहा कि उसे हाईकोर्ट के पुराने आदेश की जानकारी नहीं थी।

हाईकोर्ट ने बताया कि 2020 में भी एक जज ने साफ कहा था कि स्कूल-कॉलेज की सम्पत्ति निजी या व्यापारिक काम के लिए नहीं दी जा सकती। वो आदेश चीफ सेक्रेटरी और शिक्षा सचिव को भेजा गया था। सभी डीएम को कहा गया था कि शादी-ब्याह या व्यापारिक आयोजन स्कूल में नहीं होंगे।

लखनऊ में शीघ्र तैयार होगा नौसेना शौर्य संग्रहालय

लखनऊ, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को संस्कृति विभाग की समीक्षा बैठक में राजधानी लखनऊ में प्रस्तावित नौसेना शौर्य संग्रहालय की प्रस्तुति का अवलोकन करते हुए इसके शीघ्र निर्माण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह संग्रहालय भारतीय नौसेना की अदम्य शौर्यगाथाओं और हिन्द महासागर क्षेत्र में भारत की सामुद्रिक क्षमता का जीवंत प्रतीक बनेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि समुद्र भारत की सभ्यता का मंथन स्थल रहा है, और भारतीय नौसेना उस गौरवशाली परंपरा की आधुनिक अभिव्यक्ति है। लखनऊ का यह संग्रहालय उसी परंपरा को जन-जन तक पहुंचाने का माध्यम बनेगा।

नौसेना की वीरता और क्षमता का प्रतीक बनेगी परियोजना

बैठक में बताया गया कि संग्रहालय का स्वरूप एक जहाज के अमूर्त रूप में होगा। जहाज की रेलिंग, पोर्थोल जैसी खिड़कियां, नौसैनिक वास्तुकला और समुद्री प्रतीकों के साथ इसे विशिष्ट पहचान दी जाने की योजना है। परिसर में इंटरप्रिटेशन सेंटर, सेंट्रल डेक, ओपन एयर मेमोरियल, थीमैटिक वॉकवे, प्रदर्शनी गैलरी, फाउंटेन और लाइट-एंड-साउंड एरिना शामिल होंगे। डिज़ाइन को ऊर्जा-संवेदनशील रखा गया है, जिसमें प्राकृतिक रौशनी, वेंटिलेशन और हरित निर्माण तकनीक का उपयोग किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि संग्रहालय को केवल देखने योग्य नहीं बल्कि अनुभव का केंद्र बनाया जाए, जहां दर्शक इतिहास को महसूस कर सकें। उन्होंने निर्देश दिए कि डिस्प्ले में डिजिटल, इंटरएक्टिव और इमर्सिव तकनीकों का प्रयोग हो, ताकि लोग नौसेना के अभियान, युद्ध और तकनीकी प्रगति को प्रत्यक्ष अनुभव कर सकें। उन्होंने निर्देश दिए कि नौसेना संग्रहालय में छत्रपति शिवाजी महाराज के बारे में आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराई जाए।

प्रस्तुति में बताया गया कि परियोजना दो प्रमुख हिस्सों में विकसित हो रही है। पहली, आईएनएस गोमती शौर्य स्मारक और दूसरी-नौसेना शौर्य वाटिका। बताया गया कि आईएनएस गोमती (एफ-21) गोदावरी श्रेणी का स्वदेशी मिसाइल फ्रिगेट है जिसने 34 वर्षों तक भारतीय नौसेना में सेवा दी और ऑपरेशन कैक्टस, ऑपरेशन पराक्रम जैसे अभियानों में भाग लिया। इसे संरक्षित कर संग्रहालय परिसर में प्रदर्शित किया जाएगा ताकि नागरिक और युवा उसकी बहादुरी की कहानी को प्रत्यक्ष देख सकें।

मुख्यमंत्री ने नौसेना शौर्य वाटिका को परियोजना का विशेष आकर्षण बताते हुए इसके शीघ्र पूर्ण होने के निर्देश दिए। इस वाटिका में टीयू-142 विमान, जो 29 वर्षों तक नौसेना की समुद्री निगरानी और आपदा राहत अभियानों में सक्रिय रहा, स्थापित किया जा रहा है। साथ ही सी किंग एसके-42बी हेलीकॉप्टर की प्रदर्शनी भी प्रस्तावित है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह वाटिका युवाओं को आधुनिक नौसैनिक अभियानों और प्रौद्योगिकी से जोड़ने वाला सजीव अनुभव स्थल बनेगी। बैठक में बताया गया कि संग्रहालय परिसर में 7डी थिएटर, एयरक्राफ्ट कैरियर लैंडिंग सिम्युलेटर, वॉरशिप सिम्युलेटर, सबमर्ज्ड द्वारका मॉडल, डिजिटल वाटर स्क्रीन शो, मरीन लाइफ एक्वेरियम तथा ड्रेस लाइक योर हीरोज़' जैसी सहभागितापरक गतिविधियां होंगी। इसके अतिरिक्त नौसेना के वीरता पुरस्कारों, ऐतिहासिक अभियानों और स्वदेशी रक्षा नवाचारों से जुड़ी इंटरएक्टिव गैलरियां भी विकसित की जाएंगी। परियोजना की निगरानी हेतु महानिदेशक पर्यटन की अध्यक्षता में एक समिति गठित की गई है, जिसमें मेरिटाइम हेरिटेज सोसाइटी, यूपी प्रोजेक्ट्स कॉर्पोरेशन और नौसेना विशेषज्ञ सम्मिलित हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस परियोजना के माध्यम से उत्तर प्रदेश में समुद्री गौरव की वह चेतना पुनः जाग्रत होगी जो कभी भारत के तटीय व्यापार और हिंद महासागर की सांस्कृतिक कड़ी रही है। उन्होंने कहा, लखनऊ का यह संग्रहालय भारतीय नौसेना की वीरता का ही नहीं, बल्कि भारत की समुद्री आत्मा का भी प्रतीक बनेगा। यह उत्तर प्रदेश को राष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर एक नई, गौरवपूर्ण पहचान देगा।

फिल्म निर्माता अमित जानी को मिली धमकी

संभल फाइल्स पर काम जारी रखा तो बम से उड़ा देंगे

संभल, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)। बहुचर्चित फिल्म उदयपुर फाइल्स के निर्माता अमित जानी को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। पुलिस ने शिकायत दर्ज कर ली है और धमकी देने वाले का पता लगा रही है। अमित जानी ने संभल पुलिस और गृह मंत्रालय को भी इसकी जानकारी दी है। फिल्म संभल फाइल्स पर फिलहाल वे काम कर रहे हैं। फिल्म निर्माता अमित जानी को धमकी देनेवाले ने अपना नाम मोहम्मद शब्बीर बताया है। उसने कहा है कि फिल्म संभल फाइल्स की शूटिंग के दौरान जानी को उनकी कार समेत बम से उड़ा देगा। उदयपुर फाइल्स बनाने वाले अमित जानी ने संभल फाइल्स बनाने की घोषणा की है। इसके लिए उन्होंने हाल के वर्षों में हुए दंगे और हिंसा के पीड़ितों से मुलाकात की। संभल के ऐतिहासिक स्थलों और इमारतों पर जाकर रिसर्च की है। सोमवार 27 अक्टूबर को वे रामपुर से जब संभल लौट रहे थे, उस वक्त उन्हें धमकी भरा कॉल आया था। कॉल करने वाले ने धमकी दी कि यदि फिल्म संभल फाइल्स पर काम जारी रखा, तो बम से उड़ा दिया जाएगा। धमकी देने वाले ने खुद को कश्मीरी बताया। संभल के एसपी कृष्ण कुमार ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि जिस नंबर से अमित जानी को कॉल आया है, उसे ट्रेस किया जा रहा है। पुलिस ने अमित जानी की सुरक्षा कड़ी कर दी है। पुलिस इस मामले की हर पहलू को खंगाल रही है।

शौर्य और स्वाभिमान का प्रेरणास्थल होगा छत्रपति शिवाजी महाराज संग्रहालय

लखनऊ, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को संस्कृति विभाग की समीक्षा बैठक में आगरा में बन रहे छत्रपति शिवाजी महाराज संग्रहालय के निर्माण कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि यह संग्रहालय भारत के स्वाभिमान, सांस्कृतिक वैभव और वीरता का प्रेरणास्थल बनेगा। मुख्यमंत्री ने अब तक की प्रगति पर संतोष व्यक्त करते हुए शेष कार्यों को तेजी से पूरा करने के निर्देश दिए और कहा कि भवन का निर्माण कार्य जनवरी तक हर हाल में पूर्ण कर लिया जाए, ताकि संग्रहालय का स्वरूप देने का काम तय समय पर पूरा हो सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह संग्रहालय केवल इतिहास का स्थिर प्रदर्शन नहीं, बल्कि एक जीवंत अनुभव होना चाहिए, जहां आगंतुक भारत की गौरवगाथा को महसूस कर सकें। उन्होंने निर्देश दिया कि संग्रहालय की प्रत्येक गैलरी को ऐसी थीमैटिक और इंटरएक्टिव प्रस्तुति दी जाए, जिससे आगंतुक केवल दर्शक न रहकर सहभागी बनें। मुख्यमंत्री ने शिवाजी एवं द ग्रेट एस्केप गैलरी के संबंध में निर्देश दिए कि इसमें आगरा किले से छत्रपति शिवाजी महाराज की ऐतिहासिक मुक्ति की घटना को 7डी तकनीक, डिजिटल साउंड, लाइट और विजुअल इफेक्ट्स के माध्यम से प्रस्तुत किया जाए ताकि आगंतुक उस क्षण की वीरता और रणनीति को सजीव रूप में अनुभव कर सकें। उन्होंने कहा कि यह अनुभाग शिवाजी महाराज के स्वराज्य संकल्प का प्रतीक बने।

मुख्यमंत्री ने अग्रदूतों की गैलरी में प्रथम स्वाधीनता संग्राम 1857 के अमर सेनानियों से जुड़ी वस्तुओं, स्मृतियों और दस्तावेजों को सुरक्षित प्रदर्शित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि यह गैलरी उन अग्रदूतों की गाथा कहे जिन्होंने स्वतंत्रता की नींव रखी। यहां झांसी की रानी लक्ष्मीबाई, नाना साहेब, तात्या टोपे और अनेक वीरों की स्मृतियां आधुनिक तकनीक के साथ प्रदर्शित हों। मुख्यमंत्री ने त्यौहारों की गैलरी के संबंध में कहा कि इसमें काशी की महाशिवरात्रि और देव दीपावली, ब्रज का श्रीकृष्ण जन्मोत्सव और रंगोत्सव, तथा प्रयागराज का महाकुंभ जैसे उत्तर प्रदेश के प्रमुख पर्वों का जीवंत चित्रण हो। उन्होंने निर्देश दिया कि यहां केवल तस्वीरें न लगाई जाएं, बल्कि प्रत्येक पर्व को इंटरएक्टिव अनुभव के रूप में प्रस्तुत किया जाए, जहां प्रकाश, ध्वनि, संगीत और रंगों के माध्यम से आगंतुक उत्सव का अनुभव कर सकें।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि नदियों की गैलरी में गंगा, यमुना, सरयू और घाघरा जैसी नदियों से जुड़ी आस्था, संस्कृति और लोकजीवन का सजीव चित्रण हो। साथ ही देवासुर संग्राम जैसे अनुभाग के माध्यम से सृष्टि, धर्म और मानव मूल्यों की भारतीय व्याख्या को भी दर्शाया जाए। उन्होंने कहा कि संग्रहालय परिसर में स्थापित सभी कलाकृतियां, मूर्तियां और स्थापत्य तत्व उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक आत्मा का प्रतिनिधित्व करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि संग्रहालय की प्रत्येक दीवार, आंगन और कलाकृति बोलती हुई कहानी बने, जिसमें लोककला, पारंपरिक शिल्प और आधुनिक कला का समन्वय झलके।

नवनिर्मित नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पहुंचना होगा और आसान

जल्द होगा जेवर एयरपोर्ट का शुभारंभ मल्टी मॉडल कनेक्टिविटी की तैयारी

लखनऊ, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)। नोएडा के जेवर में बना नवनिर्मित नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट जल्द ही शुरू होने जा रहा है। एयरपोर्ट को दिल्ली-एनसीआर, आगरा, अलीगढ़, मथुरा, मेरठ और हरियाणा जैसे क्षेत्रों से जोड़ने के लिए बहु-माध्यमीय परिवहन व्यवस्था तैयार की जा रही है। इसका मकसद यात्रियों, पर्यटकों और उद्योगों को एयरपोर्ट तक पहुंचने का तेज, सुरक्षित और पर्यावरण-अनुकूल साधन देना है। एयरपोर्ट सीधे यमुना एक्सप्रेस-वे से जुड़ा है। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे (बल्लभगढ़ लिंक) बनने से हरियाणा और पश्चिम भारत की दिशा से भी सुगमता बढ़ी है।

ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे से एयरपोर्ट को जोड़ने का काम तेज़ी से चल रहा है, जिससे गाजियाबाद, मेरठ, पलवल और सोनीपत से भी सीधा रास्ता मिलेगा। वहीं, औद्योगिक और मालवाहक ट्रैफिक के लिए उत्तर और पूर्व एक्सेस रोड लगभग बनकर तैयार हैं। जबकि, सेक्टर-28 की 60 मीटर चौड़ी सेवा सड़क को भी यमुना एक्सप्रेस-वे से जोड़ा गया है, ताकि स्थानीय यातायात सुचारू रहे। दिल्ली से जेवर एयरपोर्ट तक रीजनल रैपिड रेल परियोजना का डीपीआर राज्य सरकार ने मंज़ूर कर दिया है। रेल मंत्रालय भी एयरपोर्ट को चोला-रुंधी रेल लाइन से जोड़ने की तैयारी कर रहा है।

एयरपोर्ट को आसपास के शहरों और मेट्रो नेटवर्क से जोड़ने के लिए परिवहन निगम के साथ समझौता किया गया है। उत्तराखंड, हरियाणा, दिल्ली और राजस्थान के साथ भी अंतरराज्यीय बस सेवा की सहमति बन चुकी है। नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना प्राधिकरण मिलकर 500 इलेक्ट्रिक बसें चलाएंगे, जो यात्रियों को एयरपोर्ट तक पर्यावरण-अनुकूल यात्रा सुविधा देंगी। एयरपोर्ट पर महिंद्रा लॉजिस्टिक्स द्वारा एनआईए ब्रांडेड कैब सेवा शुरू की जा रही है। यह सेवा यात्रियों को समय पर, सुरक्षित और आरामदायक यात्रा अनुभव देगी। उबर, रैपिडो और मेक माई ट्रिप जैसी कंपनियां ऑन-डिमांड कैब सेवा देंगी।

ब्यूटी टिप्स

सुबह उठते ही पानी पीने से निखरती है सुंदरता

बेहतर जीवन यापन के लिए जरूरी है शुद्ध और पौष्टिक आहार, परफेट व्यायाम और ढेर सारा पानी। इन तीनों ही चीजों को अगर बिल्कुल सही तरीके से मेनटेन करके चला जाए, तो आपकी बॉडी भी पूरी तरह से हेल्दी, वेल्दी एंड फाइन बन जाती है। अब आपमें से कई लोग ये सोच रहे होंगे कि पौष्टिक आहार और व्यायाम तक तो सुना था। अब इसमें पानी का ऐसा या रोल है। बहुत बड़ा रोल है। कहते हैं कि रोज सुबह खाली पेट पानी पीने से आपके शरीर को बहुत सारे फायदे होते हैं। सिर्फ यही नहीं पानी आपको और भी कई तरीके से हेल्दी रखता है। कैसे, आइए जानें।

गंदगी का बाहर निकलना जरूरी

सांस लेने में, खाना खाने में या कई और तरीकों से भी बाहर की गंदगी हमारे शरीर में पहुंच जाती है। इस गंदगी को लोग अगर समय-समय पर शरीर से बाहर नहीं निकालते रहे तो ये हमारी बॉडी के अंदर ढेर होकर किसी भी तरह का नुकसान पहुंचा सकती है। इस गंदगी को शरीर से बाहर निकालने का सबसे सही उपाय है पानी। हम जितना ज्यादा से ज्यादा पानी पिएंगे। हमारी यूरिन के जरिए ये गंदगी हमारे शरीर से बाहर निकलती रहेगी।

कब्ज रहता है दूर

आपको भी आए दिन कज की समस्या सताती है। हां, तो आपके लिए भी रामबाण दवा है सिर्फ और सिर्फ पानी। दरअसल ऐसा तो डॉटर्स की भी राय होती है कि खाली पेट पानी पीने से पेट पूरी तरह से साफ हो जाता है। अब जाहिर सी बात है कि जब पेट पूरी तरह से साफ हो गया तो पूरे दिन के लिए आपकी पाचन क्षमता और भी अच्छी हो जाएगी।

त्वचा में आता है निखार

आप भी ग्लोइंग स्किन के मुरीद हैं तो सबसे आसान नुस्खा है सुबह उठते ही सबसे पहले पानी पीना। ऐसा करने से आपका शरीर हाइड्रेटेड रहता है। इसके साथ ही आपकी स्किन भी सॉफ्ट होती है।

दुरस्त रहती है पाचन किया

किसी को भी अगर अपनी पाचन क्रिया पूरी तरह से दुरुस्त रखनी है तो सबसे अच्छा तरीका है जी भर के पानी पीना। सुबह उठते ही पानी पीने से पाचन क्रिया दुरुस्त रहती है। सिर्फ यही नहीं ऐसा करने से हमारी पाचन क्रिया 1. 5 घंटे तक 24 प्रतिशत और भी ज्यादा बढ़ जाती है।

आईब्रो घनी करने के लिए करें ये घरेलू उपाय

आईब्रो उन सब महिलाओं के लिए काफी आवश्यक हो गया है आप दिखने में सुंदर हो सकती हैं लेकिन अगर आईब्रो को ठीक तरह से न बनाया गया हो तो आपकी सुंदरता छिप जाती है। हर महीने महिलाएं और लड़कियां थ्रेडिंग करवाने के लिए ब्यूटी पार्लर जाती हैं। थ्रेडिंग से आईब्रो के अनचाहे बाल निकल जाते हैं और उनका आकर सुंदर दिखने लगता है। लेकिन कई मामलों में महिलाओं की आईब्रो में पर्याप्त मात्रा में बाल नहीं होते हैं । एक परिपूर्ण मोटी भौं आपको और अधिक सुंदर बना देती है। एक मोटी भौं होने का यह लाभ होता है की आप उन्हें कोई भी आकार दे सकते हैं। यही कारण है की महिलाएं मोटी आईब्रो के लिए तरसती हैं। पेंसिल से पतली भौंहों बनाने के दिन अब नहीं रहे है।

एलोवेरा

एलोवेरा जेल अपने बाल कूप का पोषण करता है और उनके विकास को बढ़ावा देता है। अगर आपके घर में एलोवेरा का पौधा हो तो आप आसानी से इसका जेल निकाल सकती हैं। यह जेल आईब्रो को घना बनाने के साथ ये उनको नरम और कोमल बना देता है। यहां तक कि इस प्राकृतिक औषधि के इस्तमाल के बाद आपको किसी प्रकार के लायटेनिंग उत्पाद का उपयोग करने की जरुरत नहीं पड़ेगी।

दूध

दूध बालों का एक प्राकृतिक कंडीशनर है। पिने के लिए या चाय बनाने के लिए दूध हमेशा आपके फ्रिज में रहता है। अब आप उसे आपनी आईब्रो मोटी करने के लिए उपयोग में ला सकते हैं। एक छोटी कटोरी में दूध ले, दूध के अंदर एक कपास का गोला डुबोकर धीरे से अपनी आईब्रो पर रगड़ें। आईब्रो मोटी करने के लिए जब भी समय मिले तब आपको यह उपाय करना होगा। नींबू को दूध के साथ मिलाकर भी उपाय कर सकते हैं। दूध का एक कटोरा लेकर इसमें नींबू रस की कुछ बूँदें डालें। अच्छी तरह मिलाकर कपास के साथ इस मिश्रण को अपनी आईब्रो पर लगायें। यह आपको मोटी आईब्रो देने में मदद करेगा।

प्याज का रस

यह आईब्रो के बालों को तेजी से बढ़ाने और उन्हें घना करने में काफी मदद करता है। प्याज में मौजूद सल्फर का रस कोलेजन की कोशिकाओं के उत्पादन में बढ़ोत्तरी करता है, जिससे आईब्रो के बाल काफी तेजी से बढ़ते हैं और बालों के फॉलिकल्स को मजबूती मिलती है। अपनी आईब्रो पर प्याज के रस की मदद से 5 मिनट तक मालिश करें और इसे सूखने के लिए छोड़ दें। इसके बाद इसे एक सौम्य क्लींजर और ठन्डे पानी से धो लें। इस उपचार को कम से कम 1 महीने तक जारी रखें।

नींबू

नींबू का उपयोग करना काफी आसान है। बस एक टुकड़ा काटकर इसे अपनी भौहों पर रगड़ें। यह अद्भुत तरीके से अपनी आईब्रो बढ़ने में मदद करेगा। आप नींबू निचोड़ कर उसका रस निकालकर भी आईब्रो पर लगा सकते हैं। रस लगाकर उन्हें धीरे से रगड़ सकते हैं।

नारियल तेल

नारियल तेल एक उपयोगी प्राकृतिक उपाय है। अगर आप अपनी आईब्रो का रंग ज्यादा काला गहरा करना चाहते हैं तो यह नारियल तेल एक प्रभावी तंत्र होगा। नारियल तेल बालों के विकास के लिए बहुत प्रभावी पाया जाता है। यह बालों के रोम को पोषण देता है। नारियल के तेल की कुछ बूँदें लेकर अच्छी तरह से अपने आईब्रो पर इसे लगा सकते हैं। अगर आप इसे रोज इस्तेमाल करें तो आप काली और मोटी आईब्रो पा सकती हैं।

वास्तु टिप्स

हाथ में पहनें कछुए वाली अंगूठी कभी नहीं होगी धन की कमी

अंगुठी पहनने का सभी महिलाओं को बहुत शौंक होता है। सोने, चांदी और अन्य कई रत्नों की अंगुठियां उनके पास होती है लेकिन कुछ महिलाओं ने कछुए वाली अंगुठी पहनी होती है जो सिर्फ हाथों की सुंदरता ही नहीं बल्कि वास्तु दोष को भी मिटाती है। आइए जानिए कछुए वाली अंगुठी पहनने से क्या फायदे होते हैं।

अंगूठी पहनने का तरीका

कछुए वाली अंगुठी पहनने से कई वास्तु दोष खत्म होते हैं और धन की प्राप्ति भी होती है। कछुए वाली अंगुठी को हमेशा चांदी की धातु में ही बनवाएं। सोने की धातु में होने से फायदे की जगह नुकसान हो सकता है और इसे हमेशा शुक्रवार के दिन ही पहनें। इसे पहनते वक्त यह ध्यान रखें कि कछुए का मुंह आपकी तरफ हो। अगर मुंह बाहर की और होगा तो धन आने की बजाए चला जाएगा।

आत्मविश्वास बढ़ाए

कछुए वाली अंगुठी पहनने से व्यक्ति के जीवन में कई वास्तु दोष खत्म हो जाते हैं। इससे सिर्फ वास्तु दोष ही नहीं बल्कि व्यक्ति के जीवन में आत्मविश्वास भी बढ़ जाता है।

धन प्राप्ति

कछुए को भगवान विष्णु का वाहन माना जाता है जिससे इसे पहनने से कभी धन की कमी नहीं होती।

सुख-समृद्धि

इस अंगुठी को पहनने से जीवन में सुख-शांति आती है और खुशियां बनी रहती हैं।

इस योग से बढ़ती है फेफड़ों की कार्यक्षमता

योग आसनों की शुरुआत के पूर्व अंग संचालनों में पारंगत हुआ जाता है। अंग संचालनों के क्रम में ही एक अंग संचालन पूर्ण भुजा शक्ति विकासक क्रिया है। जिन लोगों को कठिन आसन करने में दिक्कत होती है, वे इस अभ्यास से आसन और प्राणायाम के लाभ एकसाथ प्राप्त कर सकते हैं।

पूर्ण भुजा शक्ति विकासक क्रिया योग की विधि

सबसे पहले सावधान मुद्रा में खड़े हो जाएं। अब दोनों पैरों के पंजों को आपस में मिला लें। फिर भुजाओं को सीधा, कंधों को पीछे खींचकर और सीने को तानकर रखें। इसके बाद दाएं हाथ का अंगूठा भीतर और अंगुलियां बाहर रखते हुए मुट्ठी बांध लें। फिर बाएं हाथ के तलवे को जंघा से सटाकर रखें। श्वास भरते हुए दाई भुजा को कंधों के सामने लाएं। उसके बाद श्वास भरते हुए भुजा को सिर के ऊपर लाएं। अब श्वास छोड़ें और दाई हथेली को कंधों के पीछे से नीचे लेकर आएं। इस तरह एक चक्र पूरा होगा। अब दाएं हाथ से लगातार 10 बार इसी तरह गोलाकार चलाएं। उसके बाद बाएं हाथ से भी मुट्ठी बनाकर 10 बार गोलाकार चलाएं। अंत में धीरे-धीरे श्वास को सामान्य कर लें। श्वास के सामान्य होने के बाद दोनों हाथों की मुट्ठी बनाकर 10 बार गोलाकार चलाएं। सामने से पीछे की ओर ले जाएं। इस दौरान श्वास की एकाग्रता और संतुलन बनाए रखें। जिस तरह हाथों को एक दिशा में गोलाकार घुमाते हैं, उसी तरह हाथों को उल्टी दिशा में भी गोलाकार घुमाना चाहिए। इससे विपरीत योग संचालन भी हो जाता है, जो कि जरूरी है।

सावधानी

योग संचालन के दौरान श्वास के प्रति सजग रहें। एक श्वास में एक चक्र पूरा करें। बाजू बिलकुल सीधी रखें। शरीर को तानकर रखें।

इसका लाभ

इस अंग संचालन योग को करने से जहां एक ओर प्राणशक्ति का विकास होता है वहीं खुलकर गहरी सांस लेने और छोड़ने से फेफड़ों की कार्यक्षमता बढ़ती है। इसके चलते प्राणशक्ति का स्तर बढ़ जाता है और व्यक्ति दिनभर चुस्त-दुरुस्त बना रहता है।

इसके नियमित अभ्यास से भुजाओं की मांसपेशियां मजबूत होती हैं और कंधों की जकड़न दूर होती है। इसके नियमित अभ्यास से शरीर के सभी अंगों में प्राणशक्ति का संचार होने लगता है।

उज्जैन का महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर

महाकालेश्वर मंदिर मध्यप्रदेश राज्य के उज्जैन नगर में स्थित है, इस मंदिर की बहुत मान्यता है। कहते हैं शिव के अनेक रूप हैं। भगवान शिव देशभर में अनेक स्थानों पर ज्योतिर्लिंग के रूप में विराजमान हैं। भारत देश मे 12 प्रमुख ज्योतिर्लिंग है, महाकाल ज्योतिर्लिंग, शिव जी का तीसरा ज्योतिर्लिंग कहलाता है। यह एक मात्र ज्योतिर्लिंग है जो दक्षिणमुखी है। भव्य और दक्षिणमुखी होने के कारण महाकालेश्वर महादेव की अत्यन्त पुण्यदायी महत्ता है। कहते है इसके दर्शन मात्रा से ही पुण्य की प्राप्ति हो जाती है भगवान महाकालेश्वर के इस नगर उज्जैन में एक-दो नहीं बल्कि 33 करोड़ देवता छोटे-बड़े मंदिरों में विराजते हैं। महाकाल को उज्जैन का राजा कहा जाता है

महाकालेश्वर मंदिर का इतिहास मराठों के शासनकाल में यहाँ दो महत्वपूर्ण घटनाएँ घटीं.... पहला, महाकालेश्वर मंदिर का पुनर्निर्माण और ज्योतिर्लिंग की पुनर्प्रतिष्ठा तथा सिंहस्थ पर्व स्नान की स्थापना, जोएक बहुत बड़ी उपलब्धि थी। आगे चलकर राजा भोज ने इस मंदिर का विस्तार कराया।

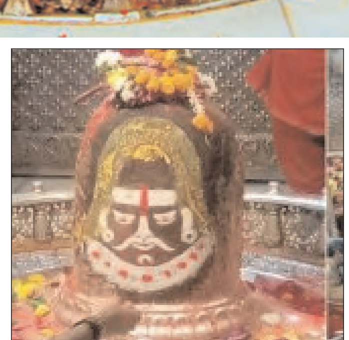

महाकालेश्वर मंदिर

महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग' का अपना एक अलग महत्व है। यहां शिवलिंग का अलग-अलग रूपों में श्रृंगार किया जाता है। मंदिर एक परकोटे के भीतर स्थित है। गर्भगृह तक पहुँचने के लिए एक सीढ़ीदार रास्ता है। इसके ठीक उपर एक दूसरा कक्ष है जिसमें ओंकारेश्वर शिवलिंग स्थापित है। मंदिर का क्षेत्रफल 10.77 × 10.77 वर्गमीटर और ऊंचाई 28.71 मीटर है। मंदिर से लगा एक छोटा-सा जलस्रोत है जिसे कोटितीर्थ कहा जाता है। ऐसी मान्यता है कि इल्तुत्मिश ने जब मंदिर को तुड़वाया तो शिवलिंग को इसी कोटितीर्थ में फिकवा दिया था। बाद में इसकी पुनर्प्रतिष्ठा करायी गयी।

महाकाल की भस्म आरती

प्रतिदिन सुबह होने वाली भगवान की भस्म आरती के लिए कई महीनों पहले से ही बुकिंग होती है। इस आरती की खासियत यह है कि इसमें ताजा मुर्दे की भस्म से भगवान महाकाल का श्रृंगार किया जाता है कहा जाता है कि यदि आपने महाकाल की भस्म आरती नहीं देखी तो आपका महाकालेश्वर दर्शन अधूरा है । इस आरती का एक नियम यह भी है की इसे महिलाएं नहीं देख सकती हैं। इसलिए आरती के दौरान कुछ समय के लिए महिलाओं को घूंघट करना पड़ता है।आरती के दौरान पुजारी एक वस्त्र धोती में होते हैं। इस आरती में अन्य वस्त्रों को धारण करने का नियम नहीं है। महाकाल की आरती भस्म से होने के पीछे ऐसी मान्यता है की महाकाल श्मशान के साधक हैं और यही इनका श्रृंगार और आभूषण है।महाकाल की पूजा में भस्म का विशेष महत्व है और यही इनका सबसे प्रमुख प्रसाद है। ऐसी धारणा है की शिव के ऊपर चढ़े हुए भस्म का प्रसाद ग्रहण करने मात्र से रोग दोष से मुक्ति मिलती है।

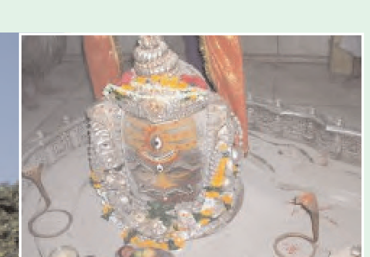

रेसिपी

कुल्चा

सामग्री

मैदा- 300 ग्राम, खमीर- 1 या 1/2 चम्मच, चीनी- 1 चम्मच, नमक- 1 चम्मच, मखन- 1 चम्मच, पानी- 250 मिलीलीटर, तेल- 1 चम्मच, मेथी के सूखे पो- स्वाद के लिए

विधि

एक बाउल में 300 ग्राम मैदा, 1 या 1/2 चम्मच खमीर, 1 चम्मच चीनी, 1चम्मच नमक, 1 चम्मच मखन, 250मिलीलीटर पानी डालें और आटे की तरह गूंध लें। आटे को नर्म करने के लिए इसमें 1 चम्मच तेल डालें और दोबारा गूंधे। अब इसे 20 मिनट के लिए रख दें। फिर आटे का कुछ हिस्सा लेकर रोटी की तरह बेलें। इसके बाद इस पर मेथी के कुछ पो फैलाकर दोबारा बेलें। अब इसे एक बेकिंग ट्रे पर रखें और ओवन को 400°F/200°F पर प्रीहीट करें। फिर इसे 10 से 12 मिनट के लिए बेक करें। आपका गर्मा-गर्म कुल्चा तैयार है। इसे न्यूट्री के साथ परोसें।

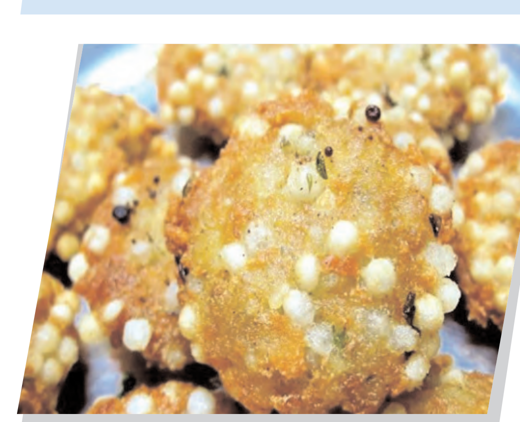

आलू और साबूदाना टिक्की

सामग्री

दो कप उबले और मैश किए आलू, आधा कप साबूदाने को 7-8 घंटे साबूदाने को भिगोकर निथार लें, दो चम्मच सिंघाड़े का आटा, दो चम्मच मूंगफली को भुनकर थोड़ा दरदरा पीस लें। दो बारीक कटी हरी मिर्च, आधा चम्मच धनिया पाउडर, आधा चम्मच आमचूर, आधा चम्मच लाल मिर्च पाउडर, सेंधा नमक और लाल मिर्च स्वादानुसार।

विधि

एक बर्तन में मैश्ड आलू रखें। इसमें साबूदाना और मूंगफली अच्छे से मिलाएं और सीजनिंग की सभी सामग्रियां मिला लें। अब इसमें सिंघाड़े का आटा डालकर मिलाएं जिससे यह थोड़ा कड़ा हो जाए।अब गीले हाथों से इनकी गोलियां बनाकर उन्हें चपटा कर लें। गहरे पैन में इन्हें गोल्डन ब्राउन होने तक डीप फ्राइ कर लें। गर्मागर्म परोसें।

संपादकीय

संवैधानिक आरक्षण लांघते हुए

इंदिरा साहनी बनाम भारत संघ' (1992) सर्वोच्च अदालत का ऐसा ऐतिहासिक फैसला था, जिसे 9 न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने सुनाया था। फैसला बहुमत से लिया गया था, लेकिन उसका प्रभाव सामूहिक था। उसे 'मंडल आयोग मामला' भी कहा जाता है। फैसले में सरकारी नौकरियों और शिक्षा में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए आरक्षण की वैधता को बरकरार रखा गया था, लेकिन कुछ और महत्वपूर्ण फैसले भी सुनाए गए। मसलन-आरक्षण की अधिकतम सीमा 50 फीसदी होगी। 'क्रीमी लेयर' (अमीर ओबीसी सदस्यों) को आरक्षण से बाहर करना और पदोन्नति में आरक्षण को हटाना। 'पदोन्नति में आरक्षण' को असंवैधानिक करार दिया गया, जिसका अर्थ है कि आरक्षण केवल शुरुआती नियुक्ति के चरणों में ही लागू हो सकता है। दरअसल बहुमत के उस फैसले ने भारत में आरक्षण नीति को आकार दिया, लेकिन राजनीतिक स्वार्थ उस ऐतिहासिक फैसले को लांघने का प्रयास करते रहे हैं। आरक्षण की परिभाषा खंडित करके उसे अपने अनुसार बनाया जा रहा है। ताजातरीन मामला बिहार में 'तेजस्वी का प्रण' का है। यह विपक्षी गठबंधन का चुनावी घोषणा-पत्र है। उसमें 25 'प्रण' किए गए हैं, जिनके आधार पर जनादेश मांगा जा रहा है। उनमें एक 'प्रण' यह भी है कि आरक्षण की 50 फीसदी सीमा को बढ़ाने का कानून बनाएंगे और उसे 9वीं अनुसूची में दर्ज कराने की कोशिशें करेंगे। यह एक ऐसा चुनावी वायदा है, जो राज्य स्तर के चुनाव में नहीं किया जा सकता। बेशक विधानसभा में, बहुमत के आधार पर, आरक्षण की सीमा बढ़ाने का प्रस्ताव पारित किया जा सकता है। बिहार में ही मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राजद के साथ गठबंधन सरकार के दौरान 'जातीय सर्वेक्षण' कराया था। 'जातीय जनगणना' केंद्र सरकार का विशेषाधिकार है। उस सर्वेक्षण के बाद आरक्षण की सीमा 65 फीसदी तक बढ़ाने का प्रस्ताव विधानसभा में पारित किया गया था, लेकिन वह लागू नहीं हो सका, क्योंकि मामला अब भी सर्वोच्च अदालत के विचाराधीन है। पटना उच्च न्यायालय ने जून, 2024 में इसे 'असंवैधानिक' करार देते हुए खारिज कर दिया था। सर्वोच्च अदालत ने न तो उच्च अदालत के फैसले पर रोक लगाई और न ही पलटी मारने के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार केंद्र की मोदी सरकार से आरक्षण की इस सीमा को 9वीं अनुसूची में डलवा पाए। संविधान की 9वीं अनुसूची में कुल 284 अधिनियम हैं। पहली बार इस अनुसूची को संविधान के सर्वप्रथम संशोधन अधिनियम, 1951 द्वारा 13 कानूनों के साथ, संविधान में जोड़ा गया था। किसी भी कानून को 9वीं अनुसूची में रखने से उसकी न्यायिक समीक्षा नहीं की जा सकती, लिहाजा उसे अदालत में रद्द भी नहीं किया जा सकता। तमिलनाडु में 69 फीसदी आरक्षण लागू है। आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए भी 10 फीसदी आरक्षण है। कुल 79 फीसदी आरक्षण का कानून 9वीं अनुसूची में दर्ज किया गया है। झारखंड विधानसभा में 77 फीसदी आरक्षण का प्रस्ताव 11 नवंबर, 2022 को पारित किया गया था, लेकिन साथ में यह भी कहा गया था कि संवैधानिक रूप से स्वीकृति मिलने के बाद ही उसे लागू किया जाएगा। सर्वोच्च अदालत में फिलहाल विचाराधीन है। ऐसे ही प्रयास तेलंगाना, कर्नाटक, हरियाणा और छत्तीसगढ़ में भी किए गए, बेशक वोट भी मिले, लेकिन सभी 'सियासी बयानबाजी' साबित हुए। बुनियादी अड़चन 9वीं अनुसूची है। यह तभी संभव है, जब केंद्र में आपके दल या गठबंधन की सरकार हो, लिहाजा बिहार में सरकार बनने के बावजूद 'तेजस्वी का यह प्रण' खोखला ही साबित होगा। कुछ और प्रण भी किए गए हैं, जो केंद्र सरकार के ही विशेषाधिकार में आते हैं। उन्हें फिलहाल छोड़ते हैं। बहरहाल आज आरक्षण एक सशक्त राजनीतिक और चुनावी हथियार बन चुका है, लिहाजा इसकी समीक्षा की बहुत जरूरत है। यह जोखिम भाजपा-एनडीए को ही उठाना पड़ेगा।

सर्वोच्च अदालत ने न तो उच्च अदालत के फैसले पर रोक लगाई और न ही पलटी मारने के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार केंद्र की मोदी सरकार से आरक्षण की इस सीमा को 9वीं अनुसूची में डलवा पाए। संविधान की 9वीं अनुसूची में कुल 284 अधिनियम हैं। पहली बार इस अनुसूची को संविधान के सर्वप्रथम संशोधन अधिनियम, 1951 द्वारा 13 कानूनों के साथ, संविधान में जोड़ा गया था। किसी भी कानून को 9वीं अनुसूची में रखने से उसकी न्यायिक समीक्षा नहीं की जा सकती, लिहाजा उसे अदालत में रद्द भी नहीं किया जा सकता। तमिलनाडु में 69 फीसदी आरक्षण लागू है। आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए भी 10 फीसदी आरक्षण है। कुल 79 फीसदी आरक्षण का कानून 9वीं अनुसूची में दर्ज किया गया है। झारखंड विधानसभा में 77 फीसदी आरक्षण का प्रस्ताव 11 नवंबर, 2022 को पारित किया गया था, लेकिन साथ में यह भी कहा गया था कि संवैधानिक रूप से स्वीकृति मिलने के बाद ही उसे लागू किया जाएगा। सर्वोच्च अदालत में फिलहाल विचाराधीन है। ऐसे ही प्रयास तेलंगाना, कर्नाटक, हरियाणा और छत्तीसगढ़ में भी किए गए, बेशक वोट भी मिले, लेकिन सभी 'सियासी बयानबाजी' साबित हुए। बुनियादी अड़चन 9वीं अनुसूची है। यह तभी संभव है, जब केंद्र में आपके दल या गठबंधन की सरकार हो, लिहाजा बिहार में सरकार बनने के बावजूद 'तेजस्वी का यह प्रण' खोखला ही साबित होगा। कुछ और प्रण भी किए गए हैं, जो केंद्र सरकार के ही विशेषाधिकार में आते हैं। उन्हें फिलहाल छोड़ते हैं।

आप का नजरिया

हिमाचली बंदे में है दम

मानव विकास के हर आयाम पर हिमाचल ने तरक्की के तमाम क्षेत्र चुन लिए और यही वजह है कि राष्ट्रीय सूचकांक की सतह से कहीं ऊपर 'हिमाचली बंदे में दम है'। भौगोलिक दुरुहता को पाटते हुए हिमाचल ने अपने नागरिकों को राष्ट्रीय पैमानों में अव्वल किया, तो यह मंजर कई सरकारों के सतत प्रयास की निशानी भी है। प्रदेश साक्षरता दर में 99.2 प्रतिशत के शिखर पर विराजमान है, तो यह स्थिति लंबे संघर्ष और सीधे मुकाम की है। गरीबी दर का घटना पहाड़ के जीवन को नई महत्त्वाकांक्षा में गूंथना है और इसीलिए अब सोचा यह जा रहा है कि घोषित रूप से हिमाचल को किसी भी प्रकार की गरीबी से सौ फीसदी मुक्त कर दिया जाए। यह इसलिए भी कि प्रति व्यक्ति आय 9.6 प्रति दर से वृद्धि करके राष्ट्रीय औसत से कहीं ऊपर 257212 रुपए तक पहुंच गई है। नवजात मृत्यु दर गिरी है, तो सामाजिक सुरक्षा के पैमानों में यह प्रदेश एक नगीना बन गया है। देश में मानव विकास की पांचवीं पायदान पर पहुंचना यूं तो श्रेष्ठता की कहानी है, लेकिन इतनी सारी उपलब्धियों के बावजूद प्रदेश की प्रगति के आईनों में कुछ जख्मों का दर्द झलकता है। राष्ट्र के कई पथ, कई आकाश और कई प्रयास अभी भी हिमाचल को छोटा करके आंकते हैं। राष्ट्रीय संस्थानों की शिनाख्त में अगर हिस्सेदारी की मैरिट बने, तो इनकी स्थापना से नजरिया बदलेगा और प्रतिस्पर्धा में अवसर सामने आएंगे। बेशक हम मानव विकास की पांचवीं पायदान पर हैं, लेकिन क्या हम राष्ट्रीय अवसर प्राप्ति में भी पांचवें हैं। हम तो सेना भर्ती के कोटे में भी इसलिए पिछड़ जाते हैं, क्योंकि देश को बड़े राज्यों की जनसंख्या का आधार पुख्ता करना है। हम मैट्रो शहरों से ऊपर मानव विकास को रूपांतरित करते हैं, लेकिन केंद्र की चिंताओं में वित्त पोषण की जागीर को हम नहीं छू पाते। एक सैंपल के लिहाज से हमारा गुणात्मक पक्ष हमें गौरवान्वित करता है, लेकिन मानव विकास के आंकड़े आर्थिक विकास में परिवर्तित नहीं होते। दरअसल यह राज्य उपभोक्तावाद के रूप में प्रति व्यक्ति खरीद फरोख्त में अव्वल हो रहा है। इसीलिए मोबाइल खरीद हो या इंटरनेट पर उतरती रील हो, हम हिमाचली राष्ट्र के तमाम आंकड़ों को डाउनलोड करके भी अपनी जेब और रोजगार के अवसरों से महरूम रहते हैं। बेशक मानव विकास से मानव संसाधन तक हिमाचल एक मजबूत राज्य घोषित हुआ है, लेकिन हमारी तरक्की हमारे सपनों की जमीन नहीं खोज पा रही। हम मानव संसाधन के निर्यातक, लेकिन प्रदेश के रोजगार अवसरों पर श्रम आयात करने वाले राज्य बन गए हैं। हिमाचल में रोजगार के सीमित अवसरों में हर सरकारी पद कर्ज बढ़ा रहा है, तो पढ़ा-लिखा युवा बाहरी राज्यों की धूल-मिट्टी खा रहा है। हम जीने की धरा पर हिमाचल को बसाने लगे हैं, हर प्राथमिकता में नजर आने लगे हैं। यहां इसीलिए एक खास चरित्र में हिमाचली आचरण चल रहा है। यहां सार्वजनिक मांग इतनी सशक्त है कि सरकारों को अपने दायित्व के पालने निरंतर सुधारने पड़ते हैं। मानव विकास की दृष्टि से संबल बनती नीतियां और राष्ट्र की अभिलाषा में सुर्ख होती अपेक्षाएं तो मिल जाएंगी, लेकिन डर यह है कि यहां का नागरिक समाज अपनी भूमिका में प्रदेश के प्रति एकलव्य साबित नहीं हो रहा। देश में सबसे कम कर उगाही के मानदंड पर हिमाचल किस तरह आत्मनिर्भरता के डग भरेगा, यह सवाल भी कहीं नत्थी है। दूसरी ओर ड्रग्स व चिट्टे की उतरती खेप के बीच युवाओं की नसों में घुसता नशा आखिर मानव विकास के चित्रण को कितना ध्वस्त कर देगा, यह भी तो एक प्रश्न है।

भौगोलिक दुरुहता को पाटते हुए हिमाचल ने अपने नागरिकों को राष्ट्रीय पैमानों में अव्वल किया, तो यह मंजर कई सरकारों के सतत प्रयास की निशानी भी है। प्रदेश साक्षरता दर में 99 .2 प्रतिशत के शिखर पर विराजमान है, तो यह स्थिति लंबे संघर्ष और सीधे मुकाम की है। गरीबी दर का घटना पहाड़ के जीवन को नई महत्त्वाकांक्षा में गूंथना है और इसीलिए अब सोचा यह जा रहा है कि घोषित रूप से हिमाचल को किसी भी प्रकार की गरीबी से सौ फीसदी मुक्त कर दिया जाए। यह इसलिए भी कि प्रति व्यक्ति आय 9 .6 प्रति दर से वृद्धि करके राष्ट्रीय औसत से कहीं ऊपर 257212 रुपए तक पहुंच गई है। नवजात मृत्यु दर गिरी है, तो सामाजिक सुरक्षा के पैमानों में यह प्रदेश एक नगीना बन गया है। देश में मानव विकास की पांचवीं पायदान पर पहुंचना यूं तो श्रेष्ठता की कहानी है, लेकिन इतनी सारी उपलब्धियों के बावजूद प्रदेश की प्रगति के आईनों में कुछ जख्मों का दर्द झलकता है। राष्ट्र के कई पथ, कई आकाश और कई प्रयास अभी भी हिमाचल को छोटा करके आंकते हैं। राष्ट्रीय संस्थानों की शिनाख्त में अगर हिस्सेदारी की मैरिट बने, तो इनकी स्थापना से नजरिया बदलेगा और प्रतिस्पर्धा में अवसर सामने आएंगे। बेशक हम मानव विकास की पांचवीं पायदान पर हैं, लेकिन क्या हम राष्ट्रीय अवसर प्राप्ति में भी पांचवें हैं। हम तो सेना भर्ती के कोटे में भी इसलिए पिछड़ जाते हैं, क्योंकि देश को बड़े राज्यों की जनसंख्या का आधार पुख्ता करना है। हम मैट्रो शहरों से ऊपर मानव विकास को रूपांतरित करते हैं, लेकिन केंद्र की चिंताओं में वित्त पोषण की जागीर को हम नहीं छू पाते।

राष्ट्र–समर्पित लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की स्मृति में विशेष

तब सरदार पटेल पीएम बने होते तो भारत का भूगोल कुछ और होता

डॉ. मोतीलाल गुप्ता 'आदित्य'

सशक्त राष्ट्र के रूप में स्वतंत्र भारत के निर्माण के इतिहास पर जब मैं नजर डालता हूं तो जो एक विराट व्यक्तित्व मेरी आंखों में उभर कर आता है, वह व्यक्तित्व है लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल का। धीर–गंभीर और गरिमामय व्यक्तित्व का धनी, निस्वार्थ भाव से राष्ट्र के प्रति पूर्णतः समर्पित, मजबूत इरादे और दृढ़ इच्छा शक्ति के साथ अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए अग्रसर होने वाला व्यक्ति्तत्व। पहली नजर में देखने पर ऊंचे कद का एक देहाती सा दिखने वाला व्यक्ति, इस व्यक्ति का नाम था वल्लभभाई झवेरभाई पटेल। इनका जन्म आज ही के दिन अर्थात 31 अक्टूबर को 1875 में गुजरात के नाडियाड में हुआ था। इनके पिता झवेरभाई पटेल एक किसान थे और माता लाडबाई धार्मिक स्वभाव की महिला थीं। लेकिन यह सामान्य सा दिखने वाला व्यक्ति एक बहुत बड़ा वकील भी था, जिसने लंदन से बार–एट–लॉ की डिग्री प्राप्त की थी।

सरदार वल्लभ भाई पटेल ने स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। सरदार पटेल ने 1918 में खेड़ा सत्याग्रह और 1928 में बारदोली सत्याग्रह का नेतृत्व किया, जिसमें उन्होंने किसानों के अधिकारों के लिए लड़ाई लड़ी। 1928 में गुजरात में एक बहुत बड़ा किसान आंदोलन हुआ था। इस आंदोलन का नेतृत्व पटेल ने किया था, जिसमें उन्होंने ब्रिटिश सरकार द्वारा लगाए गए अनुचित कर वृद्धि का विरोध किया था। बारडोली सत्याग्रह की सफलता के बाद, वहां की महिलाओं ने पटेल को सरदार की उपाधि दी, जिसका अर्थ है नेता या प्रमुख। महात्मा गांधी ने भी पटेल को सरदार कहकर पुकारा था, जो बाद में उनके नाम का हिस्सा बन गया और वे सरदार वल्लभ भाई पटेल के रूप में विख्यात हो गए। इसके पश्चात इनके नेतृत्व में 1923 में नागपुर सत्याग्रह हुआ, जिसमें पटेल ने हिंदू–मुस्लिम एकता के लिए लड़ाई लड़ी और ब्रिटिश सरकार के खिलाफ सत्याग्रह किया। 1942 में भारत छोड़ो आंदोलन में उन्होंने प्रमुख भूमिका निभाई। यह एक राष्ट्रीय आंदोलन था, जिसमें पटेल ने महात्मा गांधी के साथ मिलकर ब्रिटिश सरकार के खिलाफ लड़ाई लड़ी।

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के साथ–साथ सरदार पटेल की स्वाधीन भारत के एकीकरण में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका थी। उन्होंने 565 रियासतों को भारतीय संघ में मिलाने के लिए जो प्रयास किए, उनसे भारत एक मजबूत और एकजुट देश बना। सरदार पटेल ने रियासतों के शासकों को समझाने के लिए अपनी सूझबूझ और कूटनीति का इस्तेमाल किया। भारत में रियासतों के एकीकरण में कई बड़ी समस्याएं थीं। कुछ रियासतें व रजवाड़े अपनी स्वतंत्र सत्ता बनाए रखना चाहते थे। हैदराबाद की रियासत ने भारत में विलय करने से इनकार कर दिया था और निजाम ने अपनी स्वतंत्रता की घोषणा कर दी थी। सरदार पटेल ने हैदराबाद में सैन्य कार्रवाई करने का फैसला किया और 13 सितंबर 1948 को भारतीय सेना ने हैदराबाद पर हमला कर दिया। इस कार्रवाई को ऑपरेशन पोलो नाम दिया गया था। भारतीय सेना ने हैदराबाद की सेना को पराजित कर दिया और निजाम ने आत्मसमर्पण कर दिया। हैदराबाद की रियासत को भारत में विलय कर दिया गया और यह आंध्र प्रदेश राज्य का हिस्सा बन गया। जूनागढ़ की रियासत ने पाकिस्तान में विलय करने का फैसला किया था। सरदार पटेल ने जूनागढ़ में जनमत संग्रह करवाया, जिसमें लोगों ने भारत में विलय करने के पक्ष में मतदान किया। यहाँ भी भारतीय सेना ने 9 नवंबर 1947 को सैन्य कार्रवाई की भारतीय सेना ने जूनागढ़ की सेना को पराजित कर दिया और नवाब ने आत्मसमर्पण कर दिया। जूनागढ़ के नवाब पाकिस्तान भाग गए और फरवरी 1948 में जूनागढ़ का भारत में विलय हो गया। इसी प्रकार त्रावणकोर की रियासत ने भारत में विलय करने से इनकार कर दिया था। सरदार पटेल ने त्रावणकोर के महाराजा से बातचीत की और अपनी सूझबूझ से कुशलतापूर्वक उन्हें भारत में विलय करने के लिए राजी किया।

जम्मू और कश्मीर की रियासत ने भारत में विलय करने से इनकार कर दिया था। सरदार पटेल ने जम्मू और कश्मीर के महाराजा हरि सिंह से बातचीत की और उन्हें भारत में विलय करने के लिए राजी किया। लेकिन जम्मू – कश्मीर में प्रधानमंत्री नेहरू और सरदार पटेल के बीच गहरे मतभेद थे। सरदार पटेल के गृह मंत्री होते हुए भी जवाहरलाल नेहरू ने गोपालस्वामी आयंगर को जम्मू और कश्मीर का प्रभारी बनाया, जो जवाहरलाल नेहरू के करीबी थे। पटेल चाहते थे कि कश्मीर का विलय भारत में हो, जबकि नेहरू कश्मीर को विशेष दर्जा देने के पक्ष में थे। पटेल कश्मीर में पाकिस्तानी कबाइलियों के खिलाफ सख्त सैन्य कार्रवाई के पक्ष में थे, जबकि नेहरू कश्मीर में जनमत संग्रह कराने के पक्ष में थे। निश्चय ही नेहरू जी के ये दोनों निर्णय भारत के बजाए पाकिस्तान के पक्ष में जाते थे क्योंकि मुस्लिम जनसंख्या ज्यादा होने से जनमत संग्रह पाकिस्तान के पक्ष में होता। नेहरू की इच्छा के अनुसार जम्मू- कश्मीर को विशेष दर्जा देने का निर्णय, जिसका विरोध अंबेडकर ने भी किया था, अनुच्छेद - 370 के रूप में अस्तित्व में आया। इसके दुष्परिणाम देश देख चुका है। मोदी सरकार ने इसे हटाकर जम्मू–कश्मीर को भारत का अभिन्न अंग बनाया है। पटेल कश्मीर के मामले को संयुक्त राष्ट्र में ले जाने के विरोधी थे, जबकि नेहरू ने कश्मीर के मामले को संयुक्त राष्ट्र में उठाया, जिस वक्तव्य का इस्तेमाल पाकिस्तान आज भी वैश्विक मंचों पर करता है, जो भारत के हितों के प्रतिकूल एक हथियार के रूप में इस्तेमाल होता है। पटेल कश्मीर में पाकिस्तानी कबाइलियों के खिलाफ सख्त सैन्य कार्रवाई के पक्ष में थे, जबकि नेहरू का रुख इस मामले में बहुत ढुलमुल था। पटेल के दबाव में जब भारतीय सेना ने कथित पाकिस्तानी कबायलियों पर हमला कर उन्हें खदेड़ना शुरू किया और सेना शीघ्र ही पूरा कश्मीर वापस लेने वाली थी, तब प्रधानमंत्री नेहरू ने संयुक्त राष्ट्र संघ में जाकर युद्ध विराम कर दिया, जिसके कारण जम्मू–कश्मीर के बड़े भूभाग पर पाकिस्तान का कब्जा हो गया, जिसे हम पाक अधिकृत कश्मीर (पीओके) के रूप में जानते हैं। यदि नेहरू ने सरदार पटेल की बात मानी होती तो पूरा जम्मू–कश्मीर प्रारंभ से भारत का अभिन्न अंग होता।

इसी प्रकार सरदार पटेल और नेहरू के बीच कई अन्य बिंदुओं पर विवाद था। नेहरू अपनी वैश्विक छवि को लेकर चल रहे थे। सरदार पटेल व्यावहारिक, यथार्थवादी और परंपरागत भारतीय मूल्यों पर आधारित नीति के पक्षधर थे। वे राष्ट्रीय एकता और आंतरिक सुरक्षा को प्राथमिकता देना चाहते थे। पटेल का मानना था कि भारत को अपनी सुरक्षा को सर्वोपरि रखते हुए यथार्थवादी नीति अपनानी चाहिए, खासकर चीन और पाकिस्तान के संदर्भ में। उन्होंने नेहरू को कई बार चीन के खतरे के प्रति आगाह भी किया था। लेकिन नेहरू उनकी बातों को अनसुनी करते रहे और हिंदी–चीनी भाई–भाई का राग अलापते रहे, जिसका दुष्परिणाम हमने 1962 में भुगता। चीन ने भारत पर हमला कर एक बहुत बड़े भूभाग पर कब्जा कर लिया। स्वतंत्र भारत में ऐसे महान, दूरदर्शी और दृढ़ व्यक्तित्व के धनी सरदार पटेल, जिन्होंने भारत के निर्माण में प्रमुख भूमिका निभाई, उनके साथ हुए घोर अन्याय और उपेक्षा का उल्लेख भी आवश्यक है। सबसे बड़ा अन्याय था लोकतांत्रिक मूल्यों को ताक पर रख कर गांधीजी द्वारा सरदार वल्लभभाई पटेल के बजाए नेहरू को प्रधानमंत्री बनवाना था। उस समय कांग्रेस के नियमों के अनुसार, कांग्रेस अध्यक्ष ही प्रधानमंत्री पद के लिए दावेदार होता था। 15 प्रांतीय कांग्रेस कमेटियों (पीसीसी) में से 12 ने सरदार पटेल के नाम की संस्तुति की थी, जबकि दो ने जे.बी. कृपलानी के नाम की संस्तुति की और एक ने अपना मत जाहिर नहीं किया। जवाहरलाल नेहरू के नाम की संस्तुति तक किसी प्रांतीय कमेटी ने नहीं की थी। यह भी कि 14 में से 12 वोट सरदार पटेल को मिले। लेकिन फिर भी गांधीजी ने लोकतांत्रिक व्यवस्था को ताक पर रख कर जवाहरलाल नेहरू को कांग्रेस अध्यक्ष बनवा दिया, जिसके कारण नेहरू को कांग्रेस अध्यक्ष पद मिला और वे भारत के पहले प्रधानमंत्री बने। सरदार पटेल को उप–प्रधानमंत्री और गृह मंत्री का पद दिया गया। इसमें

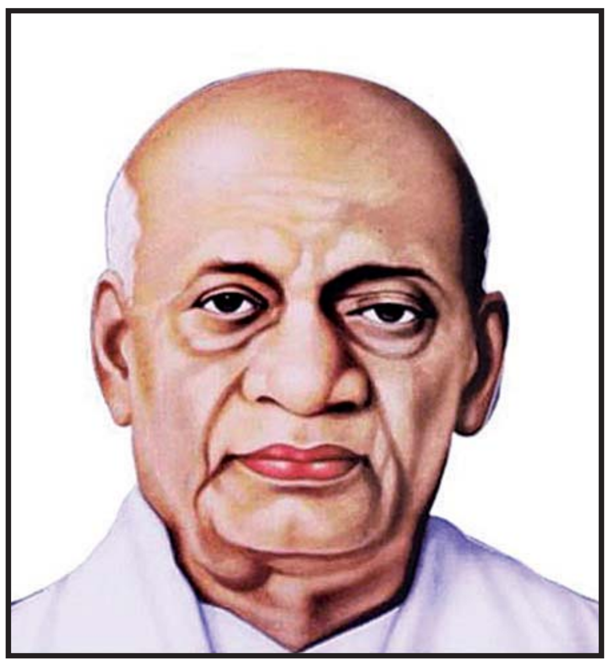

कोई संदेह नहीं कि यदि लोकतांत्रिक व्यवस्था के अनुसार सरदार पटेल भारत के प्रधानमंत्री बने होते तो भारत का क्षेत्रफल और स्थिति बहुत अलग होती। निश्चय ही पूरा जम्मू–कश्मीर प्रारंभ से ही भारत का अभिन्न अंग होता और चीन भी इतनी आसानी से भारत के इतने बड़े भूभाग पर कब्जा नहीं कर पाता।

यह तथ्य भी किसी से छिपा नहीं कि नेहरू ने लगातार सरदार पटेल की उपेक्षा की और उनके योगदान को महत्व नहीं दिया। जब सरदार पटेल ने सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण का संकल्प लिया तो नेहरू ने उसका तीव्र विरोध किया लेकिन सरदार पटेल के संकल्प के कारण यह कार्य पूरा हुआ। नेहरू की मुस्लिम तुष्टिकरण की नीति से भी सरदार पटेल आहत थे। संविधान निर्माण के दौरान एक बड़ा सवाल था, क्या सभी नागरिकों के लिए समान नागरिक संहिता (यूनिफॉर्म सिविल कोड) लागू की जाए या धर्म आधारित व्यक्तिगत कानून (पर्सनल लॉ) को मान्यता दी जाए? मुस्लिम पर्सनल लॉ मुख्यतः विवाह, तलाक, विरासत, आदि मामलों में शरीयत के सिद्धांतों पर आधारित था। सरदार पटेल और कई अन्य नेताओं का मानना था कि भारत धर्मनिरपेक्ष राज्य बनते हुए भी एक समान नागरिक कानून की ओर बढ़े, ताकि सामाजिक एकता बनी रहे। वहीं, पंडित नेहरू और मौलाना अबुल कलाम आजाद मुस्लिम पर्सनल लॉ को बनाए रखने के पक्ष में थे। संविधान सभा में जब अनुच्छेद 35 (अब अनुच्छेद 44) समान नागरिक संहिता पर चर्चा हो रही थी, तब कई सदस्य, जिनमें केएम मुंशी और डॉ. अंबेडकर भी शामिल थे, वे भी इसके समर्थन में बोले लेकिन मुस्लिम सदस्य और नेहरू गुट सहमत नहीं थे। सरदार पटेल को लगा कि ये रियायतें देकर हम फिर से धर्म आधारित भेदभाव को स्थायी कर देंगे। जब नेहरू ने मुस्लिम पर्सनल लॉ को संविधान में बनाए रखने का समर्थन किया, तो पटेल ने कड़ा विरोध किया और कहा, अगर आप धर्म के आधार पर अलग कानून बनाए रखेंगे, तो हम उसी पुराने रास्ते पर लौटेंगे, जिसने देश को बांटा था। कथित रूप से उन्होंने नेहरू से कहा था कि अगर आप यह रुख नहीं बदलते, तो मैं मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दूंगा। अनेक इतिहासकारों का मानना है कि नेहरू ने पटेल की उपेक्षा की और उनके योगदान को कम आंका।

सरदार पटेल की कर्तव्यपरायणता और दृढ़ता को उनके जीवन की एक घटना से समझा जा सकता है। सरदार वल्लभभाई पटेल एक वकील थे और उन्होंने कई महत्वपूर्ण मुकदमों की पैरवी की थी। जब उनकी पत्नी झावेरबा की मृत्यु हुई, तब वे एक महत्वपूर्ण मुकदमे की पैरवी कर रहे थे। एक पर्ची दे कर उन्हें उनकी पत्नी की मृत्यु का समाचार दिया गया। सूचना मिलने पर भी उन्होंने मुकदमे की पैरवी जारी रखी और कहा कि मुकदमा पूरा होने दीजिए, मैं बाद में शोक मनाऊंगा। यह घटना उनके मजबूत इरादों और कर्तव्यनिष्ठा को दर्शाती है। उन्होंने अपने व्यक्तिगत जीवन की तुलना में अपने पेशेवर कर्तव्यों को प्राथमिकता दी। उनके उनके मजबूत इरादों, दृढ़ संकल्प और नेतृत्व क्षमता के कारण ही सरदार वल्लभभाई पटेल को लौह पुरुष कहा जाता है, जिसका अर्थ है लोहे का आदमी। उनकी दृढ़ता और नेतृत्व क्षमता के कारण ही उन्हें लौह पुरुष कहा जाता है, जो उनकी मजबूत और अडिग व्यक्तित्व को दर्शाता है। भारत सरकार द्वारा उनके व्यक्तित्व की इन्ही बातों को ध्यान में रखते हुए स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के रूप में भारत के प्रथम उप प्रधानमंत्री और गृह मंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल की विशालकाय प्रतिमा का निर्माण किया गया, जो गुजरात के नर्मदा जिले में स्थित है। इसका उद्घाटन उनके जन्म दिन पर 31 अक्टूबर 2018 में किया गया था, जिसकी ऊंचाई 182 मीटर (597 फीट) है, यह विश्व का सबसे ऊंचा स्टैच्यू है, जिसकी ऊंचाई 182 मीटर (597 फीट) है। यह स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी से लगभग 4 गुना ऊंचा है और चीन के स्प्रिंग टैम्पल बुद्ध से 23 मीटर अधिक ऊंचा है। जिसमें सरदार के व्यक्तित्व के अनुरूप बड़ी मात्रा में लोहे और कांसे का प्रयोग किया गया है।

स्वतंत्रता प्राप्ति के समय जब भारत एक खंडित देश था, जिसके साथ 562 देसी रियासतें अस्तित्व में थीं, जिनके पास यह विकल्प था कि वे भारत या पाकिस्तान में मिलें या स्वतंत्र रहें। ऐसे कठिन समय में सरदार वल्लभभाई पटेल ने अपनी दृढ़ता, बुद्धिमत्ता और देशभक्ति से इन रियासतों को एक सूत्र में बांधकर भारत को एक अखंड राष्ट्र बनाया। भारत की एकता और राष्ट्र निर्माण का शिल्पकार जिसे पूरा देश श्रद्धा और सम्मान के साथ लौह पुरुष और सरदार के रूप में जानता है। बाह्य और भीतरी विरोधों के बावजूद राष्ट्रहित की राह पर निरंतर अटल इरादों के साथ आगे बढ़ते रहे।

सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता के प्रतीक हैं, क्योंकि भारत एक विशाल और विविध संस्कृतियों वाला देश है, जहां अनेक धर्म, जाति, तथा समुदाय के लोग निवास करते है। सरदार वल्लभ भाई पटेल ने अखंड भारत के राजनीतिक मानचित्र को एकता के सूत्र में पिरो कर रखा इसलिए उनका नाम भारतीय इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में आज भी अंकित है। वे अग्रणी भूमिका निभाने वाले एक महान क्रांतिकारी नेता थे। उनके अनगिनत प्रयासों, संघर्षों और बलिदानों ने देश को एकजुट रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सरदार पटेल की अखंड भारत के निर्माण में निभाई गई भूमिका को मैनचेस्टर गार्डियंस ने कहा की सरदार पटेल न सिर्फ स्वतंत्रता संग्राम के संगठक थे, बल्कि संग्राम खत्म होने के बाद वे एक नए राष्ट्र निर्माण के वास्तुकार भी थे। सरदार पटेल द्वारा राष्ट्रीय एकता के लिए देश हित में लिए गए निर्णय तथा देशी रियासतों का एकीकरण कर न केवल भारत में बल्कि पूरे विश्व में एकता की मिसाल कायम की जो की उनकी दृढ़ता, सतत प्रयास और कुशलता की मिसाल मानी जाती है। उनके महान कार्यों के प्रति कृतज्ञता स्वरूप हमारे देश में, सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर हर साल 31 अक्टूबर को भारत में राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया जाता है। सरदार वल्लभ भाई पटेल का जन्म 31 अक्टूबर 1875 को गुजरात के एक छोटे से गाँव में हुआ था। वे एक किसान परिवार से थे लेकिन अपनी कड़ी मेहनत और लगन से उन्होंने उच्च शिक्षा प्राप्त की। कानून में उनकी रुचि ने उन्हें ब्रिटिश कानूनों को समझने और देश की सेवा करने का अवसर दिया। वल्लभभाई पटेल को बारडोली सत्याग्रह (1927) के दौरान उनके प्रभावशाली नेतृत्व से अभिभूत होकर जनता द्वारा सरदार की उपाधि दी गई।

सरदार वल्लभभाई पटेल स्वतंत्र भारत के पहले उप–प्रधानमंत्री और गृह मंत्री थे। राष्ट्र निर्माण में उनकी सबसे महत्वपूर्ण और सबसे बड़ी उपलब्धि भारतीय राज्यों का एकीकरण था। स्वतंत्रता के समय, देश में लगभग 565 छोटी–बड़ी स्वतंत्र भारतीय रियासतें थीं। उन्हें भारत या पाकिस्तान में शामिल होने या स्वतंत्र रहने का विकल्प दिया गया था। लेकिन यह स्थिति भारत की अखंडता और अस्तित्व के लिए एक बड़ा खतरा थी। सरदार पटेल ने वीपी मेनन के साथ मिलकर असाधारण राजनीतिक चतुराई, दूरदर्शिता और रणनीति का प्रदर्शन किया और देसी शासकों को यह विश्वास दिलाया कि भारत में विलय उनके और उनकी जनता के हितों के लिए आवश्यक है। उन्होंने अधिकांश रियासतों को बातचीत और शांतिपूर्ण वार्ता के माध्यम से मुआहिद–उल–हक पर हस्ताक्षर करने के लिए राजी कर लिया। जूनागढ़ हैदराबाद और जम्मू–कश्मीर जैसे राज्यों में जहां भी प्रतिरोध हुआ, उन्होंने कड़े कदम उठाने में कोई संकोच नहीं किया। सरदार पटेल को लौह पुरुष की उपाधि इसलिए दी गई क्योंकि उनके नेतृत्व और दृढ़ संकल्प ने भारत के एकीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जूनागढ़ के नवाब ने पाकिस्तान में शामिल होने का फैसला किया था, लेकिन सरदार पटेल ने स्थानीय लोगों की भावनाओं और सैन्य कार्रवाई के जरिए जूनागढ़ को भारत में शामिल कर लिया। हैदराबाद के निजाम ने स्वायत्तता की इच्छा व्यक्त की, लेकिन सरदार पटेल ने ऑपरेशन पोलो के जरिए इसे भारत का हिस्सा बना लिया। हालांकि कश्मीर का मुद्दा जटिल था, फिर भी सरदार पटेल ने इसे भारत का हिस्सा बनाने में अहम भूमिका निभाई। देश में एकता के लिए संघर्ष 1947 में जब देश आजाद हुआ तो शरणार्थी संकट और सांप्रदायिक दंगों के दौरान गृह मंत्री के रूप में सरदार पटेल ने कानून–व्यवस्था बहाल करने, शरणार्थियों की सहायता और उनके पुनर्वास के लिए ठोस और व्यावहारिक कदम उठाए।

सरदार वल्लभभाई पटेल आपातकालीन परिस्थितियों में भी उत्कृष्ट प्रशासनिक कौशल का प्रदर्शन किया और देश को दंगों से सुरक्षित रखने के लिए हर संभव प्रयास किया। अखिल भारतीय सेवाओं का गठन उनकी ही सोच का प्रतिफल है। देश के प्रथम उप–प्रधानमंत्री सरदार पटेल सिविल सेवाओं (आईएएस, आईपीएस, आईएफएस) को देश का इस्पाती ढांचा कहते थे। उन्होंने देश के लिए एक सुदृढ़ और निष्पक्ष अखिल भारतीय सिविल सेवाओं के पुनर्गठन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। स्वतंत्र भारत की प्रशासनिक व्यवस्था के सुचारू संचालन के लिए यह कदम आवश्यक था। सिविल सेवाओं का उद्देश्य संघीय व्यवस्था के अंतर्गत केंद्र और राज्य सरकारों के बीच एकता और संवाद सुनिश्चित करना था। देश के संविधान निर्माण में भी सरदार पटेल की अभूतपूर्व भूमिका थी। सरदार पटेल संविधान सभा के एक महत्वपूर्ण और प्रभावशाली सदस्य थे। उन्हें कई महत्वपूर्ण समितियों विशेषकर मौलिक अधिकारों, बौद्धिक अधिकारों और प्रांतीय संविधानों से संबंधित समुदायों से संबंधित समितियों का अध्यक्ष भी बनाया गया था। उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि संविधान एक मजबूत केंद्रीय सरकार के साथ–साथ अल्पसंख्यक समूहों के अधिकारों की भी रक्षा करे। सरदार पटेल की सबसे बड़ी विरासत एक अखंड और एकीकृत भारत गणराज्य का निर्माण है। जिसे उन्होंने अपने राजनीतिक यथार्थवाद अटूट दृढ़ संकल्प और अद्वितीय संगठनात्मक क्षमता से संभव बनाया।

सरदार वल्लभभाई पटेल के संवैधानिक योगदान भी उल्लेखनीय हैं। संविधान के ये तीन अनुच्छेद सरदार पटेल की पहल का परिणाम हैं, जिन्हें युवा पीढ़ी को जानना चाहिए। 1– धर्म के प्रचार और विकास का अधिकार, 2– भाषा, लिपि और संस्कृति के संरक्षण का अधिकार और 3– शिक्षण संस्थान स्थापित करने और चलाने का अधिकार। संविधान में इन अधिकारों के शामिल होने का श्रेय सरदार पटेल को जाता है। संविधान सभा में खासकर गैर–हिंदुओं को धर्म प्रचार करने के अधिकार को लेकर, समिति के सदस्यों के बीच तीखी बहस हुई थी। ईसाई और मुसलमान इस बात पर अड़े रहे कि धर्म प्रचार उनके धर्म का एक महत्वपूर्ण अंग है। लेकिन हिंदू इस अधिकार के सख्त विरोधी थे। इसका परिणाम यह हुआ कि सरदार पटेल ने कड़े विरोध के बावजूद संविधान के अनुच्छेद 25 में प्रचार शब्द जोड़ने के लिए अपनी प्रतिष्ठा और प्रभाव दांव पर लगा दिया। संविधान सभा ने अनुच्छेद 29 और 30 भी उन्हीं की बदौलत पारित किए।

सरदार पटेल एक यथार्थवादी महान नेता थे, जिनकी विचारधारा एक सशक्त, अखंड और समृद्ध भारत का स्वप्न थी। वे महात्मा गांधीजी के सिद्धांतों से प्रेरित थे इसके बावजूद उनकी अपनी अनूठी सोच और विचार भी थे। उनका मानना था कि स्वतंत्रता के बाद भारत को एक सशक्त नेतृत्व और स्पष्ट दिशा की आवश्यकता है। सरदार पटेल का योगदान आज भी भारत की राष्ट्रीय एकता का प्रतीक है। उनकी स्मृति में गुजरात में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी का निर्माण किया गया जो दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा है। यह प्रतिमा न केवल उनकी महानता को दर्शाती है, बल्कि भारत की एकता का भी प्रतीक है। सरदार पटेल का जीवन प्रत्येक भारतीय के लिए एक आदर्श है। उन्होंने आर्थिक विकास सामाजिक न्याय और राष्ट्रीय सुरक्षा को प्राथमिकता दी। पटेल का प्रसिद्ध कथन है। प्रत्येक भारतीय का यह कर्तव्य है कि वह यह न भूले कि उसकी मातृभूमि भारत है चाहे वह किसी भी धर्म, जाति या समुदाय का हो। आज उनकी जयंती पर पूरा देश लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल को सादर नमन करता है।

(लेखक गृह मंत्रालय के अंतर्गत राजभाषा विभाग के क्षेत्रीय उपनिदेशक रहे। वर्तमान में वैश्विक हिंदी सम्मेलन के संस्थापक एवं निदेशक हैं)

अमेरिका-चीन शिखर सम्मेलन की शुरुआत में शी ने कहा- कभी-कभी टकराव सामान्य बात, ट्रंप ने कहा-आप महान नेता

बुहान (दक्षिण कोरिया), 30 अक्टूबर (एजेंसियां)।

दक्षिण कोरिया के बड़े शहर और प्रमुख व्यापारिक केंद्र बुहान में इस समय अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच बातचीत चल रही है। अमेरिका-चीन शिखर सम्मेलन की शुरुआत में शी जिनपिंग ने कहा कि यह स्वाभाविक है कि दोनों शक्तियां हमेशा एकमत नहीं रहेंगी। कभी-कभी टकराव होना सामान्य बात है।

इस शिखर सम्मेलन के शुरू होने के बाद अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी साझा की। रिपोर्ट के अनुसार, शिखर सम्मेलन शुरू होते ही ट्रंप ने शी जिनपिंग को महान नेता बताया। उल्लेखनीय है कि टैरिफ की समय सीमा करीब आने के बीच ट्रंप और शी बातचीत कर रहे हैं। यह शिखर वार्ता दो घंटे तक चलने की उम्मीद है।

इससे पहले द कोरिया हेराल्ड अखबार ने इस शिखर सम्मेलन पर अपनी रिपोर्ट दी। रिपोर्ट के अनुसार, इस शिखर सम्मेलन पर सारी दुनिया की निगाह टिकी हुई है। दोनों नेताओं के बीच शिखर सम्मेलन सुबह लगभग 11 बजे (स्थानीय समय) गिमहे अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा परिसर के नारायमारू स्वागत कक्ष में शुरू हुआ है। शी जिनपिंग गुरुवार सुबह 10:30 बजे चीन की ध्वजवाहक एयरलाइन एयर चाइना की उड़ान से गिमहे अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पहुंचे। जिनपिंग की 11 वर्षों में यह पहली दक्षिण कोरिया की यात्रा है। ट्रंप सुबह लगभग 10:20 बजे पहुंचे।

चीन के विदेश मंत्रालय और व्हाइट हाउस के अनुसार, दोनों नेताओं के बीच यह बैठक लगभग दो घंटे चलने की उम्मीद है। ट्रंप शिखर सम्मेलन के ठीक बाद दोपहर 12:55 बजे वाशिंगटन के लिए रवाना होंगे। जून 2019 के बाद जिनपिंग से यह उनकी पहली मुलाकात है। शी तीन दिवसीय राजकीय यात्रा पर दक्षिण कोरिया पहुंचे हैं। वह एपेक शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने ग्योंगजू भी जाएंगे।

न्यूज ब्रीफ

नेपाल के कई एयरपोर्ट बंद, मौसम में खराबी के कारण कई अंतराष्ट्रीय विमानों को दिल्ली डाइवर्ट किया गया

काठमांडू। बीती रात से लगातार बारिश और मौसम में बदलाव की वजह से देश के कई एयरपोर्ट फिलहाल बंद हैं। तेज बारिश के कारण विमानस्थलों का विजिबिलिटी न्यून होने के कारण विमानों के उड़ान अवतरण को रोक दिया गया है। त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय विमानस्थल के प्रवक्ता रिन्जी शेर्पा ने कहा कि काठमांडू आने वाली उड़ानों में दिक्कतें आ रही हैं। देश के विभिन्न गंतव्यों से काठमांडू आने वाली विमानों को समस्या होने के कारण कई आंतरिक और अंतरराष्ट्रीय विमानों को डाइवर्ट कर दिया गया है। उन्होंने कहा, फिलहाल काठमांडू एयरपोर्ट खुला है लेकिन भरतपुर, जनकपुर, सिमरा, भद्रपुर, विराटनगर और पोखरा एयरपोर्ट बंद हैं। भैरहवा से काठमांडू के लिए उड़ान भरने वाला श्रीएयर का विमान वापस भैरहवा लौट गया है। इसी तरह दिल्ली से काठमांडू आ रहा इंडिगो का विमान भी वापस दिल्ली भेजा गया है। प्रवक्ता शेर्पा के अनुसार, श्रीएयर का विराटनगर से काठमांडू के लिए रवाना हुआ विमान भी मौसम खराबी के कारण विराटनगर लौट गया है। इसी तरह नेपाल एयरलाइंस की दोहा से काठमांडू आ रही उड़ान को दिल्ली की ओर डायवर्ट किया गया है।

दक्षिण कोरिया बनाएगा परमाणु ऊर्जा से चलने वाली पनडुब्बी, ट्रंप की हां

सियोल (दक्षिण कोरिया)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दक्षिण कोरिया की राजकीय यात्रा के दौरान मेजबान देश के लिए बड़ी घोषणा की। उन्होंने गुरुवार सुबह अपने सोशल ट्रुथ पर लिखा, दक्षिण कोरिया को परमाणु ऊर्जा से चलने वाली पनडुब्बी बनाने की मंजूरी मिल गई है। इस पनडुब्बी का निर्माण फिलाडेल्फिया स्थित अमेरिकी शिपयार्ड में किया जाएगा। रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप ने यह भी कहा, हमारा देश (अमेरिका) जल्द ही बड़े पैमाने पर जहाज निर्माण शुरू करेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि दक्षिण कोरिया को अत्याधुनिक पनडुब्बी बनाने की अनुमति दी गई है। ट्रंप ने यह घोषणा दक्षिण कोरिया के 350 अरब डॉलर के निवेश के वादे के बाद की। राष्ट्रपति ली जे म्युंग ने बुधवार को ट्रंप के साथ लंच पर हुई शिखर वार्ता के दौरान दक्षिण कोरिया की पनडुब्बियों को ऊर्जा प्रदान करने के लिए परमाणु ईंधन के पुनर्प्रसंस्करण की अमेरिका से सहमति मांगी थी। राष्ट्रपति कार्यालय ने बुधवार शाम व्यापार समझौते की घोषणा करते हुए बताया कि ट्रंप ने दोनों देशों के बीच संयुक्त परामर्श का सुझाव दिया और दक्षिण कोरिया की परमाणु ऊर्जा से चलने वाली पनडुब्बियों के विकास की आवश्यकता को स्वीकार किया। उल्लेखनीय है कि ट्रंप एपेक शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने ग्योंगजू (उत्तरी ग्योंगसांग) पहुंचे हैं।

रूस ने यूक्रेन के दो शहरों को घेरा, सरेंडर के लिए दबाव बना रहे पुतिन के सैनिक

मॉस्को। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने दावा किया कि पूर्वी दोनेत्स्क क्षेत्र में यूक्रेन के एक प्रमुख गढ़

पोक्रोवस्क और उत्तर-पूर्वी खार्किव क्षेत्र के एक महत्वपूर्ण रेल जंक्शन कुपियांस्क में यूक्रेनी सैनिकों को घेर लिया गया है। वहीं पुतिन के दावों से ठीक उलट यूक्रेन के सशस्त्र बलों ने कहा कि कुपियांस्क को घेर लिए जाने के दावे मनगढ़ंत और काल्पनिक हैं। यूक्रेन की पूर्वी सेना के प्रवक्ता ह्रीहोरी शापोवाल ने 'एसोसिएटेड प्रेस' से कहा कि पोक्रोवस्क में हालात कठिन लेकिन नियंत्रण में हैं। बता दें कि पोक्रोवस्क की रक्षा कर रही यूक्रेनी सेना की 7वीं रैपिड रिएक्शन कोर ने कहा है कि रूस ने शहर को घेरने के लिए लगभग 11,000 सैनिकों को तैनात किया है। एक सोशल मीडिया पोस्ट में उसने स्वीकार किया कि कुछ रूसी सैन्य इकाइयां पोक्रोवस्क में घुसपैठ करने में कामयाब रही हैं। पुतिन ने बुधवार को दावा किया कि रूसी सैनिकों ने यूक्रेन के दो प्रमुख पूर्वी शहरों में यूक्रेनी सेना को घेर लिया है और उनसे आत्मसमर्पण करने को कहा है, वहीं यूक्रेन के सैन्य अधिकारियों ने पुतिन के इस दावे का खंडन किया है। पुतिन ने मॉस्को के एक सैन्य अस्पताल में घायल सैनिकों के साथ बातचीत में कहा कि रूसी सैनिक यूक्रेन और पश्चिमी देशों के पत्रकारों के लिए सुरक्षित गलियारे खोलने के लिए तैयार है ताकि वे अपनी आंखों से देख सकें कि क्या हो रहा है। पुतिन ने बुधवार को संकेत दिया कि रूस दोनों शहरों में मौजूद यूक्रेनी सैनिकों के आत्मसमर्पण के बदले कोई समझौता करना चाहते हैं।

रूस-चीन को धमकाने के अंदाज में बोले ट्रंप- हम भी करेंगे परमाणु परीक्षण

वाशिंगटन, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)।

टैरिफ की धमकी बेअसर होती देख अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अब परमाणु परीक्षण से दुनिया को डराने की कोशिश में लग गए हैं। उन्होंने गुरुवार को घोषणा करते हुए कहा, कि अब अमेरिका भी अपने परमाणु हथियार परीक्षण कार्यक्रमों को तेज करेगा। यह निर्णय ऐसे समय में आया है जब रूस ने हाल ही में परमाणु-संचालित पानी के भीतर चलने वाले ड्रोन और परमाणु-सक्षम क्रूज मिसाइल के सफल परीक्षणों का दावा किया है।

ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा कि अन्य देशों के परीक्षण कार्यक्रमों को देखते हुए, मैंने युद्ध विभाग को निर्देश दिया है कि वे हमारे परमाणु हथियारों का परीक्षण समान स्तर पर शुरू करें। यह प्रक्रिया तुरंत प्रारंभ की जाएगी। ट्रंप के इस बयान ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई चिंता को जन्म दिया है, क्योंकि यह कदम वैश्विक परमाणु निरस्त्रीकरण के प्रयासों के विपरीत माना जा रहा है।दरअसल ट्रंप को इस बात का डर सता रहा है कि रूस और चीन जल्द ही अमेरिका की बराबरी कर लेंगे क्योंकि अमेरिका अभी दुनिया में सबसे ज्यादा परमाणु हथियार रखता है। ट्रंप ने अपने बयान में आगे कहा, अमेरिका के पास किसी भी अन्य देश की तुलना में सबसे ज्यादा परमाणु हथियार हैं। यह सब मेरे पहले कार्यकाल के दौरान ही संभव हो पाया, जिसमें मौजूदा हथियारों का पूर्ण नवीनीकरण भी शामिल है। इसकी प्रचंड विनाशकारी शक्ति के कारण, मुझे ऐसा करना बहुत बुरा लगता था, लेकिन मेरे पास कोई विकल्प नहीं था! रूस दूसरे स्थान पर है, और चीन काफी दूर तीसरे स्थान पर है, लेकिन अगले पांच सालों में हम बराबरी पर आ जाएंगे। अन्य देशों के परीक्षण कार्यक्रमों के कारण, मैंने युद्ध विभाग को निर्देश दिया है कि वे हमारे परमाणु हथियारों का समान परीक्षण शुरू करें। यह प्रक्रिया तुरंत शुरू होगी। इस मामले पर ध्यान देने के लिए धन्यवाद! ट्रंप ने यह घोषणा ठीक कुछ घंटे पहले की, जब वे चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मिलने वाले थे। माना जा रहा है कि यह बैठक एशिया-प्रशांत क्षेत्र में बढ़ते परमाणु तनाव को कम करने के प्रयासों पर केंद्रित होगी। ट्रंप पहले भी चीन के साथ एक नए परमाणु संधि पर बातचीत करने की इच्छा जता चुके हैं, ताकि दोनों देशों के परमाणु हथियार भंडारों को कम किया जा सके। परमाणु नीति विशेषज्ञों का कहना है कि यदि अमेरिका वास्तव में परीक्षण शुरू करता है, तो यह 1992 के बाद पहली बार होगा जब वाशिंगटन औपचारिक रूप से परमाणु परीक्षण करेगा। हाल के हफ्तों में रूस ने अपने तथाकथित परमाणु सुपरवेपन्स के परीक्षणों में तेजी लाई है। इनमें वे एडवांस हथियार शामिल हैं जो मिसाइल रक्षा प्रणालियों को निष्क्रिय करने की क्षमता रखते हैं। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने दावा किया था कि ये परीक्षण रूस की सुरक्षा के लिए आवश्यक हैं।

शटडाउन के कारण बंद होने की कगार पर पहुंची गरीबों और निम्न-आय वर्ग के लिए संचालित योजनाएं, ट्रंप प्रशासन ने अब तक नरमी के कोई संकेत नहीं दिए

वॉशिंगटन। अमेरिका में जारी सरकारी शटडाउन ने अमेरिकी नागरिकों के जनजीवन को बुरी तरह से प्रभावित करना शुरु कर दिया है। यह संकट पांचवें हफ्ते में प्रवेश कर चुका है और इसका असर आम नागरिकों से लेकर सरकारी योजनाओं और सेना पर दिख रहा है। करीब 14 लाख संघीय कर्मचारी या बिना वेतन काम कर रहे हैं या फिर अनिवार्य अवकाश पर जा चुके हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, जो इनदिनों एशियाई देशों के दौरे पर हैं, ने अब तक अपने रुख में कोई नरमी नहीं दिखाई है, जबकि वॉशिंगटन में स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है। कई रिपोर्ट में सामने आया हैं कि वेतन न मिलने से कई कर्मचारी फूड डिलीवरी, डॉग वॉकिंग और पार्ट-टाइम नौकरियों से गुजारा कर रहे हैं। कुछ ने अपने घर और निजी सामान बेचने शुरू किए हैं। कई लोग फूड बैंक और चैरिटी संस्थाओं के सहारे जीवनयापन कर रहे हैं। जिनके पास लोन हैं, वे कर्जदाता कंपनियों से मोहलत मांगने को मजबूर हैं। अमेरिकी शटडाउन का असर अब गरीबों और निम्न-आय वर्ग के लिए चलाई जा रही योजनाओं पर भी पड़ने लगा है। पूरक पोषण सहायता कार्यक्रम (एसएनपीए), जिससे 4 करोड़ लोग लाभान्वित होते हैं, अक्टूबर के अंत तक धन संकट में आ सकता है। महिला एवं शिशु पोषण कार्यक्रम (डब्ल्यूआईसी), जो 70 लाख जरूरतमंद माताओं और बच्चों को भोजन व स्वास्थ्य सहायता देता है, इस सप्ताह के अंत तक बंद हो सकता है। एसेंशियल एयर सर्विस (ईएएस), जो दूरदराज क्षेत्रों में विमान सेवाएं सुनिश्चित करती है, बिना सब्सिडी के बंद होने के कगार पर है, खासकर अलास्का और मिडवेस्ट में। इतना ही नहीं शटडाउन का असर अमेरिकी सेना तक पहुंच गया है। ट्रंप प्रशासन ने हाल ही में सैन्य अनुसंधान फंड से 6.5 अरब डॉलर निकालकर सैनिकों के वेतन भुगतान की व्यवस्था की, एक कदम जिसे कानूनी रूप से विवादास्पद माना जा रहा है।

नेपाल : भारी बर्फबारी में फंसे 2000 विदेशी पर्यटकों को सुरक्षित निकला गया

काठमांडू, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)।

लगातार बारिश और भारी बर्फबारी के कारण देश के हिमालयी क्षेत्रों में फंसे करीब दो हजार विदेशी पर्यटकों को सुरक्षित बचा लिया गया है। ट्रेकिंग सीजन के दौरान पिछले दो दिनों से लगातार हो रही बर्फबारी के कारण मनांग, मुस्तांग, म्याग्दी और गोरखा के ऊँचाई वाले इलाकों में कई घरेलू और अंतरराष्ट्रीय पर्यटक फंस गए थे।

गृह मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले आपदा प्रबंधन महाशाखा के प्रमुख गोविंद रिजाल ने कहा कि गुरुवार सुबह तक लगभग 2000 विदेशी और 350 घरेलू पर्यटकों के सुरक्षित बचाया जा चुका है। रिजाल ने बताया कि कुछ पर्यटक अभी भी गहरी बर्फबारी में फंसे हैं, जिन्हें निकालने का प्रयास किया जा रहा है।

गृह मंत्रालय के आपदा प्रबंधन महाशाखा की तरफ से दी गई जानकारी के मुताबिक मनांग जिले से सबसे अधिक पर्यटकों को बचाया गया है। स्थानीय प्रशासन ने आपदा के तुरंत बाद आपातकालीन राहत टीमें तैनात कर दी थीं। तीलिचो, खांगसर, पिसांग और अपर मनांग में रेस्क्यू ऑपरेशन पूरा कर लिया गया है।

तीलिचो, अपर मनांग और आसपास के क्षेत्रों में फंसे 1,500 से अधिक विदेशी पर्यटकों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा दिया गया है। वर्तमान में कुछ पर्यटक और स्थानीय लोग जो स्वेच्छा से रुक गए हैं, उन्हें छोड़कर सभी को वहां से सुरक्षित निकाल लिया गया है। रेस्क्यू किए गए पर्यटक अब चामे और बेसिसहर जैसे स्थानों पर पहुंच चुके हैं।

2012 से 2021 के बीच हर साल औसतन 5,46,000 लोग गर्मी के कारण मारे गए

लंदन। स्वास्थ्य और जलवायु परिवर्तन पर एक गंभीर रिपोर्ट साझा की है। रिपोर्ट से सामने आया हैं कि 2012 से 2021 के बीच हर साल औसतन 5,46,000 लोग गर्मी की वजह से अपनी जान गंवा रहे थे। 1990 के बाद से गर्मी से होने वाली मौतें 63 प्रतिशत बढ़ गई हैं। रिपोर्ट के अनुसार, जलवायु परिवर्तन पर निष्क्रियता के कारण हर साल लाखों लोग मर रहे हैं, साथ ही बाढ़, सूखा और जंगल की आग जैसी प्राकृतिक आपदाएं बढ़ रही हैं और संक्रामक बीमारियों का खतरा भी बढ़ रहा है। रिपोर्ट के 20 मुख्य संकेतकों में से 12 अपने सबसे उच्च स्तर पर पहुंच गए हैं। 2024 में औसत वार्षिक तापमान पहली बार औद्योगिक युग की तुलना में 1.5 डिग्री सेल्सियस अधिक हो गया। खतरनाक गर्मी के दिन: 2024 में एक आम व्यक्ति को औसतन 16 दिन खतरनाक गर्मी का सामना करना पड़ा। बच्चों और बुजुर्गों को लगभग 20 दिन गर्मी झेलनी पड़ी। यह पिछले 20 सालों के मुकाबले चार गुना ज्यादा है। दुनिया के 64 प्रतिशत हिस्सों में 1961-90 और 2015-24 के बीच भारी बारिश वाले दिनों में बढ़ोतरी हुई, जिससे बाढ़ और भूस्खलन का खतरा बढ़ा।

चक्रवात मोंथा के प्रभाव से नेपाल में मूसलधार बरसात, प्रमुख नदियों में बाढ़ का खतरा

काठमांडू, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)।

चक्रवात मोंथा के प्रभाव से बुधवार रात से लगातार हो रही भारी बारिश ने काठमांडू सहित देश के अधिकांश हिस्सों को प्रभावित किया है। मौसम विज्ञान विभाग ने देश की सभी प्रमुख नदियों में जलस्तर बढ़ने और बाढ़ की आशंका जताई है।

जल तथा मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, कोशी, मधेश और बागमती प्रांतों की नदियों में जलस्तर खतरे के निशान को पार कर सकता है। चक्रवात का प्रभाव शनिवार तक रहने की आशंका है। सरकार ने नदियों के किनारे रहने वाले लोगों को सतर्क रहने का आग्रह किया गया है।

विभाग ने तापलेजुंग, संखुवासभा, सोलुखुम्बु, तेह्रथुम, पांचथर, ओखलढुंगा, खोटांग, भोजपुर, धनकुटा, इलाम, झापा, मोरंग, सुनसरी, उदयपुर, पर्सा, बारा, रौतहट, सर्लाही, धनुषा, महोत्तरी, सिराहा, सप्तरी, सिन्धुली, रामेछाप, काभ्रेपलाञ्चोक, ललितपुर, भक्तपुर, मकवानपुर, चितवन, नवलपरासी (पूर्व व पश्चिम), रूपन्देही और कपिलवस्तु जिलों से बहने वाली नदियों में बाढ़ का उच्च जोखिम बताया है।

अचानक बाढ़ की आशंका जताते हुए यात्रियों को विशेष सतर्कता बरतने की चेतावनी दी गई है। बागमती, मधेश और कोशी प्रांतों की छोटी-बड़ी नदियां अचानक उफान पर आ सकती हैं, जिससे सप्तकोशी, तमोर, अरुण, दूधकोशी, तामाकोशी, सुनकोशी, कन्काई, कमला, बागमती और राप्ती जैसी प्रमुख नदियों में खतरा बढ़ सकता है। विभाग ने कहा है कि चक्रवात का प्रभाव कम से कम तीन दिन तक रह सकता है और जनता व स्थानीय निकायों से संभावित बाढ़ से निपटने के लिए पूर्व तैयारी करने की अपील की गई है।

ई-वीजा प्लेटफॉर्म लॉन्च, हज के लिए सऊदी अरब आना हुआ आसान

दुबई, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)।

सऊदी अरब ने अपनी आधिकारिक केएसए वीजा प्लेटफॉर्म का पायलट संस्करण लॉन्च कर दिया है, जिससे अब आगंतुक इलेक्ट्रॉनिक वीजा के लिए जल्दी और आसानी से आवेदन कर सकते हैं। इस पहल के माध्यम से सऊदी अरब का लक्ष्य लाखों यात्रियों के लिए सूचना, आवेदन और प्रोसेसिंग को एक ही, पारदर्शी और यूजर फ्रेंडली प्लेटफॉर्म पर लाकर प्रवेश प्रक्रिया को सरल बनाया है। खुश करने वाली खबर ये है कि इससे हज जाना काफी आसान हो जाएगा। यह कदम पर्यटन को बढ़ावा देने, आगंतुकों के लिए प्रक्रियाओं को सरल बनाने और लोगों से लोगों के बीच संबंधों को मजबूत करने के सऊदी अरब के व्यापक प्रयासों में एक और महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

सऊदी विदेश मंत्रालय द्वारा विकसित, यह केएसए वीजा प्लेटफॉर्म उन सभी आगंतुकों के लिए एक ऑल-इन-वन डिजिटल सिस्टम प्रदान करता है जो किंगडम में रिश्तेदारों और दोस्तों से जुड़ना चाहते हैं, कार्यक्रमों में भाग लेना चाहते हैं, पर्यटन स्थलों की सैर करना चाहते हैं या हज के मौसम को छोड़कर उमराह करना चाहते हैं। नई व्यवस्था के तहत किंगडम में रहने वाले रिश्तेदारों और दोस्तों से मिलना। पर्यटन और सांस्कृतिक गतिविधियों में भाग लेना। कार्यक्रमों और सार्वजनिक समारोहों में शामिल होना। हज की अवधि को छोड़कर उमराह करने जैसी सुविधाएं शामिल हैं।आवेदक अपनी यात्रा के आधार पर दो मुख्य वीजा विकल्पों में से चुन सकते हैं। एकल प्रवेश वीजा की वैधता 90 दिनों की होगी। इसके तहत 90 दिनों तक रुकने की अनुमति होगी। वहीं, बहु-प्रवेश वीजा की वैधता एक साल की होगी। इसमें प्रत्येक यात्रा पर 90 दिनों तक रहने की इजाजत होगी। इसे एक मिनट से लेकर अधिकतम तीन दिनों के भीतर अनुमति दी जाएगी। वीजा शुल्क के तौर पर लोगों को 80 डॉलर यानी कि 7000 से अधिक रुपये खर्च करने होंगे। हालांकि यह रिफंडेबल राशि होगी। इसके अलावा डिजिटल वीजा सेवा शुल्क करीब एक हजार, डिजिटल बीमा सेवा शुल्क भी एक हजार रुपये बोंहे। स्वास्थ्य बीमा शुल्क अलग से होगा।

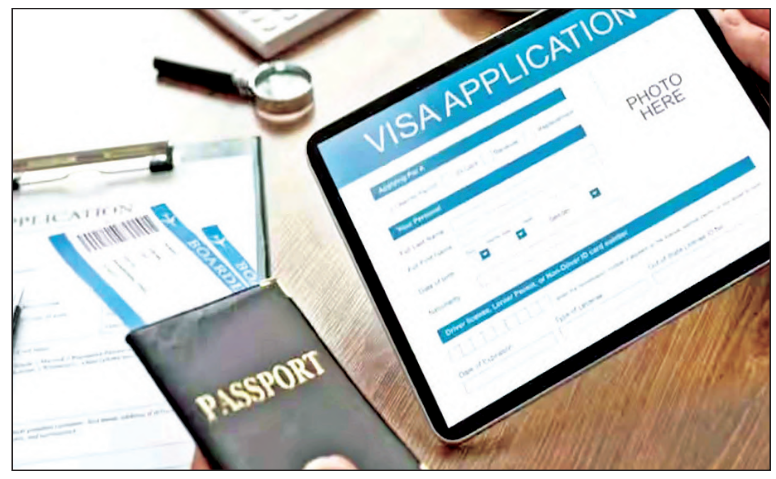

आवेदकों को वीजा के लिए योग्य होने हेतु कुछ बुनियादी आवश्यकताओं को पूरा करना होगा। आवेदक की आयु कम से कम 18 वर्ष हो, या कानूनी अभिभावक के साथ हो। पासपोर्ट प्रवेश की तारीख से कम से कम छह महीने के लिए वैध हो। ठहरने की पूरी अवधि के लिए वैध स्वास्थ्य बीमा हो। सऊदी कानूनों और विनियमों का पालन करना अनिवार्य है।ई-वीजा- पात्र देशों के नागरिकों के लिए तुरंत जारी किया जाता है। समान्य ईवीजा की तरह शेंगेन, यूएस या यूके का वैध वीजा धारक या इन देशों या जीसीसी सदस्य देशों के स्थायी निवासी भी इसके लिए पात्र हैं।सेवा कार्यालयों या दूतावासों के माध्यम से वीजा- मान्यता प्राप्त वीजा सेवा कार्यालयों या सीधे सऊदी दूतावासों के माध्यम से आवेदन किया जा सकता है।आगमन पर वीजा- पात्र ई-वीजा देशों के यात्रियों या वैध यूएस, यूके या शेंगेन वीजा धारकों के लिए उपलब्ध है, बशर्ते उन्होंने उस वीजा का उपयोग कम से कम एक बार किया हो।

लियोनेल मेसी एमएलएस में सबसे अधिक कमाई करने वाले खिलाड़ी, सोन ह्युंग-मिन दूसरे स्थान पर

लॉस एंजिल्स,30 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

इंटर मियामी के आठ बार के बैलन डी' ओर विजेता लियोनेल मेसी अब भी मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) के सबसे अधिक वेतन पाने वाले फुटबॉलर बने हुए हैं। लॉस एंजिलिस एफसी (एलएएफसी) के नए स्टार सोन ह्युंग-मिन दूसरे स्थान पर हैं। यह जानकारी बुधवार को जारी ताज़ा वेतन सूची में सामने आई।

मेसी को इंटर मियामी से सालाना 20.4 मिलियन डॉलर (लगभग 170 करोड़ रुपये) की गारंटीशुदा राशि मिलती है, जो बाकी खिलाड़ियों से काफी अधिक है। इस राशि में उनके स्पॉन्सरशिप और अन्य करारों से होने वाली आमदनी शामिल नहीं है।

2023 के मध्य में मियामी से जुड़ने वाले अर्जेंटीनी स्टार का मौजूदा अनुबंध दिसंबर में समाप्त होगा, जिसके बाद वे अगले साल से तीन साल के नए करार की शुरुआत करेंगे। इस विस्तार के वित्तीय विवरण अभी सामने नहीं आए हैं।

38 वर्षीय मेसी को हाल ही में रेगुलर सीज़न का टॉप स्कोरर घोषित किया गया, जहां उन्होंने 28 मैचों में 29 गोल दागे। वे इस बार भी मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर पुरस्कार के प्रबल दावेदार माने जा रहे हैं।

दूसरे स्थान पर मौजूद दक्षिण कोरिया के सोन ह्युंग-मिन को एलएएफसी से सालाना 11.1 मिलियन डॉलर का वेतन मिलता है। टोटनहम हॉटस्पर के पूर्व कप्तान सोन इस साल अगस्त में एमएलएस इतिहास के सबसे महंगे ट्रांसफर (26 मिलियन डॉलर) के तहत अमेरिका पहुंचे थे। उन्होंने अब तक 10 मैचों में 9 गोल करते हुए अपनी टीम को प्लेऑफ़ में पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई है। तीसरे स्थान पर इंटर मियामी के ही स्पेनिश मिडफील्डर सर्जियो बुस्केट्स (8.7 मिलियन डॉलर) हैं, जो इस सीज़न के अंत में संन्यास लेंगे। वहीं, पराग्वे के मिगेल अल्मिरोन (7.8 मिलियन डॉलर) चौथे और मेक्सिको के हिर्विंग चक्की लोज़ानो (7.6 मिलियन डॉलर) पांचवें स्थान पर हैं। दोनों ने इस सीज़न क्रमशः अटलांटा यूनाइटेड और सैन डिएगो एफसी के साथ करार किए हैं।

न्यूज़ ब्रीफ

कनाडियन स्क्वैश ओपन के सेमीफाइनल में हारीं अनाहत सिंह, जीना कैनेडी ने दी मात

टोरंटो। भारतीय स्क्वैश स्टार अनाहत सिंह का शानदार सफर कनाडियन ओपन 2025 में सेमीफाइनल में आकर थम गया। 17 वर्षीय अनाहत को इंग्लैंड की नंबर 1 खिलाड़ी जीना कैनेडी ने सीधे सेटों में 11-5, 11-8, 12-10 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। यह मुकाबला मात्र 30 मिनट तक चला। टूर्नामेंट में अनाहत ने इससे पहले दो बड़े उलटफेर किए थे — उन्होंने विश्व नंबर 20 मेलिसा एल्व्स और पिछली चैंपियन टिन्नी गिलिस को हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया था। जीना कैनेडी ने मैच के बाद अनाहत की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा, अनाहत ने इस हफ्ते शानदार प्रदर्शन किया। मैंने अपने कोच से कहा कि वह एक स्वाभाविक स्क्वैश खिलाड़ी हैं। उनके शॉट्स की दिशा बदलने की शैली बहुत अनोखी है, जिसे सिखाया नहीं जा सकता। शायद वह पूरे हफ्ते के खेल से थोड़ी थकी हुई थीं, जो स्वाभाविक है। फाइनल में जीना कैनेडी का मुकाबला मिस्र की अमीना ऑरफी से होगा, जिन्होंने दूसरे सेमीफाइनल में अमांडा सोभी (अमेरिका) को पराजित किया। कैनेडी ने कहा, मेरा और अमीना का सामना हुए एक साल से ज्यादा हो गया है। वह हाल में बेहतरीन फॉर्म में हैं और मैं उनके खिलाफ खेलने के लिए उत्साहित हूं।

युवा ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर की गेंद लगने से मौत

मेलबर्न। अभ्यास सत्र के दौरान गेंद लगने से एक उभरते हुए ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर की मौत हो गई। ऑस्ट्रेलियाई मीडिया के मुताबिक, 17 वर्षीय बेन ऑस्टिन मंगलवार को मेलबर्न में अपनी टीम के टी20 मैच से पहले नेट प्रैक्टिस कर रहे थे। वे हेलमेट पहनकर ऑटोमेटिक बॉलिंग मशीन का सामना कर रहे थे, जब गेंद उनके सिर और गर्दन के हिस्से पर जा लगी। ऑस्टिन को तुरंत गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया, लेकिन बुधवार को उनकी मौत हो गई। उनके क्लब फर्नट्री गली क्रिकेट क्लब ने एक बयान में कहा, हम बेन के निधन से पूरी तरह टूट गए हैं। उनकी मृत्यु का असर हमारे पूरे क्रिकेट समुदाय पर गहराई से महसूस किया जाएगा। बेन ऑस्टिन को क्लब ने एक स्टार क्रिकेटर, बेहतरीन लीडर और अद्भुत इंसान बताया था। वे बतौर बल्लेबाज और गेंदबाज दोनों भूमिकाओं में प्रतिभाशाली माने जाते थे। क्रिकेट में ऐसी घटनाएं दुर्लभ हैं।

पेरिस मास्टर्सः ज़्वेरेव तीसरे दौर में, वाशेरो ने आर्थर रिंदरनेक को फिर हराया

पेरिस। मौजूदा चैंपियन अलेक्ज़ेंडर ज़्वेरेव ने पेरिस मास्टर्स में कठिन शुरुआत के बावजूद बुधवार को तीसरे दौर में जगह बना ली। जर्मन स्टार ने अर्जेंटीना के कैमिलो उगो कराबेली को 6-7 (5-7), 6-1, 7-5 से मात दी। पहला सेट टाई-ब्रेक में गंवाने के बाद ज़्वेरेव ने दूसरा सेट सिर्फ़ 35 मिनट में अपने नाम किया। निर्णायक सेट में जब वह 1-3 से पिछड़ गए थे, तब ऐसा लग रहा था कि दुनिया के नंबर एक कार्लोस अल्कराज की तरह एक और शीर्ष वरीय खिलाड़ी बाहर हो जाएगा। लेकिन ज़्वेरेव ने शानदार वापसी करते हुए 5-5 पर निर्णायक ब्रेक हासिल किया और जीत पक्की की। अब ज़्वेरेव तीसरे दौर में स्पेन के 15वीं वरीयता प्राप्त अलेजांद्रो डेविडोविच फोकीना या फ्रांस के आर्थर काज़ो से भिड़ेंगे। दिन के पहले मुकाबले में नॉर्वे के आठवीं वरीय कैस्पर रूड को जर्मनी के डैनियल आल्टमायर ने 6-3, 7-5 से हराकर बड़ा उलटफेर किया। रूस के पूर्व नंबर एक दानिल मेदवेदेव को बुल्गारिया के ग्रिगोर दिमित्रोव के कंधे की चोट के चलते वॉकओवर मिला और वे सीधे तीसरे दौर में पहुँच गए। विंबलडन में जैनिक सिनर के खिलाफ दो सेट की बढ़त के बाद रिटायर होने के बाद से दिमित्रोव की यह वापसी रही, लेकिन उनकी फिटनेस फिर जवाब दे गई। दिन की शुरुआत दो कज़िन खिलाड़ियों मोनाको के वैलेंटिन वाशेरो और फ्रांस के आर्थर रिंदरनेक के बीच मुकाबले से हुई। शंघाई मास्टर्स फाइनल की तरह ही इस बार भी वाशेरो ने तीन सेटों में जीत दर्ज की। कनाडा के नौंवी वरीय फेलिक्स ऑगर-अलियासिम ने भी रोमांचक जीत हासिल की। उन्होंने फ्रांस के एलेक्ज़ांद्र मुलर को 5-7, 7-6 (7-5), 7-6 (7-4) से हराते हुए एटीपी फ़ाइनल्स की दौड़ में अपनी उम्मीदें बरकरार रखीं।

दक्षिण अफ्रीका पहली बार महिला वनडे विश्व कप फाइनल में, इंग्लैंड को 125 रन से हराकर रचा इतिहास

गुवाहाटी,30 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

एसीए स्टेडियम, गुवाहाटी में बुधवार को खेले गए महिला वनडे विश्व कप 2025 के पहले सेमीफाइनल में दक्षिण अफ्रीका ने इंग्लैंड को 125 रन से हराकर इतिहास रच दिया। इस तरह पहली बार दक्षिण अफ्रीका की महिला टीम वनडे विश्व कप के फाइनल में पहुंची है।

कप्तान लौरा वोल्वार्ड्ट की ऐतिहासिक शतकीय पारी

मैच में टॉस इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी, लेकिन दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लौरा वोल्वार्ड्ट ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए अपनी टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। उन्होंने 169 रन की पारी खेली, जो उनका वनडे करियर का 10वां शतक और विश्व कप का पहला शतक है। वोल्वार्ड्ट ने ताजमिन ब्रित्स (45) के साथ पहले विकेट के लिए 116 रन की साझेदारी की। हालांकि इंग्लैंड की सोफी एक्लेस्टोन ने 4 विकेट (10 ओवर में 44 रन) लेकर कुछ हद तक वापसी कराई, लेकिन दक्षिण अफ्रीका ने 50 ओवर में 7 विकेट पर 319 रन का बड़ा स्कोर खड़ा किया।

मारिजैन कैप की घातक गेंदबाजी, इंग्लैंड की पारी ध्वस्त

320 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड की शुरुआत बेहद खराब रही। टीम ने सिर्फ 01 रन पर 3 विकेट गंवा दिए। मारिजैन कैप ने अपने पहले ओवर में ही एमी जोन्स और हीथर नाइट को पवेलियन भेज दिया। दूसरे ओवर में अयाबांगा खाका ने टैमी ब्यूमोंट को आउट कर इंग्लैंड की हालत और खराब कर दी।

कप्तान नताली सिवर-ब्रंट (64) और ऐलिस कैप्सी (50) ने चौथे विकेट के लिए 107 रन की साझेदारी कर इंग्लैंड को कुछ राहत दी, लेकिन इसके बाद टीम संभल नहीं सकी। कैप ने शानदार गेंदबाजी करते हुए अपने 7 ओवर के स्पेल में सिर्फ 20 रन देकर 5 विकेट झटके। इंग्लैंड की पूरी टीम 42.3 ओवर में 194 रन पर ऑलआउट हो गई। हिसाब चुकता, इतिहास रचा दक्षिण अफ्रीका ने इस जीत के साथ इंग्लैंड से पुराने सभी हिसाब बराबर कर लिए। पिछले दो विश्व कप (2017 और 2022) के सेमीफाइनल में इंग्लैंड ने दक्षिण अफ्रीका को बाहर किया था। यहां तक कि मौजूदा टूर्नामेंट के लीग मैच में भी दक्षिण अफ्रीका 69 रन पर सिमट गया था। कप्तान लौरा वोल्वार्ड्ट को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। वहीं, मारिजैन कैप की गेंदबाजी ने इस मैच को ऐतिहासिक बना दिया।

सिद्धू ने ऋषभ की जमकर प्रशंसा करते हुए उसे फीनिक्स पक्षी के समान बताया

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर नवजोत सिंह सिद्धू ने भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा कि उसकी इच्छा शक्ति और जुनून गजब का है। ऋषभ अभी दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ बेंगलुरु में जारी चार दिवसीय मुकाबले में भारत ए की कप्तानी कर रहे हैं। सिद्धू ने कहा कि किसी ने कल्पना तक नहीं की थी कि इतने भीषण कार हादसे के बाद ऋषभ दोबारा चल पायेंगे पर वह आज खेल रहे हैं। उन्होंने इस विकेटकीपर बल्लेबाज की तुलना पक्षी फीनिक्स से की है! ऋषभ इंग्लैंड दौरे में लगी चोट से उबरकर अभी भारत ए की कप्तानी कर रहे है। इंग्लैंड दौरे में ही मैनचेस्टर टेस्ट के दौरान तेज गेंदबाज क्रिस वोक्स की एक यॉर्कर पर लगने से उनके पैर की उंगली में फ्रैक्चर हो गया था। इसी कारण वह एशिया कप, के अलावा वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू सीरीज और ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भी नहीं गये थे। सिद्धू ने कहा, ऋषभ फीनिक्स पक्षी के समान हैं जो राख से उठ खड़ा होता है। उनकी निडरता को देखिए, उनकी असाधारण उपलब्धियों को देखिए जिसे उन्होंने हासिल किया है। जिस तरह से उन्होंने ऑस्ट्रेलिया में बल्लेबाजी की थी, जिस तरह उन्होंने इंग्लैंड में हमें मैच जितवाए, वो शानदार है। मैं अब तक जितने भी क्रिकेटर देखें हैं उनमें से वह सबसे अच्छे क्रिकेटरों में एक है। जब मैं उन्हें देखता हूं तो आनंद आता है। इस क्रिकेटरों ने सभी को सिखाया है कि जिंदगी में मुश्किलों से कैसे निकल सकते हैं। दक्षिण अफ्रीका ए के साथ मैच में भारत ए की कप्तानी करते हुए ऋषभ ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया है।

श्रेयस अय्यर ने चोट पर दी अपडेट, कहा- मैं हर दिन बेहतर महसूस कर रहा हूं

नई दिल्ली,30 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

भारतीय बल्लेबाज श्रेयस अय्यर ने गुरुवार को सोशल मीडिया के माध्यम से अपनी चोट को लेकर अपडेट साझा किया। उन्होंने बताया कि वे फिलहाल रिकवरी प्रक्रिया में हैं और हर दिन बेहतर महसूस कर रहे हैं। श्रेयस ने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, मैं फिलहाल रिकवरी प्रक्रिया में हूं और हर गुजरते दिन के साथ बेहतर हो रहा हूं। मुझे मिली सभी शुभकामनाओं और सहयोग के लिए मैं दिल से आभारी हूं। यह मेरे लिए बहुत मायने रखता है। आपका धन्यवाद कि आपने मुझे अपनी दुआओं में रखा।

सिडनी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे वनडे के दौरान श्रेयस को डाइव लगाकर कैच लेने की कोशिश में पसलियों में चोट लग गई थी। उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया था, जहां आंतरिक रक्तस्राव के कारण उन्हें आईसीयू में भर्ती करना पड़ा। बाद में जांच में प्लीहा में चोट की पुष्टि हुई। हालांकि, सोमवार को उनकी हालत स्थिर होने के बाद उन्हें आईसीयू से बाहर स्थानांतरित कर दिया गया।

इससे पहले, टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने मंगलवार को श्रेयस की स्थिति पर जानकारी दी थी। उन्होंने कहा था, जब मुझे उनकी चोट के बारे में पता चला, तो मैंने हमारे फिजियो कमलेश जैन से बात की। अब श्रेयस फोन पर जवाब दे रहे हैं, इसका मतलब है कि वे स्थिर हैं।

सूर्यकुमार ने आगे कहा, यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है, क्योंकि ऐसे मामले बहुत कम होते हैं लेकिन दुर्लभ चीजें दुर्लभ प्रतिभाओं के साथ ही होती हैं। भगवान की कृपा से सब कुछ अब ठीक है। सीरीज खत्म होने के बाद हम उन्हें घर ले जाएंगे।

यूएफा की सुपर लीग अपील खारिज, रियल मैड्रिड मांगेगा हर्जाना

मैड्रिड। यूरोपियन फुटबॉल में एक बड़ी कानूनी लड़ाई के बीच स्पेन की राजधानी मैड्रिड की अदालत ने बुधवार को द यूनियन ऑफ यूरोपियन फुटबॉल एसोसिएशन (यूएफा) की सुपर लीग से जुड़ी अपील को खारिज कर दिया। इसके बाद रियल मैड्रिड क्लब ने यूएफा से बड़े पैमाने पर मुआवजे की मांग करने की घोषणा की है। दरअसल, साल 2021 में यूरोप के 12 शीर्ष क्लबों — जिनमें रियल मैड्रिड और बार्सिलोना शामिल थे — ने मिलकर सुपर लीग बनाने की योजना पेश की थी। हालांकि इंग्लिश क्लबों के प्रशंसकों के तीव्र विरोध और यूएफा व फीफा की धमकियों के कारण यह परियोजना कुछ ही दिनों में ध्वस्त हो गई। दिसंबर 2023 में यूरोपीय न्यायालय ने अपने फैसले में कहा था कि सुपर लीग पर लगाया गया प्रतिबंध यूरोपीय कानून के खिलाफ है। इसके बाद एक स्पेनिश जज ने भी कहा था कि यूएफा और फीफा ने सुपर लीग का विरोध करके मुक्त प्रतिस्पर्धा को बाधित किया और अपने प्रभुत्व का दुरुपयोग किया। अब मैड्रिड की अदालत ने यूएफा के साथ-साथ ला लीगा और स्पेनिश फुटबॉल फेडरेशन द्वारा दायर की गई अपीलों को भी खारिज कर दिया है। हालांकि अदालत के फैसले का दायरा सीमित माना जा रहा है क्योंकि संबंधित नियम इस बीच पूरी तरह से बदल दिए गए हैं।

अभिषेक नायर बने कोलकाता नाइट राइडर्स के नए मुख्य कोच

नई दिल्ली,30 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) फ्रेंचाइजी ने पूर्व भारतीय ऑलराउंडर अभिषेक नायर को टीम का नया मुख्य कोच नियुक्त किया है। नायर ने चंद्रकांत पंडित की जगह ली है, जिन्होंने तीन सीजन तक टीम की कमान संभाली थी, जिनमें 2024 का खिताबी सीजन भी शामिल है। केकेआर ने गुरुवार को सोशल मीडिया पर उक्त घोषणा की। पंडित और फ्रेंचाइजी के बीच इस साल की शुरुआत में रास्ते अलग हो गए थे, जिसके बाद केकेआर ने नए कोच की तलाश शुरू की थी। नायर की नियुक्ति के साथ फ्रेंचाइजी ने एक बार फिर भारतीय कोच पर भरोसा जताने की परंपरा को आगे बढ़ाया है। 42 वर्षीय नायर को खिलाड़ियों और टीम प्रबंधन दोनों के बीच आधुनिक और प्रगतिशील कोचिंग तरीकों के लिए खासा सम्मान प्राप्त है। वे पिछले पांच वर्षों से केकेआर के सहयोगी स्टाफ का हिस्सा रहे हैं। हालांकि 2025 सीजन में भारतीय टीम के साथ जुड़ाव के कारण उनकी भूमिका सीमित रही थी। नायर भारतीय टीम के साथ एक साल तक सहायक कोच के रूप में भी काम कर चुके हैं। फ्रेंचाइजी उनके खिलाड़ी-केंद्रित और समग्र दृष्टिकोण वाले कोचिंग स्टाइल की सराहना करती है। नायर ने कई भारतीय खिलाड़ियों के साथ व्यक्तिगत रूप से काम किया है और उल्लेखनीय परिणाम दिए हैं। उनके मार्गदर्शन में केएल राहुल, श्रेयस अय्यर और रोहित शर्मा जैसे खिलाड़ी

बेहतर प्रदर्शन कर चुके हैं। खासकर रोहित शर्मा ने सार्वजनिक तौर पर कई बार नायर के सहयोग की सराहना की है और कहा है कि उनके सत्रों से उन्हें काफी मदद मिली। नायर अब केकेआर के मौजूदा कोचिंग समूह के अन्य सदस्यों के साथ काम करेंगे, जिनमें टीम के मेंटर ड्वेन ब्रावो भी शामिल हैं। वहीं, पूर्व गेंदबाज़ी कोच भरत अरुण ने हाल ही में फ्रेंचाइजी छोड़ी है ।

पीकेएल सीजन 12 का खिताबी फैसला आज , दबंग दिल्ली के.सी. के सामने होगी पुनेरी पलटन

नई दिल्ली,30 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) सीजन 12 का ग्रैंड फिनाले शुक्रवार को दिल्ली के त्यागराज इंडोर स्टेडियम में खेला जाएगा, जहां दबंग दिल्ली के.सी. और पुनेरी पलटन आमने-सामने होंगे। यह मुकाबला न सिर्फ खिताब का फैसला करेगा, बल्कि पूरे सीजन की सबसे स्थिर और अनुशासित टीमों के बीच अंतिम जंग भी होगी।

दबंग दिल्ली, जिसने सीजन 8 में खिताब जीता था, इस बार भी बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए फाइनल तक पहुंची है। क्वालिफायर-1 में दिल्ली ने पुनेरी पलटन को रोमांचक 6-4 टाईब्रेकर में हराया था, जब निर्धारित समय में स्कोर 34-34 से बराबर रहा। कप्तान आशु मलिक की अगुवाई में और कोच जोगिंदर नरवाल की रणनीति के तहत टीम ने हर मुश्किल परिस्थिति में संघर्ष और संयम दिखाया है।

वहीं पुनेरी पलटन ने क्वालिफायर-2 में तेलुगू टाइटंस को हराकर लगातार तीसरी बार फाइनल में जगह बनाई है। कप्तान अस्लम इनामदार और कोच अजय ठाकुर के नेतृत्व में पलटन ने इस सीजन में सबसे संतुलित टीम के रूप में पहचान बनाई है। उनकी मजबूत रक्षा और युवा रेडर्स की जोड़ी ने पूरे टूर्नामेंट में विपक्षी टीमों को मुश्किल में डाला।

दिल्ली और पुणे के बीच इस सीजन तीन बार भिड़ंत हो चुकी है, और सभी तीनों मुकाबले टाई पर खत्म हुए हैं — जो इस बात का सबूत है कि दोनों टीमें एक-दूसरे की बराबरी की हैं। दिल्ली जहां आशु मलिक की तेज़ रेडिंग पर निर्भर रही है, वहीं पुणे की ताकत उनके अनुशासित डिफेंडरों और टीमवर्क में झलकती है।

घरेलू मैदान पर खेलने का फायदा दिल्ली को जरूर मिलेगा। उनके अनुभवी खिलाड़ी जैसे फज़ल अत्राचली, सौरभ नंदल और आशु मलिक बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। टीम का डिफेंस हर मैच के साथ मजबूत हुआ है और करीबी मुकाबलों में उनकी जीत दर्ज करने की क्षमता उन्हें खास बनाती है।

दूसरी ओर, पुनेरी पलटन पिछले सीजन की हार का बदला लेने के लिए पूरी तरह तैयार है। युवा रेडर आदित्य शिंदे और अस्लम इनामदार ने आक्रामक खेल दिखाया है, जबकि डिफेंस यूनिट ने सामूहिक प्रदर्शन से टीम को यहां तक पहुंचाया है। दबंग दिल्ली के कोच जोगिंदर नरवाल ने कहा, मैं अपनी टीम पर बेहद गर्व महसूस करता हूं। हमने साथ मिलकर यह सफर तय किया है। यह सिर्फ एक खिलाड़ी की नहीं, बल्कि पूरी टीम की मेहनत का नतीजा है। खिलाड़ियों ने हर परिस्थिति में एकजुट रहकर लड़ा है, और यही हमारी सबसे बड़ी ताकत है। वहीं पुनेरी पलटन के कोच अजय ठाकुर ने कहा, हमारी सफलता की नींव एकता और अनुशासन पर टिकी है। एक चैंपियन टीम एक दिन में नहीं बनती, इसमें समय, भरोसा और मेहनत लगती है। मुझे इस टीम पर गर्व है क्योंकि इन खिलाड़ियों का एक-दूसरे के प्रति सम्मान उनके खेल में झलकता है।

फाइनल मुकाबला एक बार फिर बेहद रोमांचक होने की उम्मीद है। दोनों टीमें रणनीति, संतुलन और आत्मविश्वास में बराबर हैं। अब देखना यह होगा कि निर्णायक क्षणों में कौन अपनी नसों पर काबू रखता है और पीकेएल सीजन 12 की ट्रॉफी अपने नाम करता है।

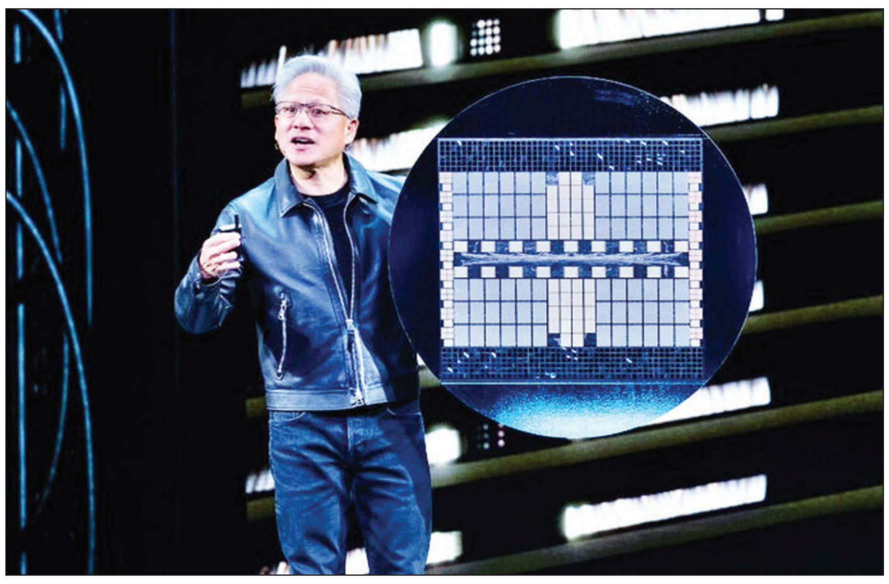

एआई चिप निर्माता कंपनी एनवीडिया पांच ट्रिलियन डॉलर की हुई

वाशिंगटन,30 अक्टूबर (एजेंसियां)।

ताइवान में जन्मे चर्चित अमेरिकी व्यवसायी जेन्सेन हुआंग की कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) चिप बनाने वाली कंपनी एनवीडिया अब पांच ट्रिलियन डॉलर की हो गई है। सार्वजनिक रूप से कारोबार करने वाली यह कंपनी कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में लगातार अपनी ताकत को मजबूत कर रही है।

रिपोर्ट के अनुसार, दिग्गज कंपनी एनवीडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी जेन्सन हुआंग बुधवार को राष्ट्रपति ट्रंप से मिले तो उनकी कंपनी का मूल्य पांच ट्रिलियन डॉलर से अधिक हो गया। इसकी कुछ साल पहले कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। यह तब की बात है जब अन्य तकनीकी दिग्गज लगभग हर महाद्वीप पर निर्माण परियोजनाओं पर अरबों डॉलर खर्च कर रहे थे।

एनवीडिया की यह उपलब्धि इस कंपनी के रणनीतिक महत्व का भी संकेत है। इसने पिछले चार महीनों में बाजार मूल्य में एक ट्रिलियन डॉलर का इजाफा किया है। एनवीडिया अमेरिकी अर्थव्यवस्था की प्रेरक शक्ति बन गई। हार्वर्ड में आर्थिक नीति के प्रोफेसर जेसन फुरमैन के अनुसार, कंपनी के चिप्स से लैस डेटा केंद्रों पर खर्च ने वर्ष की पहली छमाही में देश के सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि का 92 प्रतिशत हिस्सा बनाया। इसके बिना अर्थव्यवस्था 0.1 प्रतिशत की ही वृद्धि दर्ज कर पाती।

एनवीडिया की शानदार वृद्धि वॉल स्ट्रीट के सबसे बड़े बैंकों से लेकर मेन स्ट्रीट के छोटे-मोटे व्यापारियों और निवेशकों के लिए एक चेतावनी भी लेकर आई है। शेयर बाजार उन तकनीकी कंपनियों के समूह पर तेजी से निर्भर होता जा रहा है जो अरबों रुपये का मुनाफा कमा रही हैं और एक ऐसी अप्रमाणित तकनीक विकसित करने में पैसा लगा रही हैं, जिससे भारी मुनाफा मिलना जरूरी है। उभरती हुई तकनीकी कंपनियों में निवेश करने वाली डीपवाटर एसेट मैनेजमेंट के मैनेजिंग पार्टनर जीन मुंस्टर ने कहा, वह इस तकनीक के भविष्य को लेकर बेतहाशा आशावादी हैं। लेकिन सवाल यह है कि क्या यह कामयाब होगी एआई की उपयोगिता सीमित है। उल्लेखनीय है कि जेन्सेन हुआंग इस कंपनी के सह संस्थापक, अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी हैं। उन्होंने 1993 में इस कंपनी की स्थापना की। वह कंप्यूटर चिप्स विशेष रूप से ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट के निर्माण में अग्रणी रहे हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता तकनीक का एक अत्यंत शक्तिशाली और बहुमुखी रूप है। इसके दूरगामी अनुप्रयोग हैं और जो व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन दोनों पर प्रभाव डालते हैं।

न्यूज ब्रीफ

अदाणी एयरपोर्ट्स में एआईओएनओएस के साथ नई कृत्रिम मेधा सेवा की शुरुआत

नई दिल्ली। अदाणी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड (एएएचएल) ने इंटरग्लोब एंटरप्राइजेज की इकाई एआईओएनओएस के साथ सहयोग किया है, ताकि हवाई अड्डों पर यात्रियों के अनुभव को और व्यक्तिगत बनाया जा सके। इस साझेदारी के तहत एएएचएल सात हवाई अड्डों पर 'इंटेलिजेंस कंसीयज' नामक एआई-संचालित सेवा लागू करेगा। यह प्रणाली चौबीसों घंटे यात्रियों को उड़ान जानकारी, गेट और सामान की स्थिति, दिशा-निर्देश और हवाई अड्डे की अन्य सुविधाओं के बारे में बहुभाषी जानकारी प्रदान करेगी। अंग्रेजी और हिंदी के अलावा अन्य भाषाओं में भी सेवाएं उपलब्ध होंगी। एएएचएल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि यह नई एआई सेवा यात्रियों का अनुभव बदल देगी। इंटेलिजेंस कंसीयज यात्रियों को बहुभाषी और व्यक्तिगत अनुभव प्रदान करेगा कंपनी जल्द ही नवी मुंबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का संचालन भी शुरू करने वाली है, जिससे यात्रियों को और सुविधाजनक और स्मार्ट सेवाएं मिल सकेंगी।

अगला बजट आने में तीन महीने, सरकार ने शुरू की तैयारियां, 50 लाख तक कमाई पर कम होगा इनकम टैक्स!

नई दिल्ली। अगला बजट पेश होने में बस तीन महीने शेष हैं। सरकार ने इसकी तैयारियां शुरू कर दी हैं। इस बीच उद्योग संगठन पीएचडी चैंबर्स ऑफ कॉमर्स ने सरकार से गुहार लगाई है कि आम आदमी को इनकम टैक्स में और राहत दी जानी चाहिए। उद्योग संगठन ने कहा है कि सालाना 50 लाख रुपये तक कमाई करने वाले व्यक्तिगत करदाताओं को टैक्स की दरों में राहत दी जानी चाहिए। सरकार ने अगर उद्योग संगठन की बातों पर गौर किया तो सालाना 50 लाख रुपये तक की कमाई टैक्स फ्री हो सकती है। उद्योग संगठन ने अपील की है कि नए टैक्स रिजीम के तहत लगने वाले 30 फीसदी दर को बढ़ाकर 50 लाख से ऊपर की कमाई पर लागू किया जाए। अभी नए रिजीम में सालाना 24 लाख रुपये से ज्यादा कमाई वाले करदाता पर 30 फीसदी का स्लैब लगाया जाता है। उद्योग संगठन ने अपनी सिफारिश राजस्व सचिव अरविंद श्रीवास्तव को सौंप दी है। साथ ही अप्रत्यक्ष कर में भी कुछ बदलाव करने का सुझाव दिया है। वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण अगले साल 1 फरवरी को बजट पेश करेंगी। इससे पहले पीएचडी चैंबर्स ऑफ कॉमर्स ने व्यक्तिगत करदाताओं के साथ कॉरपारेट टैक्स को भी 25 फीसदी से नीचे लाने की सिफारिश की है। पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स ने कहा है कि देश में मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने के लिए इनकम टैक्स की धारा 115 बीएबी में बदलाव करना चाहिए और नई इकाइयों को टैक्स में राहत देना चाहिए। इन पर शुरुआती इनकम टैक्स 15 फीसदी से ज्यादा नहीं होना चाहिए। इस पर सरचार्ज लगाया जा सकता है। सरकार ने यह टैक्स रेट सितंबर, 2019 में लागू किया था, जिसे बढ़ाकर 31 मार्च, 2024 तक कर दिया था, लेकिन इस टैक्स रेट को आगे भी लागू रखना चाहिए। इससे विदेशी कंपनियों को भारत में मैन्युफैक्चरिंग करने के लिए काफी प्रोत्साहन मिलेगा।

एलआईसी ने टाटा कंज्यूमर और डाबर में बढ़ाई हिस्सेदारी

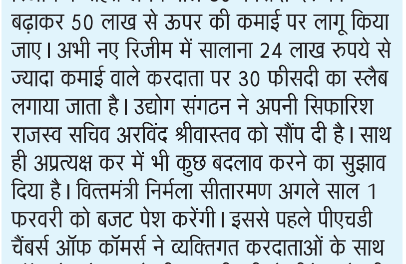

मुंबई। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने देश की दो प्रमुख एफएमसीजी कंपनियों टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स और डाबर इंडिया में अपनी हिस्सेदारी बढ़ा ली है। यह कदम उपभोक्ता वस्तुओं के तेजी से बढ़ते बाजार में एलआईसी की निवेश रणनीति को और मजबूत करता है। एलआईसी ने टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स में अपनी हिस्सेदारी 6.633 फीसदी से बढ़ाकर 8.645 फीसदी कर दी है। कंपनी ने 11 जुलाई से 23 अक्टूबर 2025 के बीच लगभग 1.99 करोड़ शेयर खरीदे। वहीं डाबर इंडिया में हिस्सेदारी 4.918 फीसदी से बढ़ाकर 6.985 फीसदी की गई है, जिसके तहत एलआईसी ने 3.66 करोड़ से अधिक शेयर खरीदे। दोनों निवेश लगभग दो प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाते हैं। एफएमसीजी सेक्टर में निवेश बढ़ाने की रणनीति सरकार द्वारा पारंपरिक जीवन बीमा योजनाओं पर जीएसटी हटाने के बाद एलआईसी को निवेशकों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

सोना अपना...

अपनी विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियों तक पहुंच से रोक दिया। इस घटनाक्रम के बाद, यूरोप के करदाता संघ (टीएई) ने यूरोपीय देशों से अपने स्वर्ण भंडार वापस यूरोप लाने का आग्रह किया था। टीएई ने चिंता व्यक्त की थी कि ट्रंप सोने को देश से बाहर नहीं जाने देने का फैसला कर सकते हैं। इसने जर्मनी की संसद के नेताओं को सोने की जांच करने की अनुमति नहीं दिए जाने का उदाहरण दिया। टीएई ने एक बयान में कम से कम संपूर्ण सूची और ऑडिट करने का आह्वान किया था।इसमें वित्तीय पहलू भी शामिल हो सकते हैं। आरबीआई को आमतौर पर बैंक ऑफ इंग्लैंड या बीआईएस में अपना सोना जमा करने के लिए शुल्क देना पड़ता है। कुछ सोना वापस लाने से कम से कम कुछ लागत बच जाएगी। केंद्रीय बैंक 2010 से सोने के शुद्ध खरीदार रहे हैं। आरबीआई ने 2009 में तत्कालीन मनमोहन सिंह सरकार के दौरान अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से 200 टन सोना खरीदा था। पिछले कुछ वर्षों में यह धीरे-धीरे अपने स्वर्ण भंडार में वृद्धि कर रहा है।यह भी रेखांकित करने की बात है कि वर्ष 2017 के बाद से अधिकांश देशों के सेंट्रल बैंकों ने अपने विदेशी मुद्रा भंडार में डॉलर की हिस्सेदारी कम कर दी है। भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में सोने की हिस्सेदारी करीब 15 प्रतिशत पहुंच गई है। दुनिया की सबसे बड़ी इकॉनमी वाले देश अमेरिका के पास सबसे बड़ा स्वर्ण भंडार (गोल्ड रिजर्व) है। अमेरिका के पास कुल 8,133.5 टन सोना है जो उसके कुल विदेशी भंडार का 78.7 प्रतिशत है। उसके बाद जर्मनी के पास 3,350.3 टन सोना, इटली के पास 2,451.8 टन सोना, फ्रांस के पास 2437 टन सोना, रूस के पास 2,326.5 टन सोना, चीन के पास 2,302.3 टन सोना, स्विट्जरलैंड के पास 1,039.9 टन सोना, भारत के पास 880 टन सोना, जापान के पास 846 टन सोना और तुर्की के पास 639 टन सोने का भंडार है।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) मार्च 2025 से सितंबर 2025 के बीच 64 टन से ज्यादा सोना देश में वापस ला चुका है। पिछले साल केंद्रीय बैंक ने बैंक ऑफ इंग्लैंड और बैंक फॉर इंटरनेशनल सेटलमेंट्स से 200 टन से ज्यादा सोना स्वदेश भेजा था। मार्च 2023 से अब तक आरबीआई 274 टन सोना स्वदेश ला चुका है। केंद्रीय बैंक मार्च 2025 से सितंबर 2025 के बीच 64 टन से ज्यादा कीमती धातु भारत वापस ला चुका है। यह तब हुआ जब रिजर्व बैंक ने अक्टूबर 2024 में बैंक ऑफ इंग्लैंड और बैंक फॉर इंटरनेशनल सेटलमेंट्स से 102 टन सोना स्थानांतरित किया और मई में 100 टन और सोना स्वदेश भेजा। इस अभियान को 1990 के दशक के बाद से सबसे बड़े सोने के स्थानांतरणों में से एक बताया गया।विदेशी मुद्रा भंडार के प्रबंधन पर अपनी अर्धवार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, सितंबर 2025 तक रिजर्व बैंक का स्वर्ण भंडार 880 मीट्रिक टन है। सितंबर 2024 तक, स्वर्ण भंडार 854.73 मीट्रिक टन था। इसका मतलब है कि केंद्रीय बैंक ने पिछले वर्ष की तुलना में अपना भंडार 25.45 मीट्रिक टन बढ़ाया है। इसमें से 575.8 मीट्रिक टन वर्तमान में भारत में है, जबकि 290.37 मीट्रिक टन सोना बैंक ऑफ इंग्लैंड (बीओई) और स्विट्जरलैंड में बैंक फॉर इंटरनेशनल सेटलमेंट्स (बीआईएस) के पास रखा गया है। मार्च में आरबीआई के पास भारत में 512 टन और बाकी 348.6 टन विदेश में था। आरबीआई के पास सोने के जमा के रूप में 13.99 मीट्रिक टन अतिरिक्त है। मार्च 2023 से, आरबीआई 274 टन सोना घर लाया है।कुल विदेशी मुद्रा भंडार में सोने की हिस्सेदारी मार्च 2025 के 11.70 प्रतिशत से बढ़कर सितंबर 2025 में लगभग 13.92 प्रतिशत हो जाएगी। हालांकि, यह भी ध्यान देने योग्य है कि इसका एक कारण सोने की कीमतों में रिकॉर्ड वृद्धि भी है, जो हाल के हफ्तों में कम हुई है। 17 अक्टूबर को सोने ने सर्वकालिक उच्च स्तर को छुआ था, जब यह कीमती धातु 1,32,294 रुपए प्रति 10 ग्राम और चांदी 1,70,415 रुपए प्रति किलो पर पहुंच गई थी। हालांकि, हाजिर सोने की कीमत, जिसके तहत यह कीमती धातु मौजूदा बाजार मूल्य पर बेची जाती है, सोमवार को 4,000 डॉलर (लगभग 3.53 लाख रुपए) के स्तर से नीचे गिर गई और फिर मंगलवार को फिर से गिरकर 3,986 डॉलर (लगभग 3.51 लाख रुपए) पर आ गई। इस घटनाक्रम ने कई लोगों को यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि क्या सोने में तेजी का दौर खत्म हो गया है। आरबीआई के पास लगभग 579.18 बिलियन डॉलर (लगभग 51.09 लाख करोड़ रुपए) की विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां भी हैं, जिनमें प्रतिभूतियों में निवेश में 489.54 बिलियन डॉलर (लगभग 43.15 लाख करोड़ रुपए), अन्य केंद्रीय बैंकों और बीआईएस के पास जमा 46.11 बिलियन डॉलर (लगभग 4.07 लाख करोड़ रुपए) और विदेशी वाणिज्यिक बैंकों के पास जमा 43.53 बिलियन डॉलर (लगभग 3.84 लाख करोड़ रुपए) शामिल हैं।

विदेशों में रखा सोना घर लाने का फैसला वित्त मंत्रालय, आरबीआई के केंद्रीय बोर्ड और उसकी विदेशी मुद्रा भंडार प्रबंधन टीम द्वारा मिलकर लिया जाता है। इसके बाद बैंक ऑफ इंग्लैंड (बीओई) और बैंक फॉर इंटरनेशनल सेटलमेंट्स (बीआईएस) से कीमती धातु को भौतिक रूप से स्थानांतरित करके देश में वापस लाया जाता है। इस उद्देश्य के लिए, खास कर मुंबई और नागपुर स्थित अपने केंद्रीय भंडार सहित देश के विभिन्न राज्यों में सुरक्षित सुविधाएं रखता है। यह कार्य अत्यंत गोपनीयता से होता है। आरबीआई आमतौर पर अंतर्राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स फर्मों, बीमा एजेंसियों और भारतीय सुरक्षा बलों के साथ समन्वय करता है। सोने के बैंक ऑफ इंग्लैंड और बीआईएस से स्थानांतरित होने से लेकर भारत में तिजोरी में सुरक्षित होने तक, शिपमेंट पर नजर रखी जाती है। सोने की सुरक्षा भारतीय सुरक्षाकर्मी भी करते हैं। इस कदम से आरबीआई को अपने स्वर्ण भंडार पर अधिक नियंत्रण मिलता है और यह संदेश जाता है कि उसकी वित्तीय संप्रभुता सुरक्षित है। इसे चार्टर्ड या विशेष विमानों से स्वदेश लाया जाता है। आमतौर पर एहतियात के तौर पर यह काम खेपों में किया जाता है। अधिकांश विवरण अत्यंत गोपनीय रहते हैं। आरबीआई भारत वापस आने से पहले सोने की जांच, वजन और सील करता है। फिर शिपमेंट का सत्यापन किया जाता है और उसे तिजोरी में रखा जाता है। आरबीआई, विदेशी मुद्रा भंडार पर अपनी अर्धवार्षिक रिपोर्ट में, जनता को अपने सोने की स्थिति के बारे में अद्यतन करता है।

भ्रष्टाचार के...

पानी की तरह हो चुका है। बिहार में हर तरफ से खबरें आ रही हैं कि कैसे राजद और कांग्रेस के कार्यकर्ता एक-दूसरे से दुश्मनी निकाल रहे हैं। जमानत पर चल रहे दोनों युवराजों ने बुधवार को यह दिखाने की कोशिश की कि इनके बीच मनमुटाव नहीं है। इन्हें जो चीज एक साथ ले आई है, वह है सत्ता का लालच। इन्हें किसी भी तरह बिहार की सरकार पर कब्जा करना है। ताकि यह लोग फिर से बिहार को लूट सकें। फिर से जंगलराज वापस ला सकें।पीएम मोदी ने जनता से पूछा, आप बताइए क्या आप जमानत पर निकले इन दोनों युवराजों को बिहार लूटने देंगे? इस सवाल के साथ पीएम मोदी ने कहा, साथियो आज हर सर्वे में एक बात खुलकर सामने आ रही है कि इस चुनाव में राजद और कांग्रेस की सबसे बड़ी हार होने जा रही है। सारे सर्वे बता रहे हैं कि एनडीए की सबसे बड़ी जीत होने जा रही है। इसी चुनाव में विपक्ष को अब तक की सबसे कम सीटें मिलने जा रही है। एक नया इतिहास बिहार की जनता बनाने जा रही है। अपने घोषणा पत्र में यह लोग केवल झूठ बोल रहे हैं। यह लोग इतना फेंक रहे हैं कि इनके समर्थकों को इनकी बात पर यकीन नहीं हो रहा है। लोग सोशल मीडिया पर इनका मजाक बना रहे हैं।

सनातन संस्कृति...

अमित शाह ने राजद और कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि ये लोग नए कपड़े में नया जंगलराज लेकर आना चाहते हैं। जबकि एनडीए देश के विकास में सतत प्रयासरत है। एनडीए सरकार तारापुर को विकास का कॉरिडोर बनाएगी। तारापुर में शहीद दिवस को राजकीय दर्जा दिया गया है और यह समारोह अब राजकीय कार्यक्रम के रूप में मनाया जा रहा है। उन्होंने लोगों से अपील की कि सम्राट चौधरी को जिताकर पटना भेजें, ताकि उन्हें और बड़ा अवसर मिल सके। अमित शाह ने याद दिलाया कि लालू-राबड़ी शासनकाल में 11 नरसंहार हुए, अपहरण और डकैती चरम पर थे, जबकि नीतीश कुमार के शासन में ऐसा कोई नरसंहार नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि आज बिहार में कानून का राज है। अमित शाह ने यह भी कहा कि मुंगेर की धरती प्रभु श्रीराम और माता सीता से जुड़ी हुई है, इसलिए इसे रामायण सर्किट से जोड़ा जाएगा।मुंगेर जिले के तारापुर अनुमंडल क्षेत्र के असरगंज प्रखंड स्थित जलालाबाद रहमतपुर खेल मैदान में गुरुवार को गृह मंत्री अमित शाह की चुनावी सभा आयोजित की जानी थी। यह सभा तारापुर विधानसभा क्षेत्र के एनडीए प्रत्याशी सम्राट चौधरी के समर्थन में निर्धारित थी। हालांकि, लगातार दो दिनों से रुक-रुक कर हो रही बारिश के कारण बुधवार शाम तक सभा स्थल की तैयारी पूरी नहीं हो सकी थी। गुरुवार सुबह से ही कर्मी मंच और अन्य व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने में जुटे रहे। इसी बीच, दर्शक दीर्घा के लिए लाई गई कुर्सियां जब मैदान में पहुंचीं, तो कार्यक्रम स्थल पर मौजूद महिलाओं ने स्वयं ही ट्रक से कुर्सियां उतार कर सभा स्थल तक पहुंचाईं।उल्लेखनीय है कि कांग्रेस नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को मुजफ्फरपुर के सकरा में तेजस्वी यादव के साथ की जनसभा में पीएम मोदी को लेकर विवादित बयान दिया। राहुल ने कहा कि नरेंद्र मोदी को छठ पूजा से कोई लेना देना नहीं है, उन्हें सिर्फ आपका वोट चाहिए। आप उन्हें स्टेज पर आकर डांस करने के लिए कहेंगे तो वे डांस कर देंगे। पीएम मोदी पर राहुल गांधी के ऐसे ओछे बयान को बिहार में काफी नाराजगी है। बिहार के लोग कह रहे हैं कि राजनीतिक लाभ के लिए ऐसा ओछा बयान देना अनुचित है। लोगों का कहना है कि राहुल गांधी पीएम का नाम लेकर छठ महापर्व का अपमान कर रहे हैं।राहुल गांधी के ओछे बयान पर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि वोट के लिए महागठबंधन के लोग कुछ भी कर सकते हैं। वे निजी हमले कर सकते हैं, किसी की माता जी पर कमेंट कर सकते हैं। लोगों को धोखा देकर वोट हासिल करना उनका लक्ष्य है। झारखंड के वरिष्ठ भाजपा नेता बाबूलाल मरांडी ने कहा कि राहुल गांधी के पास कोई काम नहीं है, वह पिछले 11 साल से बेरोजगार हैं। जब इनके पास कहने को कुछ नहीं होता है तो पीएम के नाम पर कुछ भी बोलते हैं।कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के खिलाफ मुजफ्फरपुर जिले की मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी (सीजेएम) की अदालत में एक परिवाद दायर किया गया है। यह मामला राहुल गांधी द्वारा छठ पर्व और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर की गई आपत्तिजनक टिप्पणी से जुड़ा है। अधिवक्ता सुधीर कुमार ओझा ने बुधवार को अदालत में परिवाद दायर किया। अदालत ने मामले को स्वीकार करते हुए 11 नवंबर 2025 को सुनवाई की तिथि तय की है। अधिवक्ता ओझा ने बताया कि राहुल गांधी ने बिहार विधानसभा चुनाव के तहत मुजफ्फरपुर में हुई एक जनसभा के दौरान छठ पर्व जो हिंदू आस्था से जुड़ा प्रमुख पर्व है, उसके संबंध में आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। इसके साथ ही उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी पर भी अमर्यादित बयान दिया, जिससे लोगों की धार्मिक भावना आहत हुई है।परिवाद भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) 2023 की धाराओं 298, 356(2), 352 और 353 के तहत दाखिल किया गया है। ओझा ने कहा, छठ हमारी आस्था का पर्व है, उस पर गलत बयानबाजी और प्रधानमंत्री के प्रति अनुचित टिप्पणी को लेकर हमने न्यायालय की शरण ली है। कोर्ट ने मामले को स्वीकार करते हुए 11 नवंबर को सुनवाई की तिथि तय कर दी है।

बांग्लादेश की पूर्व ...

अवामी लीग की स्थिति और बांग्लादेश की मौजूदा सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। शेख हसीना ने कहा, जब ढाका में हिंसा फैली और उपद्रवी भीड़ उनके सरकारी आवास की ओर बढ़ी, तब मैंने किसी तरह अपनी जान बचाई। मैं हेलीकॉप्टर से सीधे भारत पहुंची। तब से यहीं हूं। लेकिन हमेशा सतर्क रहती हूं। मेरे पिता और भाइयों की 1975 में हत्या कर दी गई थी। मैं जानती हूं कि राजनीति में कब कौन दुश्मन बन जाए, कहा नहीं जा सकता।पूर्व पीएम ने कहा कि अवामी लीग पार्टी बांग्लादेश की आत्मा है। वह चाहे सत्ता में हो या विपक्ष में, उसका राजनीतिक अस्तित्व कोई खत्म नहीं कर सकता। यह लड़ाई मेरे परिवार की नहीं, बल्कि संविधान और लोकतंत्र की है। जब तक बांग्लादेश में संवैधानिक शासन बहाल नहीं होता, तब तक वहां स्थिरता संभव नहीं। उन्होंने 2026 के आम चुनाव को लेकर चेतावनी दी कि अगर उनकी पार्टी को भाग लेने की अनुमति नहीं मिली, तो करोड़ों समर्थक मतदान का बहिष्कार करेंगे। उन्होंने कहा, अवामी लीग को बैन करना एक गैरकानूनी कदम है। इससे खुद सरकार की वैधता खत्म हो जाएगी। करोड़ों लोग हमें समर्थन करते हैं, अगर उन्हें वोट देने नहीं दिया गया, तो लोकतंत्र का अस्तित्व ही खत्म हो जाएगा । बता दें कि बांग्लादेश की मौजूदा यूनुस सरकार ने फरवरी 2026 में चुनाव करवाने का वादा किया है। लेकिन इससे पहले, राष्ट्रीय सुरक्षा और युद्ध अपराधों के आरोपों का हवाला देते हुए अवामी लीग की सभी राजनीतिक गतिविधियों पर रोक लगा दी गई थी। मई 2025 में चुनाव आयोग ने पार्टी का पंजीकरण भी निलंबित कर दिया।

पुलिस ने आरोपी ...

मैं सिर्फ बात करना चाहता हूं। मैं अकेला नहीं हूं, मेरे साथ कई सारे लोग हैं, जिन्हें परेशानियां हैं। मुंबई पुलिस को अभिभावकों की तरफ से गुरुवार दोपहर को इस बारे में सूचना मिली थी। पुलिस ने पहले आरोपी से बातचीत की कोशिश की। जब बात नहीं बनी, तो पुलिस बाथरूम के रास्ते अंदर घुसी। बताया जा रहा है कि बंधकों में 17 बच्चे थे। इनके अलावा दो और लोग थे, जिनमें एक बुजुर्ग भी शामिल थे। ये सभी अब सुरक्षित हैं। घटना गुरुवार दोपहर डेढ़ बजे के आसपास की है। आरोपी की पहचान रोहित आर्य के रूप में हुई है। आरोपी ने एक वेब सीरीज के ऑडिशन के बहाने बच्चों को स्टूडियो में बुलाया था। बच्चों के साथ उनके माता-पिता भी पहुंचे थे। यह ऑडिशन पिछले छह दिनों से चल रहा था। गुरुवार को करीब 25 बच्चे ऑडिशन के लिए पहुंचे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक बच्चों की उम्र 15 साल के करीब थी। जब बच्चों को दोपहर के खाने के लिए नहीं छोड़ा गया तो अभिभावकों को शक हुआ। मुंबई पुलिस को अभिभावकों की तरफ से सूचना दी गई। जानकारी मिलते ही मौके पर क्यूआरटी, विशेष बल और पुलिस के जवान पहुंच गए। पुलिस ने पहले आरोपी से बातचीत की कोशिश की। जब बात नहीं बनी, तो पुलिस बाथरूम के रास्ते अंदर घुसी। बच्चों को उनके माता-पिता के सुपुर्द कर दिया गया है।

चाबहार पोर्ट पर...

इससे हम पर पड़ने वाले प्रभावों का अध्ययन कर रहे हैं। ईंधन खरीदने का फैसला हमारे 140 करोड़ लोगों की जरूरतों को देखते हुए लिया जाता है। जो कि ऊर्जा सुरक्षा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए विविध स्रोतों से सस्ती ऊर्जा प्राप्त करने की अनिवार्यता से निर्देशित है।अमेरिका से भारतीयों को वापस भेजे जाने की खबरों पर जायसवाल ने कहा, इस साल जनवरी से अब तक 2790 से अधिक भारतीय नागरिक ऐसे हैं जो मानदंडों को पूरा नहीं करते थे। वे अवैध रूप से वहां रह रहे थे और हमने उनकी पहचान, उनकी राष्ट्रीयता की पुष्टि की और वे वापस लौट आए। यह बुधवार तक की स्थिति है। ब्रिटेन की ओर से इस साल लगभग 100 भारतीय नागरिकों को उनकी राष्ट्रीयता की पुष्टि के बाद वापस भेजा गया है।विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा, पाकिस्तान अफगानिस्तान द्वारा अपने क्षेत्रों पर संप्रभुता के प्रयोग करने से क्रुद्ध है। पाकिस्तान सोचता है कि उसका अधिकार है कि वो सीमा पार आतंकवाद करता रहेगा और दंड मुक्ति के साथ करता रहेगा। जहां तक भारत का सवाल है हम अफगानिस्तान की क्षेत्रीय अखंडता, संप्रभुता और स्वतंत्रता के लिए प्रतिबद्ध हैं। प्रधानमंत्री मोदी और जापानी प्रधानमंत्री के बीच हुई बातचीत के प्रसंग में जायसवाल ने कहा, प्रधानमंत्री ने जापान की नई प्रधानमंत्री सनाए तकाइची से बातचीत की और उन्हें पदभार ग्रहण करने पर बधाई दी। दोनों नेताओं ने भारत-जापान द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा की, जो हमारे लिए एक महत्वपूर्ण साझेदारी है और यह बहुआयामी है। जहां तक क्वाड का संबंध है, हम इसे चारों साझेदारों के बीच कई क्षेत्रों में साझा हितों पर चर्चा के लिए एक मूल्यवान मंच के रूप में देखते हैं। किसी भी नेता का शिखर सम्मेलन चारों साझेदारों के बीच राजनयिक परामर्श के माध्यम से निर्धारित होता है।

छठ महापर्व ...

लोगों के चेहरे पर मुस्कान दिया है। वहीं राहुल गांधी की टिप्पणी ने उस महान उत्सव को छोटा करने की कोशिश जिससे आस्था को भयानक चोट पहुंची है।केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने इस बयान को बेहद अपमानजनक करार देते हुए गांधी से सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग की। धर्मेंद्र प्रधान ने कहा, छठ कोई चुनावी हथकंडा नहीं है, यह करोड़ों भारतीयों की भक्ति, आजीविका और पहचान है। इसका मजाक उड़ाने का मतलब है उन लोगों का मजाक उड़ाना जो इस महापर्व से आस्था के सूत्र से बंधे हैं और उनकी आर्थिक व्यवस्था भी चल रही है। बिहार के तमाम नागरिकों ने राहुल गांधी के अभिजात्यवादी लहजे की कड़ी आलोचना की और उन पर भारत की सांस्कृतिक और आर्थिक वास्तविकताओं से नाता तोड़ने का आरोप लगाया। यह विवाद तब और गहरा गया जब यह पता चला कि गांधी के छठ पर्व की शुभकामनाओं में इस्तेमाल की गई तस्वीर वही थी जो 2024 में शेयर की गई थी।राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि यह मुद्दा अब एक सांस्कृतिक विवाद से कहीं बढ़कर चुनावी मौसम में एक आर्थिक और भावनात्मक मुद्दा बन गया है। बिहार के छोटे व्यापारी, कारीगर और ट्रांसपोर्टर अक्सर अपनी वार्षिक आय के लिए त्यौहारों पर बहुत अधिक निर्भर रहते हैं और छठ पूजा के आसपास होने वाला व्यापक व्यापार आंदोलन आजीविका के साथ इसके गहरे जुड़ाव को दर्शाता है। राजधानी पटना के बुद्धिजीवी कहते हैं कि राहुल गांधी के शब्द न केवल राजनीतिक रूप से लापरवाह थे, बल्कि आर्थिक रूप से भी बेसुरे थे। ऐसे समय में जब कोविड मामारी के बाद छठ महापर्व स्थानीय आस्था, एकता और अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित कर रहा है, इसका मजाक उड़ाना आस्था से प्रेरित मतदाताओं और मजदूर वर्ग के व्यापारियों दोनों को अलग-थलग कर देता है।भाजपा को इस विवाद का फायदा मिलेगा। भाजपा ने इसे एक महत्वपूर्ण चुनावी मुद्दा बना दिया है जिसमें मोदी की सांस्कृतिक भागीदारी और स्थानीय परंपराओं के प्रति सम्मान की तुलना गांधी के वंशवादी अहंकार से की जा रही है। राजधानी पटना और गया समेत तमाम शहरों में पार्टी पदाधिकारियों ने गर्व से कहो, हम छठवासी हैं नारे के साथ छोटे-छोटे गली-मोहल्लों में अभियान चलाए हैं और इस त्यौहार को बाहरी लोगों के अपमान के खिलाफ अभियान छेड़ दिया है।कांग्रेस सफाई पर सफाई दे रही है कि राहुल गांधी की टिप्पणी राजनीतिक नाटकबाजी के उद्देश्य से थी, न कि त्यौहार के लिए। लेकिन कांग्रेस का नुकसान तो पहले ही हो चुका। राजनीति में लगभग दो दशक बाद, राहुल एक पहेली बने हुए हैं। एक युवा नेता होने का दावा करने वाले अधेड़, फिर भी राजनीतिक और बौद्धिक रूप से अविकसित राहुल गांधी कांग्रेस पार्टी के लिए विवशता बने हुए हैं। जैसे-जैसे बिहार चुनाव के लिए तैयार होता जा रहा है, राहुल गांधी के बेजा बयान का प्रकरण निर्णायक परीक्षा में बदलता जा रहा है। ऐसे राज्य में जहां आस्था, गौरव और आर्थिक जीवंतता छठ जैसे त्यौहारों के इर्द-गिर्द घूमती है। राहुल गांधी का कटाक्ष एक आत्मघाती गलती साबित हो सकती है। जिसका भाजपा अंतिम वोट डाले जाने तक फायदा उठाने की कोशिश करेगी।

त्रिस्पर्शा योग में मनाई जाएगी देवउठनी एकादशी

देवउठनी एकादशी हिंदू धर्म की महत्वपूर्ण तिथि है, जिसे देवोत्थान एकादशी कहा जाता है। मान्यता है कि इस दिन भगवान विष्णु चार माह की योग निद्रा से जागते हैं और सृष्टि का कार्यभार संभालते हैं। इसके अलावा एक बार फिर घरों में भी शुभ-मांगलिक कार्यों की शहनाइयां गूंजने लगती हैं। शास्त्रों में देवउठनी एकादशी पर तुलसी विवाह का भी विशेष महत्व माना जाता है। कहते हैं कि, देवोत्थान पर तुलसी विवाह कराने पर साधक को कन्यादान के समान फल प्राप्त होता है। वहीं इस दिन व्रत रखने से भाग्योदय और कार्यों में मनचाहा फल भी प्राप्त होता है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर - जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि हिंदू पंचांग के अनुसार कार्तिक महीने के शुक्ल पक्ष की तिथि 01 नवंबर को सुबह 09:11 मिनट पर शुरू होगी। वहीं, इसका समापन 02 नवंबर को सुबह 07:31 मिनट पर होगा। उदया तिथि में इस साल देवउठनी एकादशी 02 नवंबर को मनाई जाएगी। इस बार देवउठनी एकादशी यानी 2 नवंबर को त्रिस्पर्श एकादशी रहेगी। इस दिन एकादशी, द्वादशी और त्रयोदशी रहेगी। देवोत्थान एकादशी इस बार त्रिस्पर्शा योग में मनाई जाएगी। त्रिस्पर्शा योग एक दुर्लभ संयोग है जब एक ही दिन में एकादशी, द्वादशी और रात्रि के अंतिम पहर में त्रयोदशी तिथि आती है। इसे पद्म पुराण में वर्णित एक विशेष योग बताया गया है। इसी दिन चातुर्मास खत्म होगा और शुभ कार्यों की शुरुआत होगी। इस दिन भगवान विष्णु योगनिद्रा से जागते हैं। शुभ कार्यों के द्वार खुलते हैं। धार्मिक मान्यता है कि इस दिन व्रत रखने और पूजा करने से समस्त पापों का नाश होता है। घर में सुख-समृद्धि आती है।

इस साल 2 नवंबर 2025 को देवउठनी एकादशी का व्रत रखा जाएगा। विष्णु जी की पूजा करने से साधक को मनोवांछित फलों की प्राप्ति होती हैं। इस दौरान मां लक्ष्मी की पूजा करना और भी लाभकारी माना जाता है। दोनों की साथ में पूजा करने से वैवाहिक जीवन में सुख-समृद्धि का वास होता है। देवउठनी एकादशी से मंगलकार्य शुरू हो जाते हैं और इसके अगले दिन तुलसी विवाह किया जाता है। उदया तिथि में देवउठनी एकादशी 2 नवंबर को मनाई जाएगी। इस दिन तुलसी विवाह होगा। इसके साथ विवाह मुहूर्त का सिलसिला शुरू हो जाएगा। माना जाता है कि देवउठनी एकादशी को भगवान श्रीहरि चार माह की गहरी निद्रा से उठते हैं। भगवान के सोकर उठने की खुशी में देव-ोत्थान एकादशी मनाया जाता है। इसी दिन से सृष्टि को भगवान विष्णु संभालते हैं। इसी दिन तुलसी से उनका विवाह हुआ था। इस दिन महिलाएं व्रत रखती हैं। परम्परानुसार देव देवउठनी एकादशी में तुलसी जी विवाह किया जाता है, इस दिन उनका श्रंगार कर उन्हें चुनरी ओढ़ाई जाती है। उनकी परिक्रमा की जाती है। शाम के समय रौली से आंगन में चौक पूर कर भगवान विष्णु के चरणों को कलात्मक रूप से अंकित करेंगी। रात्रि को विधिवत पूजन के बाद प्रात:काल भगवान को शंख, घंटा आदि बजाकर जगाया जाएगा और पूजा करके कथा सुनी जाएगी।

हिन्दू पंचांग के अनुसार प्रत्येक वर्ष कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को तुलसी विवाह का आयोजन किया जाता है। इस एकादशी को 'देवउठनी एकादशी' या 'प्रबोधिनी एकादशी' भी कहा जाता है। इस बार तुलसी विवाह 2 नवंबर को पड़ रहा है। सनातन धर्म में तुलसी विवाह का विशेष महत्व माना गया है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार तुलसी विवाह के दिन माता तुलसी और भगवान शालिग्राम की पूजा करने से भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं और उनके वैवाहिक जीवन में सुख-समृद्धि आती है। साथ ही पति-पत्नी के बीच उत्पन्न होने वाली समस्याएं भी दूर हो जाती हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, विधि-विधान के साथ तुलसी विवाह कराने वालों पर भगवान विष्णु की विशेष कृपा रहती है। मान्यता है कि तुलसी विवाह करने से कन्यादान के समान पुण्य की प्राप्ति होती है। भगवान शालीग्राम और माता तुलसी का विवाह कराने से वैवाहिक जीवन सुखी रहता है। महिलाएं सुख-समृद्धि की प्राप्ति के लिए इस दिन व्रत-पूजन करती हैं।

शुभ मुहूर्त

हिंदू पंचांग के अनुसार, कार्तिक महीने के शुक्ल पक्ष की तिथि 01 नवंबर को सुबह 09:11 मिनट पर शुरू होगी। वहीं, इसका समापन 02 नवंबर को सुबह 07:31 मिनट पर होगा। उदया तिथि में इस साल देवउठनी एकादशी 02 नवंबर को मनाई जाएगी। इसी दिन चातुर्मास खत्म होगा और शुभ कार्यों की शुरुआत होगी।

त्रिस्पर्शा योग

देवोत्थान एकादशी इस बार त्रिस्पर्शा योग में मनाई जाएगी। त्रिस्पर्शा योग एक दुर्लभ संयोग है जब एक ही दिन में एकादशी, द्वादशी और रात्रि के अंतिम पहर में त्रयोदशी तिथि आती है। इसे पद्म पुराण में वर्णित एक विशेष योग बताया गया है। देवोत्थान एकादशी को अबूझ मुहूर्त भी माना जाता है, इस वजह से बड़ी संख्या में विवाह भी इसी दिन होते हैं। तुलसी-शालिग्राम विवाह भी कराया जाता है।

चातुर्मास मास होगा समाप्त

देवउठनी एकादशी के दिन चातुर्मास समाप्त होगा। मान्यताओं के अनुसार चतुर्मास में भगवान विष्णु आराम करते हैं। शास्त्रों के अनुसार इस दौरान कोई भी शुभ और मांगलिक कार्य वर्जित रहते हैं।

देवउठनी एकादशी का महत्व

देवउठनी एकादशी तिथि से चतुर्मास अवधि खत्म हो जाती है। ऐसा कहा जाता है कि भगवान विष्णु शयनी एकादशी को सो जाते हैं। वह इस दिन जागते हैं। देवउठनी एकादशी के दिन जातक सुबह जल्द उठकर स्वस्छ वस्त्र पहनते हैं। भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की पूजा करते हैं। शास्त्रों के अनुसार विष्णुजी के अवतार भगवान श्रीकृष्ण ने एकादशी को देवी वृंदा (तुलसी) से शादी की थीं। इस साल तुलसी विवाह 5 नवंबर को मनाया जाएगा।

इन बातों का रखें विशेष ध्यान

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार भगवान विष्णु चार माह की योग निद्रा के बाद इसी दिन जागते हैंए इसी कारण इस दिन को देवउठनी एकादशी कहा जाता है। ऐसे में भगवान विष्णु का आर्शीवाद पाने के लिए भक्त कई उपाय भी करते हैं। लेकिन आर्शीवाद पाने के साथ कुछ ऐसे नियम भी हैंए जिन्हें देवउठनी एकादशी के दिन भूलकर भी नहीं तोड़ना चाहिए।

चावल न खाएं इस दिन

मान्यताओं के अनुसार किसी भी एकादशी पर चावल का सेवन नहीं करना चाहिए। दरअसल जानकारों के अनुसार केवल देवउठनी एकादशी ही नहीं बल्कि सभी एकादशी पर चावल खाना हर किसी के लिए वर्जित माना गया है। चाहे जातक ने व्रत रखा हो या न रखा हो। माना जाता है कि इस दिन चावल खाने से मनुष्य को अगला जन्म रेंगने वाले जीव में मिलता है।

मांस-मदिरा से रहें दूर

हिंदू धर्म में वैसे ही मांस-मंदिरा को तामसिक प्रवृत्ति बढ़ने वाला माना गया है। ऐसे में किसी पूजन में इन्हें खाने को लेकर मनाही है। ऐसे में एकादशी पर इन्हें खाना तो दूर घर मे लाना तक वर्जित माना गया है। माना जाता है कि ऐसा करने वाले जातक को जीवन में कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

महिलाओं का अपमान न करें

एकादशी के दिन महिलाओं का भूलकर भी अपमान न करें चाहें वे आपसे छोटी हो या बड़ी। दरअसल माना जाता है कि किसी का भी अपमान करने से आपके शुभ फलो में कमी आती हैए वहीं इस दिन इनके अपमान से व्रत का फल नहीं मिलता है। साथ ही जीवन में कई तरहों की समस्याओं का सामना करना पड़ता है

क्रोध से बचें

एकादशी के दिन भक्त भगवान विष्णु की अराधना करते हैं ऐसे में माना जाता है कि इस दिन सिर्फ भगवान का गुणगान करना चाहिए। साथ ही एकादशी के दिन भूलकर भी किसी पर क्रोध नहीं करना चाहिए और वाद-विवाद से भी दूरी बनाकर रखनी चाहिए।

ब्रह्मचर्य का पालन करें

एकादशी के दिन ब्रह्मचर्य का पालन करना चाहिए। इस दिन भूलकर भी शारीरिक संबंध नहीं बनाने चाहिए। इस दिन भगवान विष्णु की पूजा करने से विशेष लाभ की प्राप्ति होती है।

एकादशी के दिन करें ये काम

एकादशी के दिन दान करना उत्तम माना जाता है। एकादशी के दिन संभव हो तो गंगा स्नान करना चाहिए। विवाह संबंधी बाधाओं को दूर करने के लिए एकादशी के दिन केसर, केला या हल्दी का दान करना चाहिए। एकादशी का उपवास रखने से धन, मान-सम्मान और संतान सुख के साथ मनोवांछित फल की प्राप्ति होने की मान्यता है। कहा जाता है कि एकादशी का व्रत रखने से पूर्वजों को मोक्ष की प्राप्ति होती है।

देवउठनी एकादशी पूजा विधि

देवउठनी एकादशी पर भगवान विष्णु को धूप, दीप, पुष्प, फल, अर्घ्य और चंदर आदि अर्पित करें। भगवान की पूजा करके नीचे दिए मंत्रों का जाप करें।

उत्तिष्ठोत्तिष्ठ गोविंद त्यज निद्रां जगत्पते। त्वयि सुप्ते जगन्नाथ जगत् सुप्तं भवेदिदिम्।।

उत्तिष्ठोत्तिष्ठ वाराह दंष्ट्रोद्धृतवसुंधरे। हिरण्याक्षप्राघातिन् त्रैलोक्यो मंगल कुरु।।

इसके बाद भगवान की आरती करें। वह पुष्प अर्पित कर इन मंत्रों से प्रार्थना करें।

इयं तु द्वादशी देव प्रबोधाय विनिर्मिता।
त्वयैव सर्वलोकानां हितार्थं शेषशायिना।।
इदं व्रतं मया देव कृतं प्रीत्यै तव प्रभो।
न्यूनं संपूर्णतां यातु त्वत्वप्रसादाज्जनार्दन।।

इसके बाद सभी भगवान को स्मरण करके प्रसाद का वितरण करें।

आंवला नवमी पर आंवले के चार दिव्य उपाय, भगवान विष्णु की कृपा से पाएंगे सेहत के साथ धन-धान्य और समृद्धि

हिंदू आंवला नवमी कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को पड़ती है। लेकिन इस साल यह तिथि दो दिन पड़ रही है। शास्त्रों के अनुसार, उदया तिथि पर आंवला नवमी मनाई जाती है, जो इस साल 31 अक्टूबर को रहेगी। ऐसे में इसी दिन आंवला नवमी मनाई जाएगी। इसे अक्षय नवमी के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन आंवले के पेड़ और भगवान विष्णु की पूजा करने का खास महत्व होता है। ऐसी मान्यता है कि अक्षय नवमी से लेकर देव उठनी एकादशी तक भगवान विष्णु आंवले के पेड़ के नीचे निवास करते हैं। ऐसे में अगर आप इस विशेष दिन पर कुछ आंवले के ज्योतिष उपाय कर लें तो इससे विष्णुजी की कृपा प्राप्त होती है और जीवन में सुख-समृद्धि आती है।

इस उपाय से परिवार की होगी उन्नति

आंवला नवमी के दिन आंवले के पेड़ की पूजा की जाती है। ऐसे में कपूर और घी के दीपक के साथ आरती जरूर करें। साथ ही, वृक्ष की 108 बार परिक्रमा करें और आंवला के पेड़ के नीचे ब्राह्मण, जरूरतमंद व किसी गरीब को भोजन कराना चाहिए। इसके अलावा, खुद भी पेड़ के पास बैठकर भोजन करना चाहिए। इस उपाय को करने से विष्ण-जी के साथ-साथ माता लक्ष्मी की भी कृपा प्राप्त होती है और परिवार के सदस्यों की उन्नति होती है। साथ ही, जीवन में सकारात्मकता बनी रहती है।

जीवन में सुख-समृद्धि का उपाय

भगवान विष्णु की कृपा प्राप्त करने के लिए आंवला नवमी के दिन श्रद्धापूर्वक वृक्ष की पूजा अवश्य करनी चाहिए। ज्योतिष शास्त्र के मुताबिक, अक्षय नवमी को पूर्व दिशा की तरफ मुख करके आंवले के पेड़ की जड़ को जल और दूध से सींचना चाहिए।

साथ ही, इस दौरान 'ओम धात्र्ये नमः' मंत्र का जाप भी अवश्य करें और हल्दी से स्वास्तिक बनाएं। इस उपाय को करने से जातक के घर और जीवन में सुख-समृद्धि बनी रहती है। साथ ही, विष्णु भगवान के आशीर्वाद से काम बनने लगते हैं।

धन और आरोग्य की प्राप्ति का उपाय

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, आंवला नवमी के दिन वृक्ष की पूजा करने के साथ-साथ व्रत रखना भी बहुत शुभ माना गया है। इस दिन भगवान विष्णु को भी आंवले का भोग जरूर लगाना चाहिए। भोग लगाने के बाद उस आंवले को स्वयं भी ग्रहण करें। ऐसा करने से जातक को आरोग्य की प्राप्ति होती है और घर में कभी भी धन-धान्य की कमी नहीं होती है। इसके अलावा, अक्षय नवमी पर जरूरतमंद लोगों को गर्म कपड़े दान करने से विष्णुजी की कृपा प्राप्त होती है और सभी पाप नष्ट हो सकते हैं।

सकारात्मकता और एकाग्रता बढ़ाने का उपाय

आंवला नवमी के दिन घर में सकारात्मकता बनाए रखने के लिए आप एक छोटा सा उपाय कर सकते हैं। इसके लिए अक्षय नवमी आंवले का वृक्ष जरूर लगाना चाहिए। इसे घर में पूर्व या उत्तर दिशा की ओर लगाना बेहद शुभ माना जाता है। ऐसा करने से घर से नकारात्मकता दूर होती है और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। साथ ही, पढ़ने वाले बच्चों को अपनी पुस्तक में आंवले की हरी पत्तियां रखनी चाहिए। इससे एकाग्रता बढ़ती है और शिक्षा के क्षेत्र में लाभ प्राप्त हो सकता है।

घर में जरूर लगाएं ये पांच पौधे, बनी रहेगी सकारात्मकता

हर व्यक्ति चाहता है कि उसके घर में हमेशा खुशहाली और सुख-समृद्धि बनी रहे। लेकिन कई बार घर बनवाते समय या नए घर में शिफ्ट होते वक्त हम कुछ ऐसी गलतियां कर देते हैं, जिससे परिवार में बार-बार समस्याएं आने लगती हैं और वास्तु दोष भी लग जाता है। इसके लिए वास्तुशास्त्र में ऐसे कई उपाय बताए गए हैं जिन्हें करने से घर से वास्तु दोष दूर हो सकता है और परिवार के जीवन से बैडलक को भी दूर किया जा सकता है। अगर आप वास्तु के अनुसार अपने घर में कुछ शुभ पौधे लगा लें तो इससे बेहद शुभ फल की प्राप्ति हो सकती है और घर में सुख-शांति व समृद्धि बनी रहती है।

रबर प्लांट–वास्तुशास्त्र के अनुसार, घर में रबर प्लांट लगाना बहुत शुभ माना जाता है। ऐसे में अगर आप घर में इस पौधे को लगाते हैं तो यह सकारात्मक ऊर्जा को बढ़ाता है और नकारात्मकता दूर करता है। वास्तु के अनुसार, रबर प्लांट को घर में पूर्व दिशा में रखना बहुत अच्छा माना जाता है। साथ ही, इस बात का भी ख्याल रखें कि उस स्थान पर पर्याप्त मात्रा में धूप आती हो लेकिन वह सीधी पौधे पर न पड़े। हरा भरा रबर प्लांट घर का माहौल सकारात्मक बनाए रखने में सहायक होता है।

पुदीना का पौधा– घर में पुदीना का पौधा लगाना भी वास्तुशास्त्र में बहुत शुभ माना गया है। इसकी महक घर के वातावरण को सुखद बनाए रखने में मददगार साबित होती है। साथ ही, इससे मन को भी शांति महसूस होती है और तनाव कम होगा। अगर आपके घर में किसी न किसी बात को लेकर परिवार के बीच तनाव बना रहता है तो पुदीना का पौधा घर में जरूर लगाएं। इससे घर में सुख-शांति का माहौल बना रहता है। वास्तु के अनुसार, पुदीने का पौधा घर में उस स्थान पर रखना चाहिए जहां पानी का बहाव अधिक रहता हो। लेकिन इसे भूलकर भी दक्षिण दिशा में नहीं रखना चाहिए।

सफेद अपराजिता –ये फूल खूबसूरत दिखने के साथ-साथ पवित्र होते हैं। इन्हें पूजा के दौरान भगवान विष्णु व माता लक्ष्मी को अर्पित करने से बेहद शुभ फल की प्राप्ति होती है। वहीं, नीले रंग के अपराजिता शनिदेव की पूजा में प्रयोग किए जाते हैं। ऐसे में वास्तुशास्त्र के अनुसार अगर आप सफेद अपराजिता का पौधा घर में लगा लें तो इससे बैडलक दूर हो सकता है और धन-धान्य में भी वृद्धि होती है। इसके लिए अपराजिता को घर में उत्तर या पूर्व दिशा की ओर लगाना चाहिए। इससे आपको आर्थिक समस्याओं और दुर्भाग्य से छुटकारा मिल सकता है। साथ ही, इन पवित्र फूलों को पूजा में भी प्रयोग करना चाहिए।

शमी का पौधा –हिंदू धर्म में इस पौधे को बहुत शुभ माना गया है। मान्यता है कि इसे घर में लगाने से शनि के बुरे प्रभाव कम हो सकते हैं। ऐसे में अगर आप शनि के विपरीत प्रभाव के चलते जीवन में समस्याओं का सामना कर रहे हैं तो घर में शमी का पौधा अवश्य लगाएं। साथ ही, यह पौधा शनिदेव को बहुत प्रिय है। ऐसे में अगर आप वास्तु के अनुसार इसे सही दिशा में लगाते हैं तो इससे शनिदेव की विशेष कृपा प्राप्त हो सकती है। वास्तुशास्त्र में बताया गया है कि शमी के पौधे को हमेशा उत्तर-पूर्व दिशा यानी ईशान कोण में ही लगाना चाहिए। ऐसा करने से घर में बरकत आती है और फिजूलखर्ची से भी राहत मिल सकती है।

तुलसी विवाह, कार्तिक पूर्णिमा, उत्पन्ना एकादशी कब है?

नवंबर में पड़ने वाले व्रत-त्यौहारों की पूरी सूचि

हिंदू धर्म में नवंबर महीना धार्मिक दृष्टि से अत्यंत शुभ माना जाता है। इस महीने देवउठनी एकादशी से शुभ कार्यों की दोबारा शुरुआत होती है। इसी दिन भगवान विष्णु चार महीनों की योगनिद्रा से जागते हैं। इसके साथ ही हिंदू धर्म का सबसे लोकप्रिय त्यौहार तुलसी विवाह भी नवंबर के महीने में ही पड़ा रहा है। इस दिन भगवान विष्णु के शालिग्राम स्वरूप के साथ माता तुलसी का विवाह कराया जाता है। इसी महीने कार्तिक पूर्णिमा भी पड़ रही है। इस दिन दान-पुण्य का विशेष महत्व होता है। इसी दिन सिखों के प्रथम गुरु, गुरु नानक देव जी की जयंती भी मनाई जाएगी।

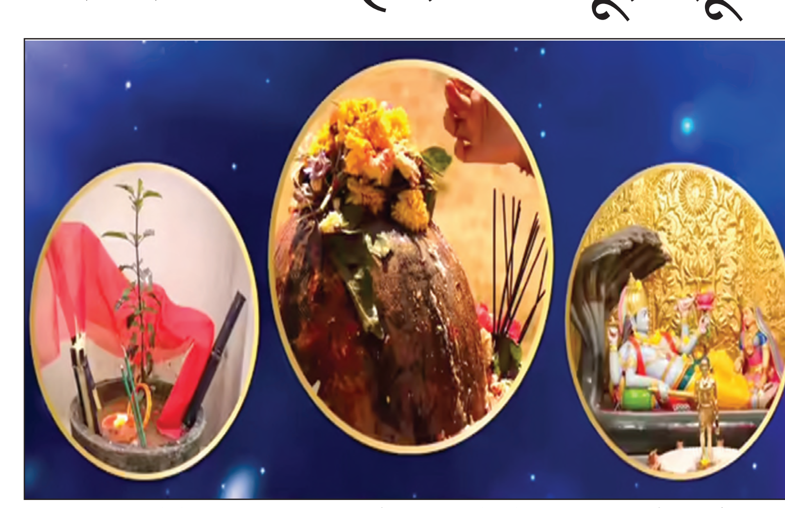

देव उठनी एकादशी

एकादशी तिथियों में देव उठनी एकादशी को सबसे महत्वपूर्ण माना जाता है। इसे इसे हरिप्रबोधिनी एकादशी के नाम से भी जाना जाता है। देव उठनी एकादशी कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को मनाई जाती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस दिन भगवान विष्णु चार महीनों की योग निद्रा से जागते हैं। पृथ्वी पर धर्म, कर्म और शुभ कार्यों की दोबारा शुरुआत होती है। इस दिन से वैवाहिक कार्यक्रम, गृह प्रवेश, मुंडन और अन्य शुभ मांगलिक कार्य आरंभ होते हैं। इस बार एकादशी तिथि 1 नवंबर, शनिवार सुबह 09 बजकर 11 मिनट से शुरू होकर अगले दिन सुबह 07 बजकर 31 मिनट तक रहेगी। ऐसे में इस बार देव उठनी एकादशी 2 नवंबर, रविवार को मनाई जाएगी।

तुलसी विवाह

तुलसी विवाह देवउठनी एकादशी के अगले दिन यानी द्वादशी तिथि को मनाया जाता है। यह त्योहार हिन्दू धर्म में मनाए जाने वाले सबसे लोकप्रिय त्यौहारों में से एक है। इस दिन तुलसी माता का विवाह भगवान विष्णु के शालिग्राम स्वरूप से किया जाता है। इस दौरान तुलसी के पौधे को सुहाग सामग्री से दुल्हन की तरह सजाया जाता है। हवन, भजन के साथ विवाह संस्कार का आयोजन होता है। ऐसा माना जाता है कि तुलसी विवाह में शामिल होने से वैवाहिक जीवन में प्रेम बढ़ता है और कुण्डली से विवाह संबंधित दोष दूर होते हैं। इस बार द्वादशी तिथि 2 नवंबर, रविवार को सुबह 07 बजकर 31 मिनट से शुरू होकर अगले दिन सुबह 05 बजकर 07 मिनट तक रहेगी। ऐसे में तुलसी विवाह का त्योहार 2 नवंबर, रविवार को मनाया जाएगा।

बैकुंठ चतुर्दशी

बैकुंठ चतुर्दशी कार्तिक शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी को मनाया जाने वाला महत्वपूर्ण त्योहार है। इस दिन भगवान शिव और भगवान विष्णु दोनों की पूजा की जाती है। काशी में बाबा विश्वनाथ और भगवान विष्णु के बीच मिलने का यह त्योहार विशेष धूमधाम से मनाया जाता है। इस दिन भगवान विष्णु की पूजा निशीथ काल यानी मध्य रात्रि में की जाती है, जबकि भगवान शिव की पूजा सुबह के समय में होती है। कहा जाता है कि बैकुंठ चतुर्दशी पर किया गया जप-तप का सौ गुना फल मिलता है। चतुर्दशी तिथि 04 नवंबर, मंगलवार को सुबह 02 बजकर 05 मिनट से शुरू होकर रात को 10 बजकर 36 मिनट तक रहेगी। ऐसे में 4 नवंबर को ही बैकुंठ चतुर्दशी मनाई जाएगी।

कार्तिक पूर्णिमा

कार्तिक पूर्णिमा हिंदू धर्म में अत्यंत पवित्र और पुण्यदायी तिथि मानी जाती है। इस दिन गंगा स्नान, यमुना और अन्य पवित्र नदियों में स्नान कर दीपदान का विशेष महत्व है। है। इस दिन को देव दीपावली के रूप में भी मनाया जाता है। इसी दिन भगवान शिव ने त्रिपुरासुर का संहार किया था। वाराणसी में देव दीपावली को धूमधाम के साथ मनाया जाता है।

इस दिन दान और व्रत का अत्यंत महत्व है। मान्यता है कि कार्तिक पूर्णिमा पर किया गया पुण्य अक्षय रहता है और पितरों को तृप्ति मिलती है। पंचांग के अनुसार, पूर्णिमा तिथि 4 नवंबर, मंगलवार को रात 10 बजकर 36 मिनट पर शुरू होगी और अगले दिन 5 नवंबर, बुधवार को शाम 06 बजकर 48 मिनट पर समाप्त होगी। ऐसे में कार्तिक पूर्णिमा का त्योहार 5 नवंबर को मनाया जाएगा।

श्री गुरु नानक जयंती

श्री गुरु नानक देव जी की जयंती सिख समुदाय का प्रमुख त्योहार है। इसे कार्तिक पूर्णिमा के दिन मनाया जाता है। इस दिन को गुरु पूरब या गुरु पर्व भी कहा जाता है। गुरु नानक देव जी सिख धर्म के प्रथम गुरु और सिख पंथ के संस्थापक थे। उनकी जयंती पर गुरुद्वारों को सजाया जाता है। कीर्तन, अखंड पाठ और नगर कीर्तन का आयोजन किया जाता है। इस बार गुरु नानक देव जी की 556 वीं जन्म वर्षगांठ मनाई जाएगी। गुरु नानक देव जी का जन्म कार्तिक पूर्णिमा के दिन हुआ था। इस साल 5 नवंबर, बुधवार को मनाई जाएगी।

उत्पन्ना एकादशी

हिंदू धर्म में एकादशी तिथि का विशेष महत्व है। एकादशी तिथि भगवान विष्णु को समर्पित होती है। उत्पन्ना एकादशी मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष की एकादशी को मनाई जाती है। इसे वर्ष की पहली एकादशी भी माना जाता है। पुराणों के अनुसार उत्पन्ना एकादशी के दिन भगवान विष्णु की पूजा करने और व्रत रखने से सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं । पंचांग के अनुसार, एकादशी तिथि 15 नवंबर, शनिवार को सुबह 12 बजकर 49 मिनट पर शुरू होकर अगले दिन 16 नवंबर, रविवार को सुबह 02 बजकर 37 मिनट तक रहेगी। ऐसे में उत्पन्ना एकादशी व्रत 15 नवंबर को किया जाएगा।

विवाह पंचमी

विवाह पंचमी मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को मनाई जाती है। इसी दिन भगवान श्रीराम और माता सीता का विवाह हुआ था। अयोध्या, जनकपुर और मिथिला क्षेत्र में यह पर्व विशेष धूमधाम से मनाया जाता है।

मान्यता है कि इस दिन भगवान राम की पूजा करने से दांपत्य जीवन में सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है। वहीं, कुंवारे लोगों के लिए यह तिथि विशेष रूप से मंगलदायक मानी जाती है। पंचांग के अनुसार, इस बार पंचमी तिथि 24 नवंबर, सोमवार रात 09 बजकर 22 मिनट से अगले दिन 25 नवंबर, मंगलवार को रात 10 बजकर 56 मिनट तक रहेगी। ऐसे में विवाह पंचमी का त्योहार 25 नवंबर को मनाया जाएगा।

बेगम अख्तर : मल्लिका-ए-गजल, जिन्हें सुनकर लोग रोक नहीं पाते थे आंसू, आवाज में उतर आता था दर्द

आंखों से बहते आंसू अक्सर बता देते हैं कि गायक ने अपनी संगीत से सामने वाले के दिल में घर बना लिया। गाने वाले तो बहुत हैं, लेकिन ऐसा कौन होगा जो मोहब्बत के दर्द को अपनी गायकी से इतनी गहराई से समझा सके। हम बात कर रहे हैं मल्लिका-ए-गजल के नाम से मशहूर बेगम अख्तर की, जिनकी गजलें और गीत करोड़ों दिलों में जिंदा हैं। बेगम अख्तर 30 अक्टूबर 1974 को इस दुनिया से चली गई थीं। लोग उन्हें मल्लिका-ए-गजल कहते हैं, लेकिन सच तो यह है कि उन्होंने वह दर्द खुद जिया और समझा जो जीवन ने उन्हें दिया। इसीलिए जब वे स्टेज पर 'ऐ मोहब्बत तेरे अंजाम पे रोना आया' गाती थीं, तो दर्शकों की आंखों से आंसू बहने लगते थे। सब कहते, वाह, गजल की मल्लिका, क्या खूब गाया। वह गजल की दुनिया में एक ऐसा नाम थीं, जिसकी आवाज सुनकर दिल की गहराइयों से आंसू बह निकलते हैं। 7 अक्टूबर 1914 को फैजाबाद में जन्मीं अख्तरी बाई फैजाबादी, जिन्हें बाद में बेगम अख्तर के नाम से जाना गया, उनकी गजलों में आज भी संगीत प्रेमी खो जाते हैं। उनकी उस आइकॉनिक गजल 'ऐ मोहब्बत तेरे अंजाम पे रोना आया' की याद हमें सोचने पर मजबूर कर देती है कि क्या मोहब्बत का ये दर्द कभी कम होता है।

बेगम अख्तर के बारे में उर्दू के अजीम शायर कैफी आजमी ने कहा था, 'गजल के दो मायने होते हैं-पहला गजल और दूसरा बेगम अख्तर। बेगम अख्तर की आवाज मखमली और जादुई थी। उनका पूरा जीवन दुखों में बीता। उनके दुख इतने गहरे थे कि वही उनकी आवाज का हिस्सा बन गए। उनकी एक शिष्या बताती हैं कि जब भी उनका जिक्र आता है, तो हमें लखनऊ से फैजाबाद की ओर जाना पड़ता है। बेगम अख्तर ने कम उम्र में ही संगीत सीखने की रुचि दिखाई। मात्र 14 साल की उम्र में वे एक गायिका के रूप में उभरीं। फिल्म 'जलसा घर' में उन्होंने गायिकी की।

साल 1945 में उन्होंने बैरिस्टर इश्तियाक अहमद अब्बासी से निकाह किया। मां के देहांत ने उन्हें गहरा धक्का दिया। लंबे समय तक वे गायकी से दूर रहीं, लेकिन पति के कहने पर जब दोबारा गाना शुरू किया तो फिर कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। बेगम अख्तर की एक बड़ी खासियत थी शायरी का बेहतरीन चयन। वे जो भी गाती थीं, उसे बड़ी एहतियात से चुनती थीं। सिर्फ वही शायरी कंपोज करतीं और गातीं जो उनके भीतर तक उतर जाती थी, ताकि शायर के दिल की बात सुनने वालों के दिल तक पहुंच सके।

फिल्म स्टार नाना पाटेकर ने एक बार उनके बारे में कहा कि एक कॉन्सर्ट में जब बेगम गा रही थीं और गाना खत्म हुआ तो दर्शक दीर्घा में सन्नाटा छा गया। कोई ताली नहीं बजी। हमेशा जोरदार तालियां बजती थीं। जब किसी ने पूछा तो बेगम ने मुस्कुराते हुए कहा, 'इसी सन्नाटे के लिए हम जीते हैं। सामने वाला भूल गया कि उसे ताली भी बजानी है।' 'ऐ मोहब्बत तेरे अंजाम पे रोना आया' के पीछे की कहानी भी थोड़ी फिल्मी है।

कहा जाता है कि करीब 75 साल पहले, जब बेगम अख्तर मुंबई से लखनऊ लौट रही थीं, तो रेलवे स्टेशन पर एक शायर उनसे मिले। शायर ने अपनी शायरी को आवाज देने की गुजारिश की। उन्होंने एक कागज का टुकड़ा बेगम को थमा दिया। बेगम ने उसे लिया और पर्स में रख लिया। भोपाल रेलवे स्टेशन के पास चलती ट्रेन में उस गजल का ख्याल आया। बेगम ने हारमोनियम पर सुर बैठाना शुरू कर दिया। शायरी की आखिरी पंक्ति में शायर का तखल्लुस था, 'जब हुआ जिक्र जमाने में मोहब्बत का 'शकील' मुझ को अपने दिल-ए-नाकाम पे रोना आया।' वो शायर थे शकील बदायुनी।

दुनिया से अलविदा कहने से पहले यही गजल बेगम अख्तर का आखिरी पैगाम बन गई।

फिल्म अंतर्महल को 20 साल पूरे

जैकी श्रॉफ ने शेयर की पुरानी यादें

फिल्म अंतर्महल ने अपनी रिलीज के 20 साल पूरे कर लिए हैं। इस मौके पर अभिनेता जैकी श्रॉफ ने सोशल मीडिया पर फिल्म की पुरानी यादों को ताजा किया। अभिनेता जैकी श्रॉफ ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर फिल्म की एक क्लिप को शेयर किया, जिसके साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, फिल्म 'अंतर्महल' की रिलीज को 20 साल पूरे हो गए हैं। रितुपर्णो घोष द्वारा निर्देशित फिल्म 2005 में रिलीज हुई थी। इसमें सोहा अली खान, अभिषेक बच्चन, और जैकी श्रॉफ मुख्य भूमिका में थे। फिल्म के जरिए निर्देशक ने अंधविश्वास, सत्ता के दुरुपयोग, धार्मिक कट्टरता, और महिलाओं पर शोषण जैसे गंभीर मुद्दों को उठाया था। निर्देशक की गहरी सोच और कलाकारों के शानदार अभिनय ने इसे बेहद प्रभावशाली बना दिया था। फिल्म की कहानी 19वीं सदी के बंगाल पर आधारित है। यह ताराशंकर बंद्योपाध्याय की लघुकथा 'प्रतिमा' से प्रेरित है। फिल्म में जमींदार भुवनेश्वर चौधरी (जैकी श्रॉफ) को दिखाया गया, जो सामाजिक प्रतिष्ठा पाने के लिए दो महिलाओं (रूपा गांगुली और सोहा अली खान) का शोषण करता है।

फिल्म में जमींदार भुवनेश्वर चौधरी (जैकी श्रॉफ) की दो बड़ी इच्छाएं हैं- एक उसके बेटा हो और दूसरा कि वह ब्रिटिश राज में रायबहादुर की उपाधि हासिल करे। यह उपाधि अंग्रेज सरकार अमीर और प्रभावशाली लोगों को बेहतरीन सेवा के लिए देती थी, लेकिन भुवनेश्वर दोनों में नाकाम रहता है। वह अपनी पहली पत्नी महामाया (रूपा गांगुली) को घर से निकाल देता है क्योंकि वह उसे वारिस नहीं दे पाती है। इसके बाद वह दूसरी शादी करता है। उसकी दूसरी पत्नी का रोल सोहा अली खान ने निभाया है।

'अंतर्महल' ने समाज की कड़वी सच्चाई को बेबाकी से पेश किया। जैकी श्रॉफ का किरदार तानाशाह जमींदार का प्रतीक है, जो सत्ता के नशे में महिलाओं को कुचलता है। फिल्म आज भी प्रासंगिक है, क्योंकि यह स्त्री शोषण पर गहरा सवाल उठाती है।

एक दीवाने की दीवानियत ने कमाए 52.25 करोड़ रुपए, अंशुल गर्ग बोले

मुझे इसकी उम्मीद नहीं थी

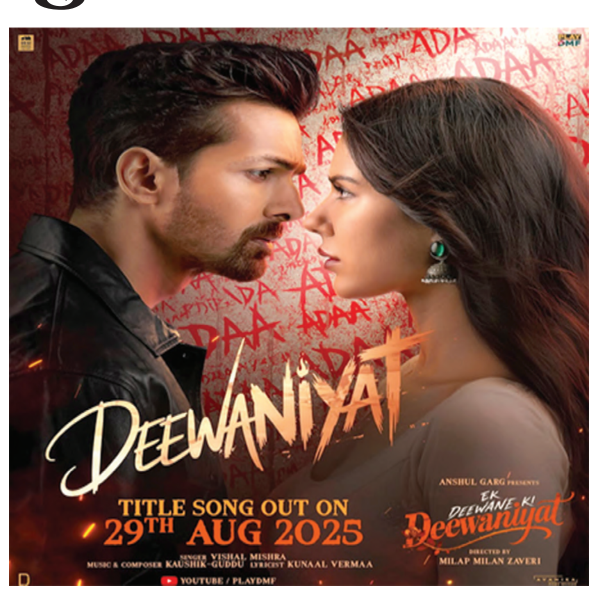

लंबे समय से म्यूजिक प्रोड्यूसर के रूप में दर्शकों का मनोरंजन करने वाले अंशुल गर्ग अब फिल्म प्रोडक्शन में भी अपनी पहचान बना रहे हैं। उनकी पहली फिल्म 'एक दीवाने की दीवानियत' रिलीज होने के कुछ ही हफ्तों में बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही है। 21 अक्टूबर को रिलीज रोमांटिक ड्रामा ने अब तक 52.25 करोड़ रुपए की कमाई कर ली है। अंशुल गर्ग इस सफलता को लेकर काफी खुश हैं। उन्होंने माना कि उन्हें इस तरह की प्रतिक्रिया की उम्मीद नहीं थी। अंशुल गर्ग ने कहा, ''सच कहूं तो, मैं फिल्म के पहले दिन, दूसरे दिन और तीसरे दिन की इतनी बड़ी सफलता की उम्मीद नहीं कर रहा था। मुझे थोड़ी बहुत उम्मीद थी कि फिल्म अच्छा करेगी, लेकिन इस तरह की शानदार प्रतिक्रिया ने मुझे हैरान कर दिया।''

जब उनसे फिल्म निर्माण में कदम रखने के जोखिम और चुनौतियों के बारे में पूछा, तो उन्होंने कहा, मेरे लिए यह एक तरह का जुआ था। म्यूजिक मेरी पहचान है। मुझे विश्वास था कि अगर फिल्म से ज्यादा फायदा नहीं भी मिलता, तो मैं म्यूजिक के जरिए उसकी लागत वसूल कर ही लूंगा। मैंने यह फिल्म इसलिए बनाने का निर्णय लिया, क्योंकि मुझे कहानी और कलाकार दोनों ही बहुत पसंद थे। यही वजह थी कि मैंने इस प्रोजेक्ट को तुरंत अपनाया और फिल्म का निर्माण किया।अंशुल गर्ग ने बताया कि फिल्मों के प्रोडक्शन में आने का उनका सपना पुराना है। यह कोई अचानक लिया गया फैसला नहीं था। उन्होंने हमेशा सोचा था कि एक दिन वह फिल्मों के क्षेत्र में भी कदम रखेंगे। इस फिल्म ने उनके जीवन में अचानक प्रवेश किया और उन्होंने मौके का फायदा उठाते हुए इसे बनाने का निर्णय तुरंत लिया।

'एक दीवाने की दीवानियत' मिलाप जावेरी द्वारा निर्देशित एक रोमांटिक ड्रामा फिल्म है। फिल्म में हर्षवर्धन राणे और सोनम बाजवा मुख्य भूमिका में हैं। इसके अलावा शाद रंधावा, सचिन खेड़कर, अनंत नारायण महादेवन और राजेश खेड़ा भी फिल्म में अहम किरदार निभा रहे हैं।

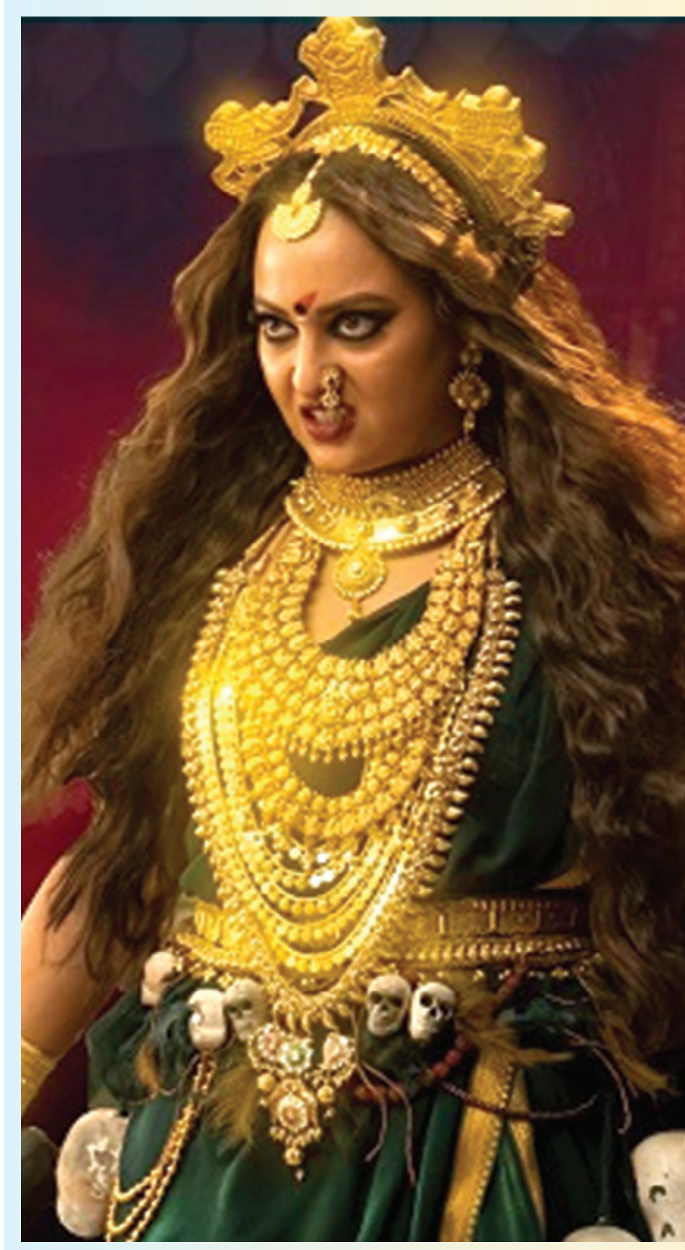

सोनाक्षी सिन्हा का 'धन पिशाचिनी' लुक तीन महीने की रिसर्च का नतीजा : प्रेरणा अरोड़ा

फिल्म 'जटाधारा' के साथ सोनाक्षी सिन्हा स्क्रीन पर अब तक दिखाई गई सबसे रहस्यमयी और दिव्य मिथकीय शक्तियों में से एक 'धन पिशाचिनी' को जीवंत करने जा रही हैं, जो विशेष रूप से दिव्य ऊर्जा, रहस्य और ब्रह्मांडीय संतुलन का प्रतीक है। इस बेहद रहस्यमयी किरदार के बारे में जब फिल्म की निर्मात्री प्रेरणा अरोड़ा से बात की गई तो उन्होंने इस पर विस्तार से बात की क्योंकि इस चरित्र के क्रिएटिव रिसर्च और विज़ुअल आइडिएशन का नेतृत्व उन्होंने ही किया है। उन्होंने बताया, धन पिशाचिनी असल मायनों में ऊर्जा का दिव्य रूप है। डायरेक्टर्स के पास उनके लुक की एक सोच थी, लेकिन मैंने उसे थोड़े अलग अंदाज़ में देखा। कई चर्चाओं और स्केचेज़ के बाद हम एक ऐसा लुक तैयार कर पाए, जो सिनेमाई रूप से भव्य भी हो और पौराणिक रूप से सच्चा भी। हमने लगभग तीन महीने सिर्फ उनके आभा, गहनों और संपूर्ण डिज़ाइन पर रिसर्च की, ताकि वह सौंदर्य और शक्ति दोनों का संतुलित रूप बन सके। पिशाचिनी न देवी है, न दानवी, बल्कि वह एक ऐसी ऊर्जा है, जो अच्छाई और बुराई, सुंदरता और भय दोनों को समान रूप से धारण करती है।

माना जाता है की 'धन पिशाचिनी' की अवधारणा समुद्र मंथन की कथा से प्रेरित है। जब भगवान शिव ने विषपान कर ब्रह्मांड को विनाश से बचाया, तब उनकी बूंदों से धरती पर कुछ दिव्य स्त्रैण शक्तियाँ उत्पन्न हुईं और उन्हें ही 'पिशाचिनी' कहा गया। हालांकि इस संदर्भ में फिल्म के निर्देशक वेंकट कल्याण बताते हैं, हम चाहते थे कि पिशाचनी दिव्य दिखे, लेकिन साथ ही भयभीत करने वाली भी। वह न पूजा की जाती है, न डर का प्रतीक है, बल्कि वह स्वयं सृष्टि की द्वैतता का प्रतिनिधित्व करती है। उसका लुक, उसकी दृष्टि, उसकी आभा, सब कुछ ऐसा रचा गया है कि दर्शक एक साथ विस्मय और श्रद्धा दोनों महसूस करें।

गौरतलब है कि कॉस्ट्यूम डिज़ाइनर मोहित ने सोनाक्षी के हर लुक पर बारीकी से काम किया है, फिर वह चाहे उनके परिधान हों या उनके गहने हों। उनके बनाए हर विवरण में धन अर्थात समृद्धि के साथ ऊर्जा और ब्रह्मांडीय संतुलन की झलक भी मिलती है। हालांकि अब जब फिल्म से सोनाक्षी का यह लुक उनके दर्शकों के सामने आ चुका है, तो तीन महीने की इस गहन तैयारी के बाद सोनाक्षी सिन्हा का यह मिथकीय रूप 'जटाधारा' की सबसे प्रभावशाली और चर्चित विज़ुअल झलकियों में से एक बन चुकी है।

मोहनलाल की बेटी विस्मया थुडक्कम से मलयालम सिनेमा में करेंगी डेब्यू

मलयालम सिनेमा के मशहूर अभिनेता और दादा साहब फाल्के पुरस्कार विजेता मोहनलाल की बेटी विस्मया मोहनलाल भी फिल्मों में काम करने जा रही हैं। वह जूड एंथनी जोसेफ के निर्देशन में बन रही फिल्म 'थुडक्कम' से मलयालम सिनेमा में डेब्यू करेंगी। इस फिल्म का निर्माण आशीर्वाद सिनेमा के तहत एंटनी पेरुंबवूर कर रहे हैं। फिल्म की पूजा सेरेमनी गुरुवार को कोच्चि में आयोजित की गई, जो मलयालम सिनेमा के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर था। इस कार्यक्रम में बोलते हुए अभिनेता मोहनलाल ने कहा कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि उनके दोनों बच्चे उनके जैसे फिल्मों में आएंगे। उन्होंने कहा, जब मैं छठी कक्षा में था, तब मैंने सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार जीता था, बाद में मेरे बेटे अप्पू (प्रणव) ने भी ऐसा किया। लेकिन, मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं अभिनेता बनूंगा, न ही मेरे बच्चों ने ऐसा सोचा था। मेरी बेटी का नाम विस्मया इसलिए रखा गया है क्योंकि मेरा जीवन हमेशा आश्चर्यों से भरा रहा है।

मोहनलाल ने आगे कहा, जब उन्होंने अभिनय करने का फैसला किया, तो हमने उन्हें पूरा समर्थन दिया। मेरे दोनों बच्चों को अब कड़ी मेहनत करनी होगी, मैं तो बस एक प्रेरक की भूमिका निभा सकता हूं।

एंटनी पेरुंबवूर के बेटे भी इस फिल्म में हैं। उनका जिक्र करते हुए मोहनलाल ने मजाकिया लहजे में कहा, फिल्म में एंटनी के बेटे की भी एक अहम भूमिका है, लेकिन यह कोई नेपोटिज्म का मामला नहीं है। यह सुनकर सभी लोग हंसने लगे।

मोहनलाल की पत्नी सुचित्रा ने कहा, मैं विस्मया की मां के तौर पर बोल रही हूं, मोहनलाल की पत्नी के तौर पर नहीं। जब वह आठ साल की थी और अप्पू 12 साल का था, तब हमने एक छोटी सी घरेलू फिल्म बनाई थी। यह हमारे लिए खास साल है। मोहनलाल को फाल्के पुरस्कार मिला, अप्पू की नई फिल्म रिलीज हुई है, और विस्मया ने अपना करियर शुरू किया है।

निर्देशक जूड एंथनी जोसेफ ने स्वीकार किया कि वह विस्मया से अधिक तनाव में थे और इस पल को यादगार बताया। उन्होंने कहा, मैं मोहनलाल का फैन बनकर बड़ा हुआ हूं और अब मैं उनकी बेटी को निर्देशित कर रहा हूं। यह मेरे लिए बहुत ही भावुक पल है।आशीर्वाद सिनेमा की स्थापना 1999 में एंटनी पेरुंबवूर ने की थी, वह इस फिल्म के निर्माता हैं।

सोनू निगम ने कश्मीर की वादियों में बिताए अनमोल पल, डल झील को बताया कश्मीर का रत्न

मशहूर गायक सोनू निगम ने हाल ही में कश्मीर की यात्रा की और वहां की प्राकृतिक सुंदरता का लुत्फ उठाया। बुधवार को इस बात की जानकारी देते हुए अभिनेता ने कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं। सोनू निगम ने इंस्टाग्राम पर कुछ खूबसूरत तस्वीरें पोस्ट कीं। इन तस्वीरों में गायक शिकारा पर बैठे हुए चारों तरफ पहाड़ों और खूबसूरत वादियों का लुत्फ उठा रहे हैं। उन्होंने तस्वीरें पोस्ट कर कैप्शन में लिखा, कश्मीर का रत्न- डल झील। तस्वीरें देख फैंस काफी उत्साहित नजर आ रहे हैं और वे कमेंट सेक्शन में प्यार बरसा रहे हैं और तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं।

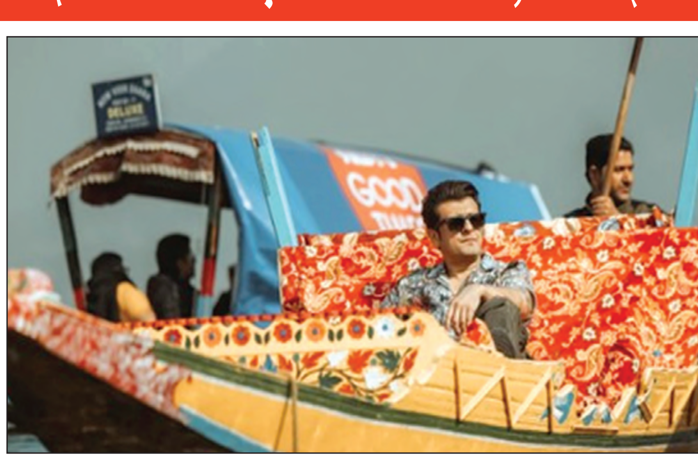

बात करें कश्मीर के रत्न डल झील की, तो इसे श्रीनगर की शान और जम्मू-कश्मीर का सबसे ज्यादा आकर्षक पर्यटन स्थल माना जाता है। यहां की हाउसबोट्स, शिकारे और फूलों से सजे बाजार पर्यटकों को काफी पसंद आते हैं।

वहीं, कश्मीर और बॉलीवुड का रिश्ता लगभग 1949 से शुरू हुआ है, जब दिग्गज अभिनेता राज कपूर ने वहां पर सुपरहिट फिल्म 'बरसात' के कुछ सीन्स शूट किए थे। उसके बाद से ही कश्मीर के दृश्यों से सजी कई बॉलीवुड फिल्में रिलीज हुई थीं। बताया जाता है कि कश्मीर बॉलीवुड का मनपसंद स्पॉट भी बन गया था।

यश चोपड़ा ने तो कश्मीर को रोमांस का पर्याय ही बना दिया था। उन्होंने 'कश्मीर की कली' और 'सिलसिला' जैसी कई फिल्मों के सीन्स डल झील और गुलमर्ग में ही शूट किए थे। गीत-संगीत भी यहां की सुंदरता से प्रेरित थे। 'ये चांद सा रोशन चेहरा' से लेकर 'जरा सी आहट होती है' तक, कश्मीर ने अनगिनत हिट गाने दिए हैं।

सोनू निगम को 'आधुनिक रफी' के नाम से जाना जाता है। करियर की शुरुआत में उन्होंने कई एल्बम में मोहम्मद रफी के गाने गाए और इससे उन्हें काफी लोकप्रियता भी मिली। हिंदी और कन्नड़ के अलावा, उन्होंने बंगाली, मराठी, तेलुगू, तमिल, उड़िया, अंग्रेजी, असमिया, मलयालम, गुजराती, भोजपुरी, नेपाली, तुलु, मैथिली और मणिपुरी में भी गीत गाए हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आपको कामकाज के मोर्चे पर धक्का लग सकता है, क्योंकि आपकी सेहत आपके साथ नहीं है और इसके चलते आपको कोई ज़रूरी काम अधर में ही छोड़ना पड़ सकता है। ऐसे हालात में धैर्य और होशियारी से काम लें। जो लोग लघु उद्योग करते हैं उन्हें आज के दिन अपने किसी करीबी की कोई सलाह मिल सकती है जिससे उन्हें आर्थिक लाभ होने की संभावना है। बच्चे आपको अपनी उपलब्धियों से गर्व का अनुभव कराएंगे। आपको अपनी ओर से सबसे अच्छा बर्ताव करने की ज़रूरत है, जब आपको लगता है कि आपके पास घर वालों या अपने दोस्तों के लिए टाइम नहीं है तो आपका मन खराब हो जाता है ।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आपका बच्चों जैसा भोला स्वभाव फिर सतह पर आ जाएगा और आप शरारती मनोदशा में होंगे। जेवर और एंटीक में निवेश फ़ायदेमंद रहेगा और समृद्धि लेकर आएगा। बच्चे को अपनी उम्मीदों के मुताबिक़ प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित करें। हालाँकि किसी चमत्कार की उम्मीद न करें। आपका प्रोत्साहन निश्चित तौर पर बच्चे का आत्मविश्वास बढ़ाएगा।धन को इतनी अहमियत न दें कि आपके रिश्ते ही खराब हो जाएँ। यह बात याद रखें कि धन मिल सकता है लेकिन रिश्ते नहीं।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

अगर आप यात्रा पर जाने वाले हैं तो अपने कीमती सामान का ध्यान रखें उसके चोरी होने की संभावना है। खासकर अपने पर्स को आज बहुत संभालकर रखें। घर पर कोशिश करें कि कोई आपकी वजह से आहत न हो और परिवार की ज़रूरतों के मुताबिक़ ख़ुद को ढालें। आज आपके पास लोगों से मिलने–जुलने का और अपने शौक़ पूरे करने का पर्याप्त खाली वक़्त है । जीवनसाथी के साथ आपका रिश्ता मज़बूत होगा। जब आपके पास ज़्यादा खाली समय हो, तो नकारात्मक विचार आपको ज़्यादा परेशान करते हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

मौज–मस्ती और मनपसंद काम करने का दिन है। आज आपकी कोई बुरी आदत आपके प्रेमी को बुरी लग सकती है और वो आपसे नाराज हो सकते हैं। आज आप कोई नई पुस्तक खरीदकर किसी कमरे में खुद को बंद करके पूरा दिन गुजार सकते हैं। जीवनसाथी के साथ हँसते–खिलखिलाते, हर पल के मज़े लेते हुए आप महसूस करेंगे कि आप किशोरावस्था में लौट गए हैं। आध्यात्म की ओर आज आपका झुकाव देखा जा सकता है और आप किसी आध्यात्मिक गुरु से मिलने जा सकते हैं।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

अपने नकारात्मक रवैये के चलते आप प्रगति नहीं कर पा रहे हैं। जो लोग अब तक पैसे को बेवजह खर्च कर रहे थे आज उन्हें समझ आ सकता है कि पैसे की जीवन में क्या अहमियत है क्योंकि आज अचानक आपको पैसे की जरुरत पड़ेगी और आपके पास पर्याप्त धन नहीं होगा। आपका अड़ियल स्वभाव आपके माता–पिता का चैन छीन सकता है। बिना किसी को बताए आज आप अकेले वक्त बिताने घर से बाहर जा सकते हैं। लेकिन आप अकेले तो होंगे लेकिन शांत नहीं आपके दिल में आज के दिन कई चिंताएं हैं होंगी।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

अगर मुमकिन हो तो लम्बे सफ़र पर जाने से बचें, क्योंकि लम्बी यात्राओं के लिए अभी आप कमज़ोर हैं और उनसे आपकी कमज़ोरी और बढ़ेगी। किसी भी तरह का निवेश करने से पहले उस व्यक्ति के बारे में भली–भांति जाँच–पड़ताल कर लें। दोस्तों के साथ शाम को घूमने बाहर जाएँ, इससे आपको बहुत फ़ायदा होगा। आज आप अपने प्रेमी के साथ कहीं घूमने का प्लान बनाएंगे लेकिन किसी जरुरी काम के आने की वजह से यह प्लान कामयाब नहीं हो पाएगा जिसकी वजह से आप दोनों के बीच कहासुनी हो सकती है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज इस राशि के कुछ बेरोजगार लोगों को नौकरी मिल सकती है जिससे उनकी आर्थिक स्थिति सुधरेगी। आपमें से कुछ गहने या घरेलू सामान ख़रीद सकते हैं। बेवजह का शक रिश्तों को खराब करने का काम करता है। आपको भी अपने प्रेमी पर शक नहीं करना चाहिए। यदि किसी बात को लेकर आपके मन में उनके प्रति संशय है तो उनके साथ बैठकर हल निकालने की कोशिश करें। शाम का वक्त अच्छा रहे इसके लिए आपको दिनभर मन लगाकर काम करने की जरुरत है। लंबे समय से कामकाज का दबाव आपके वैवाहिक जीवन के लिए कठिनाई खड़ा कर रहा है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आपका स्पष्ट और निडर नज़रिया आपके दोस्त के अहम्को ठेस पहुँचा सकता है। आज आप आसानी से पैसे इकट्ठा कर सकते हैं– लोगों को दिए पुराने कर्ज़ वापिस मिल सकते हैं– या फिर किसी नयी परियोजना पर लगाने के लिए धन अर्जित कर सकते हैं। आपको ख़ुश रखने के लिए आपके बच्चे जो कुछ बन पड़ेगा, वह करेंगे। अगर आप यात्रा कर रहें है तो सभी ज़रूरी दस्तावेज़ साथ रखना न भूलें। अपने जीवनसाथी के चलते आप महसूस करेंगे कि स्वर्ग धरती पर ही है। माता के साथ आज आप अच्छा समय बिता सकते हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

अपने स्वास्थ्य को लेकर ज़्यादा चिंता न करें, क्योंकि इससे आपकी बीमारी और बिगड़ सकती है। आज के दिन आपको अपने उन दोस्तों से बचकर रहने की जरुरत है जो आपसे उधार मांगते हैं और फिर उसे लौटाते नहीं हैं। आपको बच्चों या ख़ुद से कम अनुभवी लोगों के साथ धैर्य से काम लेने की ज़रूरत है। जो लोग अपने प्रेमी से दूर रहते हैं उन्हें आज अपने प्रेमी की याद सता सकती है। आज लोग आपकी वह प्रशंसा करेंगे, जिसे आप हमेशा से सुनना चाहते थे। किसी दोस्त की सहायता करके आज आप अच्छा महसूस कर सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

लंबे समय से चली आ रही अपनी बीमारी का इलाज अपनी मुस्कान से करें, क्योंकि यह सभी परेशानियों की सबसे कारगर दवा है। बीते दिनों में जितना धन आपने आज को बेहतर बनाने के लिए इनवेस्ट किया था उसका फायदा आज आपको फायदा मिल सकता है। एक पारिवारिक आयोजन में आप सभी के ध्यान का केन्द्र होंगे। कोई आपको दिल से सराहेगा। शादीशुदा ज़िन्दगी के नज़रिए से चीज़ें काफ़ी अच्छी रहेंगी। जीवन की उलझनों का हल आपको खुद ढूंढने की जरुरत है क्योंकि लोग आपको बस सलाह दे सकते हैं और कुछ नहीं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आउटडोर खेल आपको आकर्षित करेंगे– ध्यान और योग आपको फ़ायदा पहुँचाएंगे। आज किसी करीबी से आपका झगड़ा हो सकता है और बात कोर्ट कचहरी तक जा सकती है। जिसकी वजह से आपका अच्छा खास धन खर्च हो सकता है। नाती–पोतों से आज काफ़ी ख़ुशी मिल सकती है। व्यक्तिगत मार्गदर्शन आपके रिश्ते में सुधार लाएगा। परोपकार और सामाजिक कार्य आज आपको आकर्षित करेंगे। अगर आप ऐसे अच्छे कामों में थोड़ा समय लगाएँ, तो काफ़ी सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अपनी बीमारी के बारे में चर्चा करने से बचें। ख़राब तबियत से ध्यान हटाने के लिए कोई और दिलचस्प काम करें। क्योंकि इस बारे में आप जितनी ज़्यादा बातें करेंगे, उतनी ही ज़्यादा तकलीफ़ आपको होगी। आपके पिता की कोई सलाह आज कार्यक्षेत्र में आपको धन लाभ करा सकती है. ऐसे काम करें जिनसे आपको ख़ुशी मिले, लेकिन दूसरों के मामलों में दख़लअंदाज़ी से बचें। अपने घर परिवार के साथ समय बिताने की जरुरत है। आपका जीवनसाथी आपको इतना बेहतरीन पहले कभी महसूस नहीं हुआ। आपको उनसे कोई बढ़िया सरप्राइज़ मिल सकता है। आपके दोस्त आपके काम नहीं आते यह शिकायत आज आपको हो सकती है।

आज का पंचांग

दिनांक : 31 अक्टूबर 2025 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2082
मास : कार्तिक , शुक्ल पक्ष
तिथि : नवमी प्रातः 10:05 तक
नक्षत्र : धनिष्ठा रात्रि 06:51 तक
योग : गण्ड प्रातः 06:15 तक
करण : कौलव प्रातः 10:05 तक
चन्द्रराशि : मकर प्रातः 06:48 तक
सूर्योदय : 06:14, सूर्यास्त 05:45 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:13, सूर्यास्त 05:53 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:06, सूर्यास्त 05:45 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:04, सूर्यास्त 05:37 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रातः 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : अक्षय–आंवला नवमी , युगादि तिथि ,
पंचक प्रातः 06:48 से , कार्तिक मासे दीपदान विशेष:

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

ऐतिहासिक इमारतों के निर्माण के लिए बने प्रकोष्ठ : भजनलाल

जयपुर,30 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि विकास के साथ–साथ विरासत का संरक्षण के संकल्प को साकार करने की दिशा में राज्य सरकार आस्था धामों और पर्यटक स्थलों के विकास के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रही है। उन्होंने अधिकारियों को प्रदेश के गौरवशाली इतिहास, प्राचीन धरोहर और धार्मिक पर्यटक स्थलों के विकास और पुनर्विकास कार्यों को प्राथमिकता देते हुए तय समय में पूरा करने के लिए निर्देशित किया। साथ ही, ऐतिहासिक इमारतों के निर्माण के लिए विशेष प्रकोष्ठ के गठन के लिए निर्देशित भी किया।

शर्मा गुरूवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में महाराणा प्रताप टूरिस्ट सर्किट, पूंछरी का लौठा और तनोट माता मंदिर के विकास और पुनर्विकास कार्यों के संबंध में आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आमजन को वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप के जीवन से परिचित कराने तथा उनके शौर्य की गाथा जन–जन तक पहुंचाने के लिए राज्य सरकार महाराणा प्रताप टूरिस्ट सर्किट विकसित कर रही है। इस सर्किट में महाराणा प्रताप के जीवन से जुड़े विभिन्न स्थलों जैसे, चावंड, हल्दीघाटी, गोगुंदा, कुंभलगढ़, दिवेर, उदयपुर आदि को सम्मिलित किया गया है, जिसके लिए 100 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को चावंड में महाराणा प्रताप के समाधि स्थल को सुनियोजित रूप से विकसित करने के निर्देश दिए। उन्होंने यहां प्रवेश द्वार और ब्रिज के कार्यों के संबंध में विशेष निर्देश प्रदान करते हुए पर्यटकों के लिए आवश्यक सुविधाएं विकसित करने के निर्देश दिए। श्री शर्मा ने हल्दीघाटी में महाराणा प्रताप के स्वामीभक्त घोड़े चेतक के ऐतिहासिक एवं विशाल स्मारक की रूपरेखा के संबंध में विशेष दिशा–निर्देश भी प्रदान किए।

शर्मा ने अधिकारियों को जैसलमेर स्थित तनोट माता मन्दिर में पुनर्विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए यहां श्रद्धालुओं के ठहरने की उचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने मंदिर के प्रवेश द्वार और धर्मशाला के साथ ही संपर्क सड़कों के निर्माण के लिए भी विशेष दिशा–निर्देश प्रदान किए।

मुख्यमंत्री ने पूंछरी का लौठा और गोवर्धन परिक्रमा के प्रगतिरत विकास कार्यों के संबंध में अधिकारियों को निविदा प्रक्रिया में गति लाने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि विभिन्न चरणों में विकसित होने वाले इस पावन धाम पर श्रद्धालुओं को विश्वस्तरीय सुविधाएं प्रदान की जाएं।

दिया कुमारी से मिली एलिसाबेट फाउर

जयपुर,30 अक्टूबर (एजेंसियां)। उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी से संयुक्त राष्ट्र विश्व खाद्य कार्यक्रम (भारत) की कंट्री डायरेक्टर एलिसाबेट फाउर एवं उनकी टीम ने गुरूवार को सचिवालय में मुलाकात कर, राजस्थान में बाल पोषण और महिला सशक्तिकरण को मज़बूत करने के उपायों पर चर्चा की। बैठक में राजस्थान सरकार की महिलाओं एवं बालिकाओं के सशक्तिकरण के लिए चलाई जा रही योजनाओं जैसे–लाडो प्रोत्साहन योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना में राज्य सरकार की ओर से दी जा रही अतिरिक्त राशि, न्यूट्री किट योजना आदि की जानकारी दी गई। उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने इस अवसर पर कहा कि यह बहुत ही प्रसन्न और उत्साहित होने का विषय है कि संयुक्त राष्ट्र विश्व खाद्य कार्यक्रम (भारत) के सहयोग से स्वयं सहायता समूहों को सहयोग देने से लेकर हमारे बच्चों को बेहतर पोषण और शिक्षा प्रदान करने तक में नई संभावनाएँ खुल सकती हैं। हम सब मिलकर एक स्वस्थ और सशक्त राजस्थान की ओर लगातार कदम बढ़ा रहे हैं। उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी का कंट्री डायरेक्टर सुश्री एलिसाबेट फाउर ने महिला एवं बाल विकास विभाग, राजस्थान सरकार द्वारा अब तक दिए गए सहयोग के लिए आभार जताया। उन्होंने इसके साथ ही महिलाओं एवं बच्चों के पोषण तथा बच्चों की प्री–स्कूल शिक्षा के लिए भारत सरकार और राजस्थान सरकार के द्वारा किये जा रहे नवाचारों की सराहना भी की।महिला एवं बाल विकास, शासन सचिव महेंद्र सोनी ने बताया कि संयुक्त राष्ट्र विश्व खाद्य कार्यक्रम (भारत) की ओर से जयपुर की पांच परियोजनाओं में पूरक पोषाहार सप्लाई में तकनीकी सहयोग किया जा रहा है। राजस्थान में प्री स्कूल शिक्षा के क्षेत्र में भी काफ़ी नवाचार किए जा रहे हैं। साथ ही इस राज्य सरकार द्वारा दिए गए 275 करोड़ के अतिरिक्त बजट तथा CSR पार्टनर के साथ भी आंगनवाड़ी केंद्रों के इंफ्रास्ट्रक्चर में सुधार का काम बड़े स्तर पर हाथ में लिया गया है।

कल से सरस का दूध होगा महंगा

चित्तौड़गढ़,30 अक्टूबर (एजेंसियां)। चित्तौड़गढ़ प्रतापगढ़ दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लिमिटेड ने एक नवंबर से दूध की दरो मे वृद्धि का फैसला लिया है। एक नवंबर से उपभोक्ताओं को सरस का दूध एक रूपये से लेकर पांच रुपए प्रति लीटर महंगा मिलेगा। संघ ने स्टैण्डर्ड मिल्क व चाय साथी की दरो मे कोई बढ़ोतरी नाही करने का भी निर्णय लिया है। मिली जानकारी के अनुसार एक नवंबर शाम से फुल क्रीम मिल्क (गोल्ड) आधा व एक लीटर पैकिंग 66 ₹ प्रति लीटर तथा छह लीटर की पैकिंग 65 ₹ प्रति लीटर मिलेगी। इसी तरह डबल टोंड (स्मार्ट) दूध 200 मिली. पैकिंग 45 ₹ प्रति लीटर, आधा व एक लीटर पैकिंग 42 ₹ प्रति लीटर तथा छह लीटर की पैकिंग 41 ₹ प्रति लीटर, टोंड (ताज़ा) दूध 250 मिली की पैकिंग 56 ₹ प्रति लीटर, आधा व एक लीटर पैकिंग 54 ₹ प्रति लीटर तथा छह लीटर की पैकिंग 53 ₹ प्रति लीटर तथा स्कीम मिल्क छह लीटर वाली पैकिंग अब 37 के स्थान पर 38 ₹ प्रति लीटर मिलेगा। संघ ने स्टैण्डर्ड मिल्क व चाय साथी की दरो मे कोई बढ़ोतरी नही करने का भी निर्णय लिया है। सरस दूध की बढ़ी हुई दरे एक नवंबर शाम से प्रभावी रहेगी।

राजस्थान में आवासन मंडल अब रीसाइक्लिड प्लास्टिक से बनाएगा सड़कें, चेयरमैन ने दिए निर्देश

जयपुर,30 अक्टूबर (एजेंसियां)। नगरीय विकास विभाग के प्रमुख शासन सचिव एवं मंडल अध्यक्ष देबाशीष पृष्टी की अध्यक्षता में गुरुवार को राजस्थान आवासन मंडल की 252वीं बोर्ड बैठक मंडल मुख्यालय में आयोजित हुई। बैठक में मंडल अध्यक्ष द्वारा बुधवार नीलामी व प्रीमियम संपत्तियों की नीलामी को मिल रही सकारात्मक प्रतिक्रिया को आमजन का भरोसा बताया गया। उन्होंने शहरी सेवा शिविर दौरान आयोजित शिविरों में मण्डल द्वारा किए गए कार्यों पर भी संतोष व्यक्त किया। अध्यक्ष ने मिशन मोड में भूमि चिन्हांकन कर नई आवासीय योजनाएं शुरू करने और ड्रोन सर्वे के निर्देश भी दिए। आवासन अध्यक्ष ने निर्माण कार्यों में गुणवत्ता को बेहतर और त्वरित बनाने के लिए बोर्ड की अपनी खुद की NBL प्रमाणित लैब बनाने के निर्देश भी दिये।

अध्यक्ष पृष्टि ने कहा कि राज्य सरकार की रीसायकल, रिड्यूस और रियूज की भावना के अनुरूप मण्डल सड़क निर्माण में निर्धारित मानकों के अनुसार रीसाइकल्ड प्लास्टिक का उपयोग करे, साथ ही नवीन आवास और भवन निर्माण में भी ग्रीन बिल्डिंग पद्धति का उपयोग किया जाए। बैठक में विभिन्न आवासीय योजनाओं के विकास कार्यों तथा सिटी पार्क जयपुर के विकास कार्यों के लिए प्रशासनिक व वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई।

सरदार150 राष्ट्रीय एकता समारोह के तहत विभिन्न प्रतियोगिताएं आज

जयपुर,30 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुख्य सचिव सुधांश पंत ने कहा कि सरदार150 राष्ट्रीय एकता समारोह, खेलो इंडिया एवं धरती आबा अभियान के तहत प्रदेशभर में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के सफल क्रियान्वयन के लिए सभी सम्बंधित विभाग आपसी समन्वय से कार्य करें। उन्होंने कहा कि कार्यक्रमों में आमजन की अधिकाधिक सहभागिता को सुनिश्चित किया जाए। पंत ने गुरुवार को शासन सचिवालय में इन आयोजनों की आवश्यक तैयारियों के संबंध में आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि 31 अक्टूबर को सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर प्रत्येक जिले में सरदार150 राष्ट्रीय एकता समारोह के तहत आयोजित किए जाने वाले एकता मार्च, पदयात्रा, विभिन्न प्रतियोगिताओं एवं अन्य गतिविधियों में पर्याप्त जनसहभागिता सुनिश्चित की जाए। कार्यक्रम के तहत प्रत्येक संसदीय क्षेत्र में 10–25 किलोमीटर पदयात्रा का आयोजन किया जाएगा एवं पदयात्रा के मार्गों पर सरदार वल्लभभाई पटेल को श्रद्धांजलि भी अर्पित की जाएगी।

प्रदेश में आगामी 24 नवंबर से आयोजित होने वाले खेलो इंडिया गेम्स के सफल आयोजन के संबंध में उन्होंने निर्देश दिए कि प्रतिभागी खिलाड़ियों के लिए आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करने से लेकर अन्य सभी व्यवस्थाएं सुचारू रूप संपादित करने के लिए संबंधित विभाग आपस में समन्वय से कार्य करें। साथ ही, इस अवसर पर राज्य में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन एवं सार्वजनिक स्थानों पर प्रदेश के गौरवशाली सांस्कृतिक परिदृश्यों का प्रदर्शन भी किया जाए।

भाजपा सरकार की नाकामी ने जनता की सांसों पर संकट खड़ा किया : राव नरेंद्र सिंह

चंडीगढ़,30 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा कांग्रेस अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने राज्य में लगातार बढ़ते वायु प्रदूषण और खराब होती हवा की गुणवत्ता पर गहरी चिंता व्यक्त की है। राव नरेंद्र सिंह ने कहा कि भाजपा सरकार की नीतियों और कुप्रबंधन ने हरियाणा को 'प्रदूषण के धुंधलके' में धकेल दिया है। सरकार के पास न कोई ठोस नीति है, न कोई तात्कालिक कार्ययोजना। नतीजा यह है कि लोग ज़हर भरी हवा में साँस लेने को मजबूर हैं। उन्होंने कहा कि जब राजधानी दिल्ली में प्रदूषण रोकने के लिए विशेष योजनाएं, वायु गुणवत्ता नियंत्रण दल और नियमित निगरानी की जा रही है, तब हरियाणा सरकार सिर्फ़ बयानबाज़ी और लीपापोती में व्यस्त है।प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि राज्य के कई शहर ' खराब से ख़तरनाक' श्रेणी में पहुँच चुके हैं। यह स्थिति जनस्वास्थ्य के लिए भयानक है। अस्पतालों में सांस, एलर्जी, अस्थमा और आंखों के संक्रमण के मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है।

ज्यादा से ज्यादा फसलों में सीधी बुआई की संभावनाओं को तलाशें : श्याम सिंह राणा

चंडीगढ़,30 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे प्रदेश में ज्यादा से ज्यादा फसलों में सीधी बुआई की सम्भावनाओं को तलाशें ताकि सिंचाई के लिए पानी और जुताई पर आने वाले खर्च को बचाया जा सके, इससे किसान की फसल को तैयार करने के लिए आने वाली लागत में भी कमी आएगी। राणा अपने कार्यालय में कृषि, बागवानी, हरियाणा राज्य भंडारण निगम लिमिटेड तथा हरियाणा राज्य कृषि विपणन बोर्ड से संबंधित बजट –घोषणाओं तथा सरकार के संकल्प –पत्र के वायदों की समीक्षा–बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। कृषि मंत्री ने मेरा पानी मेरी विरासत योजना की समीक्षा करते हुए कहा कि पानी की उपलब्धता सीमित है, इसलिए किसानों को कम पानी से तैयार होने वाली फसलों की तरफ प्रोत्साहित करना चाहिए।

उन्होंने पंचकूला जिला के पहाड़ी क्षेत्र मोरनी के किसानों के लिए विशेष कार्य योजना बनाने के निर्देश दिए ताकि छोटे – छोटे ढलान वाले खेतों में किसान अपनी अच्छी फसल ले सकें। उन्होंने यह भी कहा कि हरियाणा में कहीं बालू रेत के टिब्बे हैं, कहीं पहाड़ी क्षेत्र तो कहीं समतल जमीन है। किसी खास क्षेत्र को देखते हुए उस क्षेत्र के किसानों के लिए भी योजना में तबदीली करने की संभावनाओं पर विचार करें, बशर्ते किसान को अधिक से अधिक लाभ होना चाहिए। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री ने वर्तमान राज्य सरकार के एक वर्ष पूर्ण होने पर योजनाओं की समीक्षा करते हुए उन्होंने योजनाओं को महिला–उन्मुखी बनाने पर जोर दिया। उन्होंने महिलाओं को बिना ब्याज एक लाख रुपये तक का ऋण देने की योजना पर तेजी से अमल करने के निर्देश दिए। उन्होंने हरियाणा राज्य भंडारण निगम लिमिटेड के अधिकारियों से बजट में की गई घोषणाओं के अनुसार राज्य के विभिन्न जिलों में गोदाम बनाने के स्टेटस की जानकारी ली और इस दिशा में कार्य में गति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने जलभराव के क्षेत्रों में लवणीय पानी से पलने वाले पेड़–पौधे लगाने की संभावनाओं का पता लगाने के भी निर्देश दिए।

गौशालाओं को आत्मनिर्भर बनाने के प्रयास में सहभागी बने आमजन : सैनी

चंडीगढ़,30 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा है कि गायों की सुरक्षा के लिए गौ भक्तों को जन जागरण चलाना होगा। गौ सेवा सबका नैतिक दायित्व है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे गायों को सड़कों पर न छोड़ें और गौशालाओं को आत्मनिर्भर बनाने के प्रयासों में सहभागी बनें। गोबर व गौमूत्र से बने उत्पादों का उपयोग करें। उन्होंने श्री कृष्ण गौशाला, करनाल को अपने ऐच्छिक कोष से 21 लाख रुपये देने की घोषणा भी की। मुख्यमंत्री गुरुवार को श्री कृष्ण गौशाला में आयोजित गोपाष्टमी महोत्सव में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। इससे पहले उन्होंने गौशाला में गायों की पूजा की, गायों को चारा खिलाया और यहां बने चिकित्सालय का दौरा कर गौवंश के लिए उपलब्ध कराई जा रही सेवाओं का जायजा लिया। मुख्यमंत्री ने गोपाष्टमी की बधाई देते हुए कहा कि यह भारतीय सनातन जीवन का पवित्र दिन है जो हमें संस्कृति, भाईचारे और प्रेम भाव से जोड़ता है। यह केवल पर्व नहीं बल्कि करूणा, सेवा और कर्तव्य बोध का प्रतीक है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि गौ माता का जहां सामाजिक और आध्यात्मिक महत्त्व है वहीं इसका संबंध गोधन से भी रहा है। प्राचीन समय में जिसके पास जितनी अधिक गायें होती थीं उसे उतना ही अधिक समृद्ध माना जाता था। पौराणिक कथाओं के अनुसार देवी–देवताओं और असुरों के बीच हुए समुद्र मंथन से निकले 14 रत्नों में एक कामधेनु गाय थी। एक कथा अनुसार भगवान श्रीकृष्ण ने गौ–गोपियों के लिए जब गोवर्धन पर्वत धारण किया तब आठवें दिन इंद्र देवता भगवान श्रीकृष्ण की शरण में आए। उन्होंने कामधेनु श्रीकृष्ण का अभिषेक किया और उनका नाम गोविंद रखा। तभी से अष्टमी को गोपाष्टमी के रूप में मनाया जाता है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि गाय को आध्यात्मिक और दिव्य गुणों का स्वामी भी कहा जाता है। गाय को माता का दर्जा दिया गया है। उसका दूध अमृत के समान माना जाता है। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिकों द्वारा किए गए शोध से यह साबित हुआ है देसी गाय का दूध कई रोगों में काफी फायदेमंद है। यह मां के दूध के समान गुणकारी माना जाता है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि सरकार ने गौशालाओं के विकास, गौवंश के संरक्षण और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए अनेक कदम उठाए हैं। 11 साल पहले गौ सेवा आयोग को मात्र 2 करोड़ की ग्रांट दी जाती थी, लेकिन भाजपा सरकार ने सत्ता में आने के बाद इसमें लगातार वृद्धि की। गायों के संरक्षण व उनके संवर्धन के लिए सरकार ने बजट 600 करोड़ कर दिया है। उन्होंने ने बताया कि प्रदेश में 2014 में 215 पंजीकृत गौशालाओं में 1.75 लाख गौवंश था लेकिन आज 686 गौशालाओं में 4 लाख से अधिक गौवंश है। गौशालाओं के लिए 800 ई–रिक्शा खरीदने की प्रक्रिया जारी है। गौशालाओं को 2 रुपये प्रति यूनिट बिजली उपलब्ध कराई जा रही है। गौशालाओं के लिए जमीन की रजिस्ट्री करवाने की स्टांप ड्यूटी खत्म कर दी गई है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बताया कि गायों की जांच के लिए जिन गौशालाओं में 3 हजार से अधिक गौवंश हैं वहां सप्ताह में एक दिन पशु चिकित्सक और इससे कम संख्या वाली गौशालाओं में वीएलडीए की ड्यूटी लगाई गई है। इतना ही नहीं मोबाइल पशु चिकित्सालय की सेवाएं भी गौशालाओं के लिए उपलब्ध कराई गई है। बेसहारा गौवंश के लिए प्रदेश में दो गौ अभयारण्य बनाए गए हैं। गौशालाओं में शेड बनाने के लिए प्रति गौशाला 10 लाख का अनुदान देने का निर्णय पहले ही लिया जा चुका है। 51 गौशालाओं में शेड बनाए जा चुके हैं, बाकी में काम जारी है।

उन्होंने बताया कि 605 गौशालाओं के लिए 88 करोड़ 50 लाख रुपये चारे के लिए अनुदान के रूप में दिए गए हैं। पंजीकृत गौशालाओं को 11 सालों में 388 करोड़ 60 लाख का अनुदान चारे के लिए दिया गया है। देसी नस्ल की गायों के संवर्धन व संरक्षण के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रीय गोकुल मिशन लागू किया है। उन्होंने कहा कि सरकार गायों की नस्ल सुधारने और गौशालाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रयास कर रही है। गाय के गोबर और गोमूत्र से प्राकृतिक फिनाइल, जैविक खाद, गोबर के बर्तन, दीया, साबुन, उपले गमला, धूप, गौ अर्क जैसे उत्पाद बनाए जा रहे हैं। पंचगव्य उत्पादन के लिए गौशालाओं को मांग अनुसार जरूरी मशीनरी की खरीद के लिए मदद दी जा रही है। प्रदेश की 101 गौशालाओं को 6 करोड़ 50 लाख रुपये की अनुदान राशि पहुंचाई गई है।

मंत्री वी. सोमन्ना ने यशवंतपुर कोचिंग डिपो का किया निरीक्षण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। केंद्रीय रेल एवं जल शक्ति राज्य मंत्री वी. सोमन्ना ने गुरुवार को यशवंतपुर कोचिंग डिपो का निरीक्षण किया। अपने दौरे के दौरान, मंत्री ने डिपो में उपलब्ध विभिन्न रखरखाव सुविधाओं की समीक्षा की और इसके समग्र प्रदर्शन का आकलन किया। उन्होंने चल रहे विशेष स्वच्छता अभियान के अंतर्गत की जा रही गतिविधियों की भी समीक्षा की। यशवंतपुर कोचिंग डिपो दक्षिण पश्चिम रेलवे के अंतर्गत प्रमुख रखरखाव इकाइयों में से एक है। यशवंतपुर कोचिंग डिपो 41 रेकों का रखरखाव करता है और इसमें 909 कोच हैं। यह डिपो ट्रेनों का प्राथमिक और द्वितीयक रखरखाव

करता है, साथ ही प्लेटफॉर्म टर्न-अराउंड ट्रेनों पर भी ध्यान देता है। डिपो आईसीएफ और एलएचबी दोनों कोचों की इंटरमीडिएट ओवरहालिंग (आईओएच) भी करता है, जिससे यात्रियों के लिए सुरक्षा और आराम के उच्च मानक सुनिश्चित होते हैं। वी. सोमन्ना ने स्वच्छता अभियान की अपशिष्ट से कला पहल के तहत डिपो के बगीचे में बनाई गई अश्व मूर्ति का भी अवलोकन किया। नट, बोल्ट, वाशर, धातु की रस्सियों और स्प्रिंग जैसी स्क्रैप सामग्री से बनी 11 फुट ऊंची प्रभावशाली मूर्ति को डिपो के कर्मचारियों द्वारा घर में ही डिजाइन और निर्मित किया गया था। मंत्री ने इस पर्यावरण अनुकूल पहल में शामिल कर्मचारियों की रचनात्मकता और समर्पण की सराहना की। मीडिया से बातचीत करते हुए वी. सोमन्ना ने बताया कि 2 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक पूरे भारतीय रेलवे में विशेष अभियान चलाया गया था, जिसका उद्देश्य कार्यालयों, स्टेशनों और ट्रेनों में स्वच्छता सुनिश्चित करना था। इस अभियान के तहत स्वच्छता और सफाई बनाए रखने में जनता की भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किए गए थे। उन्होंने यात्रियों को सुरक्षित, स्वच्छ और आरामदायक यात्रा प्रदान करने के लिए कोचों के रखरखाव में उनके सराहनीय कार्य के लिए यशवंतपुर कोचिंग डिपो के अधिकारियों और कर्मचारियों के प्रयासों की सराहना की। इस मौके पर निरीक्षण में आशुतोष कुमार सिंह, मंडल रेल प्रबंधक, बेंगलूरु, परीक्षित मोहनपुरिया और प्रवीण कटारकी, अतिरिक्त मंडल रेल प्रबंधक, धर्मेंद्र सीरवी, वरिष्ठ कोचिंग डिपो अधिकारी, यशवंतपुर, अनुराग सिंह, वरिष्ठ मंडल यांत्रिक इंजीनियर एवं वरिष्ठ मंडल पर्यावरण एवं हाउसकीपिंग प्रबंधक तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण मौजूद थे।

गुरु भगवंतों के दर्शन वंदन का लिया लाभ

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री मरुधर केसरी रूप सुकन 2027 चातुर्मास समिति बेंगलूरु के तत्वावधान में चातुर्मास करने हेतु गुरुवार को समिति के सदस्यों द्वारा एक विनती पत्र पुणा में विराजमान पूज्य गुरुदेव श्री रुपचंदजी के सुशिष्य तपस्वी रत्न मुकेशमुनिजी, सेवा रत्न श्री हरीशमुनिजी एवं सेवा रत्न नानेशमुनिजी समेत अन्य मुनि संतों की सेवा में पुणा संघ के सामने सुपुर्द किया गया। उसके बाद यात्रा संघ ने जिन शासन प्रभाविका पूज्य श्री चैतन्य श्री जी, पूज्य श्री जिज्ञासा जी, उपाध्याय प्रवर श्री प्रवीण ऋषि जी एवं तीर्थंऋषिजी के दर्शन किए। पुणे के कात्रज में विराजमान इन्दु प्रभाजी एवं उनकी सेवा में रत महासतियांजी के दर्शन करके आगामी 2027 का चार्तुमास बेंगलूरु में करने की विनती की गई। गुरु दर्शन यात्रा संघ का नेतृत्व भंवरलाल पगारिया, महावीरचंद लुकड़, महावीरचंद धोका ने किया। नेमीचंद चौरड़िया, सोहनलाल मेहता, प्रसन्नचंद संचेती, मनोहरलाल लुकड़, उगमराज लुणावत, मंगलचंद मुणोत, पन्नालाल कोठारी, जंयतीलाल अखावत, सज्जनराज रांका, गौतम चंद लुकड़ आदि की विशेष उपस्थिति रही।

एडीजीपी जैन का हुब्बल्ली आगमन पर सम्मान

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री जैन मरूधर संघ में चातुर्मास हेतु विराजित साध्वीजी भगवंत मोक्ष मालाश्री के दर्शनार्थ उनके सांसारिक भ्राता एवं उत्तर प्रदेश कैडर के गोरखपुर जोन के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी अशोक कुमार, मांगीलाल जैन (आहोर) धर्मपत्नी के साथ हुब्बल्ली पधारे। साध्वीजी के सानिध्य में उन्होंने दर्शन-वंदन कर प्रवचन का श्रवण किया तथा श्री जैन मरूधर संघ द्वारा किए जा रहे धर्मकार्य एवं समाजसेवी गतिविधियों की सराहना की। उनका स्नेहिल आगमन जैन समाज के लिए गौरव का विषय बना।

इस अवसर पर संघ के उपाध्यक्ष इन्दरमल जैन, कार्यदर्शी दिनेश संघवी, ट्रस्टी चम्पालाल जैन, वीरचंद जैन, पारसमल भंसाली, विनीत जैन, सुरेश जैन तथा समाजसेवी एवं प्रधानमंत्री 15 सूत्रीय अल्पसंख्यक कल्याण कार्यक्रम समिति सदस्य महेन्द्र संघी सहित अन्य गणमान्यजनों द्वारा उनका सम्मान एवं सत्कार किया गया।

श्री मरुधरा जैन संघ स्नेह मिलन रविवार को

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री मरुधरा जैन संघ का दिपावली स्नेह मिलन तुमकुरु रोड पर स्थित भिक्षु धाम में रविवार को आयोजित किया जाएगा। संघ के अध्यक्ष डॉ. जवरीलाल लूनावत ने बताया कि संघ के 32वें स्नेह मिलन की तैयारियां पूरी कर दी गयी है। डाँ. लूनावत ने बताया कि संघ की कार्यकारिणी, नवयुवक मंडल, महिला मंडल व भोजन समिति व व्यवस्था समिति के सभी सदस्यों को शनिवार को दो बजे स्नेह मिलन स्थल पर पहुंच कर सभी तैयारियां शाम तक पूर्ण करने का अनुरोध किया है। ताकि सभी कार्यक्रम की शुरुआत रविवार सुबह सही समय पर हो सके। लूनावत ने बताया कि स्नेह मिलन की जनरल मीटिंग से पहले सुबह 10.35 बजे पंच परमेष्टि व कर्नाटका राज्य का ध्वजा रोहण किया जायेगा। उसके बाद महिला मंडल द्वारा मंगलाचरण करने के बाद मीटिंग की शुरुआत की जायेगी।

विश्व की सबसे ऊंची सूर्य प्रतिमा का मंत्रोच्चार के साथ भूमि पूजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बेंगलूरु से लगभग 85 किमी बेंगलूरु चेन्नई राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित मुलबागल में लगभग चौदह एकड़ भूमि पर प्रस्तावित विश्व की सबसे ऊँची भगवान भास्कर की मोनोथिक (एक शिला से निर्मित) प्रतिमा का गुरुवार को भूमि पूजन राष्ट्रीय शाकद्वीपीय ब्राह्मण महासंघ के राष्ट्रीय प्रमुख सुनील शर्मा एवं उनकी धर्मपत्नी संतोष शर्मा के मुख्य यजमानत्व में विद्वान आचार्य नवीन के नेतृत्व में कुल ग्यारह पंडितों द्वारा सर्वप्रथम गणपति पूजा, गंगा पूजा, पुण्य वाचन, नादिमातृका, नवग्रह कलश स्थापना, सूर्यनारायण स्वामी पूजा, अष्टदिकपाल पूजा, भूमि पूजन, शंख स्थापना, पंचामृत अभिषेक, सर्वतोभद्रा मंगल पूजा, सर्वदेव यज्ञ एवं बलि पूजा आदि वैदिक मंत्रों के साथ सैकड़ों समाज बंधुओं की उपस्थिति में विधि विधानपूर्वक हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ।

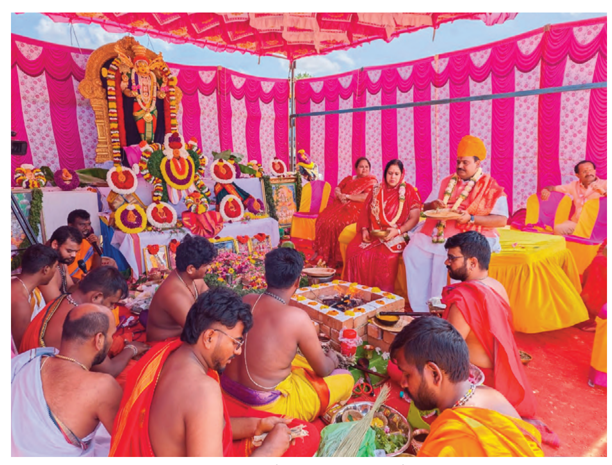

शाकद्वीपीय ब्राह्मण समाज के इतिहास में यह स्थान एक ऐतिहासिक स्थान बनेगा जहां मुख्य आराध्य भगवान भास्कर की विश्व की सबसे ऊंची प्रतिमा के साथ एक ही स्थान पर शक्ति स्वरूपा सोलह गोत्र की कुलदेवियों के मंदिर का निर्माण होगा। जिससे पूरे शाकद्वीपीय ब्राह्मण समाज में भक्ति एवं शक्ति का संचार होगा। इसलिए इस स्थान को शक्ति स्थल के रूप में जाना जायेगा।

जिस पर आने वाली पीढियां गर्व करेंगी। भूमि पूजन के पश्चात भक्ति संध्या का आयोजन हुआ जिसमें भजन गायक अनिल सिसोदिया एवं पार्टी ने एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुति देकर दर्शकों को झूमने के लिए मजबूर कर दिया। इस अवसर पर ओम भास्कराय नमः पुस्तक का विमोचन भी किया गया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय प्रमुख सुनील शर्मा एवं धर्मपत्नी संतोष शर्मा का माला, साफा एवं शॉल ओढ़ाकर बहुमान किया गया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष किशोर कुवेरा ने संबोधन में सुनील शर्मा द्वारा किये जा रहे समाजोत्थान के कार्यों की भूरी-भूरी प्रशंसा करते हुए धन्यवाद, आभार ज्ञापित किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय प्रमुख सुनील शर्मा, राष्ट्रीय अध्यक्ष किशोर शर्मा, रमेश शर्मा के.जी.एफ., हरीश शर्मा भद्रावती, सत्यनारायण शर्मा, अशोक मथुरिया, हनुमानप्रसाद, नरेश शर्मा हुब्बल्ली, जवरीलाल शर्मा सेलम, प्रकाश शर्मा बलुन्दा, बाबूलाल शर्मा, चेतन शर्मा, विजयकुमार शर्मा, राजेश शर्मा, संदीप शर्मा, भूपेश कश्यप, अनिल शर्मा, अविनाश शर्मा, वीरेन्द्र शर्मा, बालमुकुंद शर्मा, घनश्याम शर्मा सहित अनेक समाज बंधु, महिलाएं एवं बच्चे आदि उपस्थित थे।

मुजफ्फरपुर में तेज रफ्तार ने छीनी दो जिंदगियां

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)। मुजफ्फरपुर में बुधवार की शाम एक भीषण सड़क हादसे में दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा सदर थाना क्षेत्र के दिघरा नहर के पास हुआ, जहां एक तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार दो युवकों को कुचल दिया। बताया जा रहा है कि दोनों युवक छठ पूजा का प्रसाद लेकर लौट रहे थे। दुर्घटना इतनी भयावह थी कि दोनों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। आसपास के लोग मौके पर जुट गए और सड़क को जाम कर हंगामा शुरू कर दिया। इस बीच ट्रक चालक और उसका सहयोगी ट्रक को मौके पर छोड़कर फरार हो गए। स्थानीय लोगों ने क्षत-विक्षत शव देखकर गुस्से में सड़क पर प्रदर्शन किया।

घटना की सूचना मिलते ही सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आक्रोशित लोगों को समझा-बुझाकर स्थिति को शांत कराया। इसके बाद पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए एसकेएमसीएच भेज दिया।

स्थानीय लोगों ने पुलिस को बताया कि यह हादसा ओवरटेक करने के दौरान हुआ। ट्रक की चपेट में आने के बाद एक युवक का शव कुछ दूर तक घसीटता चला गया। लोगों के शोर मचाने पर चालक और खलासी ट्रक छोड़कर फरार हो गए। स्थानीय लोगों ने यह भी बताया कि इस स्थान पर आए दिन सड़क दुर्घटनाएं होती हैं, लेकिन प्रशासन की ओर से सुरक्षा के कोई ठोस इंतजाम नहीं किए गए हैं।

सदर थानेदार अस्मित कुमार ने बताया कि दुर्घटना में शामिल दोनों वाहनों को जब्त कर लिया गया है। फिलहाल मृतकों की पहचान नहीं हो सकी है और उनकी शिनाख्त के प्रयास जारी हैं। ट्रक चालक और सहयोगी फरार हैं, जिनकी तलाश की जा रही है। पुलिस ट्रक के नंबर और मालिक की जानकारी जुटा रही है ताकि आगे की कार्रवाई की जा सके।

हमारे जन्म से जीवन और मृत्यु पर्यन्त इस सृष्टि का हम पर उपहार ही उपकार : साध्वी

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री सौधर्म बृहत्तपोगच्छीय शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र सूरि गुरुमंदिर संघ काईपेट दावणगेरे में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी भव्यगुणा श्री ने कहा कि जो साधु तपस्वी हो अथवा रूग्ण हो अथवा सूत्र और अर्थ के पठन-पाठन में स्वयं को नियोजित करता हो, उनकी निर्मल भाव से सेवा करनी चाहिए। साध्वी शीतलगुणा ने कहा कि हमारे जन्म से जीवन और मृत्यु पर्यन्त इस सृष्टि का हम पर उपहार ही उपकार हैं। सूर्य, चन्द्र, वृक्ष, जल, प्रकाश, हवा, पर्वत, इतना ही नहीं, इस पृथ्वी का कण-कण हमारा उपकारी हैं, परन्तु उनकी सेवा सहज रूप से अभिव्यक्त होती है। इसी तरह

श्रावक का भी संघ के प्रति सेवा का कर्तव्य कहा गया है। स्वधर्मी को धर्म में स्थिर न करना दर्शनाचार के आठ अतिचारों में से एक अतिचार है। यदि कोई श्रावक तन-मन-धन से सक्षम होने पर भी अपने स्वधर्मी की आपत्तिकाल में सेवा नहीं करता, उसे धर्म-दर्शन में स्थिर नहीं करता तो उसका सम्यक्त्व मलिन होता है। सेवा से बढ़कर न कोई धर्म है, न कोई सुख है, न कोई यश है इसलिये श्रावक का कर्तव्य है कि वह-जो निर्धन है, उसे धन दें। जो रूका हुआ है, उसे गति दें। जो बिगड़ा हुआ है, उसे मति दें। जो दुःखी है, उसे सम्बल दें। हम आये दिन देखते हैं कि कहीं कोई पशु रोग से कराह रहा है, कोई अनाथ अभावों से पीड़ित हैं, कोई गरीब गरीबी से लाचार है, ऐसी स्थिति में कर्तव्य बनता है कि रोगी को औषधि का, भूखे को भोजन का और प्यासे को पानी का दान देकर व्यावहारिक सेवा को क्रियान्वित करें तथा दुःखी को सहानुभूति, अज्ञानी को ज्ञान, अधर्मी को धर्म एवं कुमार्गी को सन्मार्ग देकर पारमार्थिक सेवा के गुण को सार्थक करें। निर्मल विचार से मन पवित्र होता है, निर्मल आचार से तन पवित्र होता है, निःस्वार्थ दान से धन पवित्र होता है परन्तु निस्पृह सेवा से तो तन-मन-धन ही नहीं, सकल जीवन पवित्र होता है। अपना ही कोई स्वजन-परिजन दुःखी हो, उस समय उसका दुःख दूर किये बिना अन्न-जल ग्रहण करना एवं पर्यटन करना उस व्यक्ति को प्रिय नहीं लग सकता, जिसने परोपकार और वेयावच्च के अमृत-फल को जाना है।

धूमधाम से मनाया गोपाष्टमी महोत्सव

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बोम्मनहल्ली में 30 अक्टूबर को ग्रीनेज गौ सेवा समिति के तत्वावधान में गोपाष्टमी महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। गौ सेवा समिति द्वारा श्री कृष्ण गौशाला बेगूर से कुछ गाय पहली बार लाई गई। सोसायटी में रहने वाले परिवारों, महिलाओं, बच्चों और युवाओं ने बढ़ चढ़कर अपने आस्था और संस्कारों के अनुरूप पूरे विधि विधान से गौ माता की पूजा की। गौ माता को आहार खिला कर सेवा कार्य का लाभ लिया। सभी परिवार के सदस्यों ने गौमाता को छप्पन भोग अर्पण कर गौ माता के प्रति प्रेम, रुझान, सेवा भाव प्रदर्शित किया। गौ माता के लिए छप्पन भोग बनाने के लिए महिला टीम का अतुल्य योगदान रहा। पवित्र पर्व गोपाष्टमी को सफल बनाने के लिए, गौ माता के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए गौ सेवा समिति की महिला टीम को बहुत-बहुत बधाई और शुभकामनाएं दी गई।

दिल्ली से चलती है नीतीश की सरकार, रिमोट मोदी-शाह के हाथ में: राहुल गांधी

दरभंगा (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी, राजद नेता तेजस्वी यादव और वीआईपी प्रमुख मुकेश सहनी बुधवार को दरभंगा के लौआम स्थित स्टेडियम पहुंचे, जहां आयोजित संयुक्त जनसभा में उन्होंने महागठबंधन प्रत्याशियों के समर्थन में जनसमूह को संबोधित किया। इस मौके पर पूर्व मंत्री ललित यादव ने तीनों नेताओं का पाग, चादर और माला पहनाकर स्वागत किया। मंच से नेताओं ने दरभंगा ग्रामीण, बेनीपुर और केवटी विधानसभा क्षेत्रों के लिए वोट मांगे।

सभा को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि ये मत सोचिए कि नरेंद्र मोदी आपके प्रधानमंत्री हैं। नहीं, नरेंद्र मोदी अम्बानी और अडानी के औजार हैं। नोटबंदी, जीएसटी और एक रुपये में जमीन देने जैसे फैसले उन्हीं के हित में लिए गए हैं। मोदी सरकार देश के गरीबों के नहीं, पूंजीपतियों के लिए रास्ता बना रही है।

राहुल गांधी ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और केंद्र सरकार पर भी निशाना साधते हुए कहा कि अगर आप सोचते हैं कि बिहार की सरकार नीतीश कुमार चलाते हैं तो गलत सोचते हैं। बिहार की सरकार को रिमोट से मोदी और शाह चलाते हैं। वे जो चाहते हैं वही होता है। आने वाली महागठबंधन सरकार हर जाति और धर्म के लोगों की सरकार होगी।

वहीं, राजद नेता तेजस्वी यादव ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर हमला बोलते हुए कहा कि अमित शाह कहते हैं कि बिहार में कारखाना नहीं लग सकता क्योंकि यहां भूमि की कमी है। मैं पूछता हूं, जब लालू जी रेल मंत्री थे, तब क्या भूमि की कमी थी? उन्होंने तो बिहार में तीन-तीन कारखाने लगाए थे। असल में ये लोग काम नहीं करना चाहते, बल्कि बिहार पर कब्जा करना चाहते हैं। तेजस्वी ने आगे कहा हम अमित शाह जी से कहना चाहते हैं बिहार को बिहार का लाल ही चलाएगा, कोई बाहरी नहीं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com